डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

# रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित भोपाल 22 नवम्बर 2021 से 28 नवम्बर 2021 वर्ष-8 अंक-47 कुल पृष्ठ-16 मूल्य-1.00

जनजातीय गौरव दिवस

## आजादी के बाद सही मायने में भारत मना रहा है पहला जनजातीय गौरव दिवस - प्रधानमंत्री

### प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय गौरव की पुनर्स्थापना की – मुख्यमंत्री

**भोपाल, भारत सही मायने में अपना प्रथम जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। आजादी के बाद देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर जनजातीय कला, संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को गौरव एवं सम्मान प्रदान करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। इसके लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बधाई के पात्र हैं। भारत सरकार ने भी फैसला किया है कि 15 नवम्बर को पूरे देश में हर वर्ष गांधी-पटेल-अंबेडकर जयंती की तरह ही वृहद पैमाने पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया जायेगा तथा जनजातीय समाज के योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय गौरव दिवस समारोह में पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यहां जनजातीय कलाकारों द्वारा अत्यंत मनोहारी एवं अर्थपूर्ण नृत्य-गीत की प्रस्तुति दी गई है। मैं इन्हें ध्यान से देख रहा था। इनके हर नृत्य, गीत, जीवन-शैली, परंपराओं में कोई न कोई तत्व ज्ञान होता है। यह नृत्य गीत मुझे बता रहे थे कि जीवन 4 दिन का होता है, फिर मिट्टी में मिल जाता है, धरती, खेत, खलिहान किसी के नहीं रहते, धन-दौलत यहीं छोड़कर जानी होती है। मन में गुमान करना व्यर्थ है। जीवन का उत्तम तत्व ज्ञान जंगल में रहने वाले ये जनजातीय भाई-बहन हमें बताते हैं। हम अभी यह सब सीख रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज ने कोरोना के दोनों टीके लगवाकर पढ़े-लिखे समाज के सामने उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। देश को बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उन्होंने मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के नरसिंहरुंडा ग्राम में शत-प्रतिशत कोरोना वैक्सीनेशन की सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि जनजातीय कलाकृति प्रदर्शनी में श्रेष्ठ कलाकृतियां देखने को मिली हैं। इन कलाकारों की अंगुलियों में अद्भुत ताकत है। जनजातीय कलाकृतियों एवं उत्पादों को सरकार द्वारा अब उचित बाजार प्रदान किया जा रहा है। इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। ट्राइफेड पोर्टल के माध्यम से जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारें निरंतर जनजातीय कल्याण के कार्य कर रही हैं। सरकार द्वारा 20 लाख जनजातीय व्यक्तियों को वनभूमि के पट्टे प्रदान किये गये हैं। जनजातीय युवाओं के शिक्षा एवं कौशल विकास के लिये देशभर में 750 एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालय खोले जा रहे हैं, जिनमें से 50 का शिलान्यास किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा 30 लाख विद्यार्थियों को हर वर्ष छात्रवृत्ति दी जा रही है। अगले 7 वर्षों में 9 जनजातीय शोध संस्थान खोले जाएंगे। सरकार द्वारा 90 वनउपजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने जो 150 से अधिक मेडिकल कॉलेज मंजूर किए हैं, उनमें जनजातीय बहुल जिलों को प्राथमिकता दी गई है। इसी तरह जल जीवन मिशन में मध्यप्रदेश में जिन 30 लाख परिवारों को घर-घर पीने का पानी पहुंचाया जा रहा है, उनमें अधिकांश जनजातीय बंधु हैं। जनजातीय वर्ग की बहनें और बेटियां इसके पहले दूर-दूर पानी लेने के लिए जाती थीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में जनजाति गौरव की पुनर्स्थापना की है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को पूरे भारत वर्ष में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में हर वर्ष मनाये जाने का निर्णय ऐतिहासिक है। भगवान बिरसा मुंडा का सम्मान समूची जनजाति का सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन वस्तुतः जनजातियों की जिंदगी बदलने का अभियान है। यह जनजातियों के कल्याण, सम्मान एवं गौरव के लिये सरकार द्वारा लिया गया संकल्प है।

### जनजातीय क्षेत्रों में पहुंचाई गई सुविधायें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज का हित हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश का विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक हर व्यक्ति की इसमें उचित हिस्सेदारी न हो। सरकार द्वारा हर अन्य वर्गों की तरह जनजातीय समाज को भी तरक्की का हर मौका दिया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में भी शिक्षा, आवास, बिजली, गैस, इलाज आदि सभी सुविधाएं पहुंचाई गई हैं। देश में जल-जीवन मिशन प्रारंभ कर हर घर में नल से जल पहुंचाया जा रहा है।

### जनजातीय वर्ग के लिये खनिज नीति में परिवर्तन

प्रधानमंत्री ने कहा कि खनिज नीति में ऐसे परिवर्तन किए जिनसे जनजातीय वर्ग को वन क्षेत्रों में खनिजों के उत्खनन से लाभ मिलने लगा है। जिला खनिज निधि से 50 हजार करोड़ रुपये के लाभ में जनजातीय वर्ग हिस्सेदार है। जनजातीय समाज को यह सम्पदा काम आ रही है। खनन क्षेत्र में रोज़गार संभावनाओं को बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बांस की खेती जैसे सरल कार्य को पूर्व सरकारों ने कानूनों में जकड़ दिया था, उन्हें संशोधित किया गया है।

### खास खबर

## प्रदेश को जल जीवन मिशन में मिले 1279 करोड़ रुपये

**भोपाल,** भारत सरकार के जल-शक्ति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल जीवन मिशन में मध्यप्रदेश को सेकन्ड ट्रेन्च में 1279 करोड़ 19 लाख रुपये आवंटित किए हैं। उल्लेखनीय है कि कार्य की प्रगति और धनराशि के उपयोग के आधार पर वित्तीय वर्ष 2021-22 में सेकन्ड ट्रेन्च में अनुदान प्राप्त करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। देश के अन्य किसी राज्य को अभी तक जल जीवन मिशन में सेकन्ड ट्रेन्च राशि आवंटित नहीं हुई है। मई 2021 में प्राप्त फर्स्ट ट्रेन्च की राशि और राज्य सरकार द्वारा समान अंशदान सम्मिलित कर मिशन के कार्यों का संचालन किया जा रहा है।

### अंदर के पृष्ठों पर


- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण


### आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप

## खेती के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएं - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मध्यप्रदेश में खेती के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। किसानों की आमदनी बढ़ाने और खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास किए जाएं। जैविक खेती एवं दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप अंतर्गत गठित मंत्री समूह की अंतर्विभागीय बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

**कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात करें**

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि उत्पादों का अधिकाधिक निर्यात करने के लिए उत्पादन को बढ़ाएं। जैविक खेती के लिए माहौल तैयार कर किसानों को प्रोत्साहित करें। फसलों के उत्पादन एवं विक्रय के लिए गंभीरता से प्रयास करें। फसलों के विविधीकरण एवं सामाजिक बानिकी जैसे माध्यमों से उत्पादन को बढ़ाया जाए।

**खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए विशेषज्ञों की राय लें**

श्री चौहान ने कहा कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए विशेषज्ञों की राय लेकर मंत्री समूह का प्रस्तुतिकरण तैयार करें। इसके बाद निर्धारित कार्य-योजना में किसानों को खेती करने के तरीकों की समझाइश दी जाए। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को विकल्प उपलब्ध कराने की कार्य-योजना भी बनाई जाए। प्रदेश में सहकारी समितियों को फायदे में लाने के लिए कार्य-योजना बनाकर व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएं। सहकारी बैंकों में समिति प्रबंधकों आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। प्रदेश की इथेनॉल पॉलिसी की तरह कृषि के क्षेत्र में विभिन्न नीतियां तैयार कर नवाचार को बढ़ावा दिया जाए।

- **किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिये किया जायेगा प्रोत्साहित।**
- **कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये बनायी जायेंगी कार्य-योजना।**

बैठक में किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो मेमो ट्रेनों का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

**भोपाल,** भोपाल में भव्य रेलवे स्टेशन का कायाकल्प ही नहीं हुआ, बल्कि रानी कमलापति का नाम रेलवे स्टेशन से जोड़ने से गोंड समाज सहित सम्पूर्ण जनजाति वर्ग का गौरव बढ़ा है। यह दिन भोपाल और मध्यप्रदेश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरवशाली इतिहास का दिन है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में पुनर्विकसित वर्ल्ड क्लास रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करते हुये कहीं।

श्री मोदी ने कहा कि इन परियोजनाओं के शुभारंभ से रेलवे पर दबाव कम होगा एवं आमजनों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। भारतीय रेल सिर्फ दूरियों को कनेक्ट करने का माध्यम नहीं है, बल्कि ये देश की संस्कृति, देश के पर्यटन और तीर्थाटन को कनेक्ट करने का भी अहम माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिये अच्छी कनेक्टिविटी मिल सकेगी। महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं एवं अप-डाउन करने वाले हजारों यात्रियों, व्यापारियों और किसानों को परियोजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। आजादी के इतने दशकों बाद भारतीय रेल के सामर्थ्य को इतने बड़े स्तर पर एक्सप्लोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन देश का पहला आईएसओ सर्टिफाइड एवं पीपीपी मॉडल पर विकसित रेलवे स्टेशन है।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

## 13 नवम्बर

### अमेरिका में एच-1 बी वीजाधारकों के परिवार को काम करने का अधिकार

● अमेरिका में अब एच-1 बी वीजाधारकों के परिजनों को काम करने का अधिकार मिलेगा। बाइडेन प्रशासन ने एच-1 बी वीजाधारकों के परिजन को एच-4 वीजा के तहत काम करने के अधिकार का परमिट जारी करने पर सहमति प्रदान की है। अमेरिकी सरकार के इस फैसले से अमेरिका में आईटी क्षेत्र में काम कर रहे हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स और उनके जीवनसाथी को फायदा होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में एच-1बी वीजाधारकों के करीबी परिजन (जीवनसाथी और 21 वर्ष से कम उम्र के बच्चों) को एच-4 वीजा जारी किया जाता है। अमेरिकी इमिग्रेशन लायर्स एसोसिएशन ने एच-4 वीजाधारकों को काम करने का परमिट देने के लिये केस किया था।

● भारतीय खगोलविदों ने एक ऐसी कार्य प्रणाली विकसित की है, जो पृथ्वी के वायुमंडल से हो रहे संदूषण और उपकरणीय प्रभावों तथा अन्य कारकों से होने वाली गड़बड़ी को कम करके सौर मंडल से बाहर के ग्रहों से मिलने वाले डाटा की सटीकता को बढ़ा सकती है। इस प्रणाली को क्रिटिकल नॉइज ट्रीटमेंट एल्गोरिथम नाम दिया गया है। यह प्रणाली सटीकता के साथ एक्सोप्लैनेट्स के पर्यावरण का अध्ययन करने में मदद कर सकती है। इस कार्यप्रणाली को भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बेंगलुरु के खगोलविदों ने विकसित किया है।

● केंद्रीय संस्कृति और विदेश राज्यमंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने आजादी का अमृत महोत्सव मोबाइल एप का लोकार्पण किया। इस एप में भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के समारोहों से संबंधित सभी सूचनाएं एक साथ उपलब्ध होंगी। यह एप एंड्रायड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इस एप को मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।

## 14 नवम्बर

### डब्ल्यूएचओ ने यूरोप में कोरोना के बढ़ते मामलों पर जारी की चेतावनी

● कोरोना महामारी ने यूरोप में एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यूरोपीय देशों में बढ़ते संक्रमण को देखते हुये चेतावनी जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि विश्व पर कोरोना महामारी का खतरा अभी टला नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यूरोपीय देशों में पिछले सप्ताह कोरोना महामारी के सबसे ज्यादा प्रकरण सामने आये हैं। इस दौरान लगभग 20 लाख लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुये हैं, जबकि 27 हजार लोगों की मौत भी हुई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रॉस घेब्रेयेसस ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की कोरोना वायरस से मृत्यु होना चिंता की बात है।

● केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने नागरिकों के लिये टेली लॉ मोबाइल एप लॉन्च किया है। इस अवसर पर श्री रिजिजू ने कहा कि नये भारत का विकास डिजिटल इंडिया के विजन से हुआ है। डिजिटल इंडिया योजना के तहत ई-इंटरफेस प्लेटफॉर्म टेली लॉ विकसित किया गया है। टेली लॉ एप का उद्देश्य आम लोगों को आत्मनिर्भर बनाना और सबके लिये न्याय सुलभ करना है। यह देश में पूर्व मुकदमा तंत्र को सुदृढ़ करने का प्लेटफॉर्म है। उन्होंने कहा कि टेली लॉ एप अपनी तरह का पहला एप है, जिसमें न्याय के समक्ष सभी को समान अवसर उपलब्ध होंगे और प्रत्येक नागरिक की न्याय तक पहुंच होगी।

## 15 नवम्बर

### जलवायु सम्मेलन में कोयले के इस्तेमाल को कम करने का प्रस्ताव पारित

● ग्लास्गो में चल रहे कॉप-26 जलवायु सम्मेलन में सभी देश कोयले के इस्तेमाल को कम करने के लक्ष्य पर सहमत हो गये हैं। सभी देशों को अब पहले की तुलना में अपने कार्बन उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। कोयले के इस्तेमाल को कम करने का प्रस्ताव भारत ने रखा था। भारत की ओर से पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने मसौदा पेश करते हुये कहा कि विकासशील देश कैसे कोयले के इस्तेमाल को बंद कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें अभी बहुत विकास करना है। उन्होंने कहा कि भारत ने कोयले के इस्तेमाल कम करने को लेकर चीन, अमेरिका और यूरोपीय देशों से बातचीत की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों के नतीजों के खात्मे की शुरुआत के लिये कॉप-26 को याद रखेगी।

● विश्व ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रहा है। पिछले 150 वर्षों में विश्व का तापमान जितनी तेजी से बढ़ा है, उतना हिमयुग के बाद से 24 हजार वर्षों में भी नहीं बढ़ा है। यह जानकारी हाल ही में किये गये एक अध्ययन में दी गई है। अध्ययन के अनुसार मानवीय गतिविधियों के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन से ग्लोबल वार्मिंग तेजी से बढ़ रही है। विश्व का तापमान 10 हजार साल पहले बढ़ना शुरू हुआ था, ये प्राकृतिक तौर पर बढ़ रहा था। लेकिन पिछले 150 वर्षों में इसमें अनुपातिक रूप से तेजी आई है। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के वैज्ञानिकों ने किया है।

## 16 नवम्बर

### ब्रिटेन में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को लगेगा बूस्टर डोज

● ब्रिटेन में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के बाद ब्रिटिश सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन के बूस्टर डोज के दायरे में 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी शामिल होने की मंजूरी दी है। ब्रिटेन में अभी तक 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को ही बूस्टर डोज दिया जाता है। अब यह डोज 40 से 49 वर्ष के लोगों को भी लगेगा। ब्रिटेन की प्रतिरक्षण और टीकाकरण पर संयुक्त समिति (जेसीवीआई) ने सरकार को सलाह दी थी कि कोरोना वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा को बढ़ाने के लिये 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को दूसरी खुराक के छह महीने बाद बूस्टर डोज दिया जाना चाहिये।

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया के लिये नया प्रोटोकॉल अधिसूचित किया है। अधिसूचना के अनुसार हत्या, आत्महत्या, क्षत-विक्षत शव और संदिग्ध मामलों को छोड़कर अब सूर्यास्त के बाद भी शवों का पोस्टमार्टम किया जा सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख एल. मांडविया ने बताया कि यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रोटोकॉल के अनुसार सूर्यास्त के बाद उन अस्पतालों में रात में भी पोस्टमार्टम किया जायेगा, जिनके पास नियमित आधार पर पोस्टमार्टम के लिये बुनियादी ढांचा है। किसी भी तरह के संदेह को दूर करने और कानूनी उद्देश्य के लिये रात में होने वाले पोस्टमार्टम की वीडियो रिकॉर्डिंग की जायेगी।

## 17 नवम्बर

### नौसेना में शामिल होंगे मिसाइल डिस्ट्रायर पोत और पनडुब्बी

● हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता से निपटने के लिये भारतीय

नौसेना की युद्धक क्षमता में इजाफा किया जा रहा है। भारतीय नौसेना में जल्द ही एक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर पोत 'विशाखापट्नम' और स्कॉर्पीन श्रेणी की चौथी पनडुब्बी 'वेला' को शामिल किया जायेगा। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल सतीष नामदेव घोरमडे ने बताया कि स्वदेशी स्टेल्थ मिसाइल डिस्ट्रायर जहाज आईएनएस विशाखापट्नम भारतीय नौसेना में शामिल होगा। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े में एक एयर क्राफ्ट कैरियर सहित 130 युद्धपोत हैं, इसके अलावा 39 जंगी जहाज देश के अलग-अलग शिपयार्ड में तैयार किये जा रहे हैं। वाइस एडमिरल घोरमडे ने बताया कि पनडुब्बी आईएनएस वेला को भी नौसेना में शामिल किया जायेगा। यह स्कॉर्पीन श्रेणी की चौथी पनडुब्बी है। इससे पहले इस श्रेणी की तीन पनडुब्बी कल्वरी, खंडेरी और करंज भारतीय नौसेना में शामिल हो चुकी हैं। इन्हें फ्रांस की मदद से बनाया गया है।

● स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने और इसकी रूपरेखा तय करने के लिये देश में पहली बार नेशनल हेल्थ रिसर्च पॉलिसी बनाई जायेगी। इसके साथ ही देश में नेशनल हेल्थ रिसर्च मैनेजमेंट बोर्ड का भी गठन किया जायेगा। इस बोर्ड के प्रमुख केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री होंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग की ओर से हेल्थ रिसर्च को बढ़ावा देने के लिये नेशनल हेल्थ रिसर्च पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्र में खर्च होने वाली राशि का कम से कम दो प्रतिशत राशि हेल्थ रिसर्च पर खर्च होगी।

● संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने तेलंगाना राज्य के पोचमपल्ली गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों के रूप में चुना है। पोचमपल्ली गांव को यह पुरस्कार 2 दिसम्बर को स्पेन की राजधानी मेड्रिड में यूएनडब्ल्यूटीओ महासभा के 24वें सत्र में प्रदान किया जायेगा। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि पोचमपल्ली को उत्कृष्ट साड़ियों के लिये भारत में सिल्क सिटी के रूप में जाना जाता है, अब इस गांव की पहचान वैश्विक बन गई है।

## 18 नवम्बर

### सात हजार गांवों को दी जायेगी 4जी कनेक्टिविटी

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पांच राज्यों के सात हजार से ज्यादा गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी देने का निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र और ओडिशा के चयनित 44 जिलों के सात हजार से ज्यादा (7287) गांवों में 4जी कनेक्टिविटी के लिये टावर लगाये जायेंगे। 4जी कनेक्टिविटी बढ़ने से इन गांवों के लोग ई-गवर्नेंस का लाभ उठा सकेंगे। इस परियोजना में 6466 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नक्सल प्रभावित इलाकों सहित दूरदराज के अंचलों में 32,152 किलोमीटर सड़कें बनाने की मंजूरी भी प्रदान की। ये सड़कें उन इलाकों में बनाई जायेंगी, जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के पहले और दूसरे चरण में शामिल नहीं की गई थीं।

● भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रबंधन पर आधारित पांच अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किये हैं। ये मॉड्यूल चुनाव की योजना, राजनीतिक वित्त, मतदाता पंजीकरण, चुनाव प्रौद्योगिकी तथा राजनीतिक दलों एवं ईएमबी पर आधारित है। मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुशील चंद्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन मॉड्यूल का शुभारंभ किया। ये मॉड्यूल इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के सहयोग से भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) द्वारा तैयार किया गया है। इस अवसर पर मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुशील चंद्रा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग प्रतिबद्ध, सक्षम, विश्वसनीय और कुशल प्रबंधकों द्वारा चुनाव प्रक्रियाओं का सावधानीपूर्वक सटीक मतदाता अनुकूल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिये नवाचार और तकनीकी अपग्रेडेशन को महत्व देता है।

## 19 नवम्बर

### एचएएल से दो फिक्स्ड बेस फुल मिशन सिम्युलेटर खरीदेगी सरकार

● केंद्र सरकार ने भारतीय वायुसेना के लिये 357 करोड़ रुपये की लागत के दो फिक्स्ड बेस फुल मिशन सिम्युलेटर (एफबीएफएमएस) की खरीद के लिये हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ करार किया है। ये सिम्युलेटर जगुआर विमान के रखरखाव के लिये होंगे। इन सिम्युलेटरों को जामनगर और गोरखपुर स्थित वायुसेना स्टेशनों में स्थापित किया जायेगा। एचएएल द्वारा फिक्स्ड बेस फुल मिशन सिम्युलेटर का निर्माण आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देगा तथा इससे देश में रक्षा उत्पादन एवं रक्षा उद्योग के स्वदेशीकरण में भी बढ़ोत्तरी होगी।

● ताइवान और चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। चीन की धमकियों का जवाब देने के लिये ताइवान ने उन्नत एफ-16वी लड़ाकू विमानों को तैनात किया है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने चिपाई सैन्य बेस पर 64 एफ-16वी विमानों को ताइवान की वायुसेना में शामिल कराया। ये विमान ताइवान के 141 एफ-16ए/बी लड़ाकू विमानों का हिस्सा हैं। ताइवान ने ये विमान अमेरिका से हासिल किये हैं।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

Join Capsule Course
From 25 Nov.
NEET (@25000/-)
नर्सिंग (PNST)
CET/11th/12th
बालाजी ट्यूटोरियल्स
221 वेदा बिल्डिंग, भँवरकुआ इन्दौर
98930-53653
R-46196/2021

Agrani COURSES
POWERED BY KSG
" UPSC में 2000 से अधिक सिलेक्शन देने के बाद SSC, BANKING, RAILWAY, INSURANCE और VYAPAM को समर्पित KSG का प्रतिबद्ध संस्थान "
एक सम्पूर्ण समाधान, जो आपको रखे SSC, BANKING, RAILWAY, INSURANCE और VYAPAM की परीक्षाओं में अग्रणी!
COURSES WE OFFER
SSC
Banking
Railway
MP (SI)
Constable
Patwari
Labour Inspector
All One Day Exams
माध्यम हिंदी एवं अंग्रेजी
FREE DEMO CLASSES
NEW BATCH STARTED FROM 15th NOVEMBER
संपर्क करे 0755 4281 148 | 834 9181 148
131/13 Zone II, M. P. Nagar, Bhopal
Shreeram
R-46197/2021

वर्ष 38, अंक 47 22.11.2021 से 28.11.2021
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

# रोज़गार और गरीबों को लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

गरीबों को लाभ पहुंचाना और रोज़गार देना हमारी पहली प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के पालन में हमने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने का निर्णय लिया है। बैंक स्वरोज़गार के लिये हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित मंत्रालय में स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोज़गार की अनंत संभावनायें हैं। इसलिये युवा पढ़ाई-लिखाई करने के बाद केवल सरकारी नौकरी के लिये ही नहीं, बल्कि स्वरोज़गार के क्षेत्र में भी जाने के प्रयास करें। प्रधानमंत्री जी के लोकल को वोकल बनाने के सपने को साकार करने की कोशिश करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिये कोई कमी नहीं रहने दी जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वरोज़गार से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिये बैंकर्स द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाकर स्वरोज़गार मेले लगाये जायें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय कर निर्धारित समयावधि में पूरा करने की कोशिश करें। निर्धारित किये गये लक्ष्यों की उनके द्वारा प्रतिमाह समीक्षा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-जागरूकता द्वारा लोगों को समझाइश दी जाये कि स्वरोज़गार के लिये जो पैसा ले रहे हैं, उसे वापस करने पर ही उन्हें दूसरी किस्त की राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान कहा कि आजीविका मिशन महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। यह महिलाओं की जिन्दगी बदलने का कार्यक्रम है। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति ही नहीं सामाजिक स्थिति में भी सुधार आता है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से लक्ष्य निर्धारित कर अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे व्यवसायियों को स्वरोज़गार की राह दिखाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बैंकर्स की सहभागिता अच्छे ढंग से सुनिश्चित होगी तो लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा। उन्होंने निजी क्षेत्र के बैंक प्रतिनिधियों से भी शासन की विभिन्न स्वरोज़गार योजनाओं को सहयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बिना किसी ठोस कारण के हितग्राहियों के आवेदन निरस्त नहीं किये जायें। आवेदकों के साथ बैंकों में अच्छा व्यवहार किया जाये। लोगों में आत्मविश्वास पैदा हो, कोई भी हितग्राही बैंकों में जाये तो उन्हें ऋण लेने में पूरी तरह मदद की जाये। ऋण लेने की प्रक्रिया को आसान बनाने में पूरा सहयोग करें। श्री चौहान ने 'मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना' की उपलब्धियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस योजना में अभी तक कुल 2 लाख 42 हजार लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। हितग्राहियों को योजना का लाभ आसानी से मिले और उन्हें बैंकों में अनावश्यक चक्कर लगाना न पड़े इसका ध्यान रखा जाये। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुये उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हम इस योजना में प्रथम स्थान पर थे, इस वर्ष भी यह उपलब्धि कायम रहे।

### ध्रुवों पर पिघल रही बर्फ

# जमीन की परत में हो रहा बदलाव

जलवायु परिवर्तन एक ऐसा विषय है, जिससे समूची दुनिया इस समय दो-चार हो रही है। इसका प्रभाव इंसानों से लेकर जानवरों तक और जंगलों से लेकर पर्वतों तक दिख रहा है। जलवायु में हो रहे परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर ध्रुवीय बर्फ पर पड़ रहा है, जो तेजी से पिघल रही है। अब एक नये अध्ययन में दावा किया गया है कि इसके चलते पृथ्वी की ऊपरी परत में बदलाव हो रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी के ध्रुवों पर बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इससे महासागरों का जल स्तर बढ़ा है, वहीं पृथ्वी की परत यानि क्रस्ट में भी बदलाव आ रहा है। यह असर हजारों मील तक दिखने लगा है, जैसे-जैसे ग्रीनलैण्ड अंटार्कटिका और आर्कटिक के ऊपर की बर्फ का भार कम हो रहा है, इन क्षेत्रों में पृथ्वी की परत उठ रही है और ज्यादा फैल रही है। यह गतिविधि औसतन एक मिलीमीटर प्रति वर्ष हो रही है। न्यू मेक्सिको की लॉस एलामोस्त नेशनल लेबॉरेटरी के विशेषज्ञों ने यह अध्ययन किया है। भू-भौतिकविद सोफी कलसन की मानें तो पूर्व अध्ययनों में पाया गया कि बर्फ की चादर पिघलने से पृथ्वी की सतह ऊपर उठ सकती है, हमने देखा कि क्षैतिज विस्थापन विस्तृत क्षेत्र में पाया गया है। पिछले दशकों से आर्कटिक में बढ़ते तामपान ने समुद्री बर्फ की परत को पतला कर दिया है। कैलिफोर्निया के पासाडेना में नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल आर्कटिक की समुद्री बर्फ की सीमा घटकर 47.2 वर्ग किलोमीटर रह गई है। सितम्बर को आर्कटिक की समुद्री बर्फ अपनी साल भर के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान साल 2003 से लेकर 2018 तक के ध्रुवीय क्षेत्र मापन के साथ उपग्रहों से प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि पृथ्वी की परत की गतिविधियों का त्रिआयामी नाप लेने के बाद हमने पाया कि इसमें हजारों सालों से बदलाव हो रहा है।

**- देवेश तिवारी**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

### विश्व टेलीविजन दिवस 21 नवम्बर

# टेलीविजन - एक दूरदर्शी प्रयोग

सकारात्मक सोच से आप नकारात्मक सोच की तुलना में हर चीज को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। मशहूर प्रेरक विचारक जिग जिगलर की यह बात सच होती है उस कमरे में रखे एक छोटे से टेलीविजन पर भी। जिसे हम बुद्धु बक्सा माने या फिर हमारा ज्ञानवर्धन करने वाला। यह हमारे ज्ञान को बढ़ाता भी है और सीमित भी कर सकता है और विचारों पर नियंत्रण भी। तय तो हमें करना है कि हमें इसका प्रयोग किस कार्य के लिए करना है।

विश्व में टेलीविजन के बढ़ते प्रभाव और इसके महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1996 में इस दिवस को मनाए जाने का फैसला लिया गया था। टेलीविजन विभिन्न प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूरे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करता है। वर्तमान में यह मीडिया की प्रमुख ताकत के रूप में है। यूनेस्को ने टेलीविजन को संचार और सूचना के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में पहचाना है। साथ ही यह भी माना है कि इस माध्यम ने व्यापक स्तर पर लोगों के बीच ज्ञान के प्रवाहमान को बरकरार रखा है। कम विकसित देशों में यह माध्यम ज्ञान के विस्तार के लिए अति महत्वपूर्ण माध्यम है। यह हमें विश्वभर के लोगों के बीच समानता को दर्शाता है। आधुनिक विश्व में टेलीविजन के महत्व को बताता है। टेलीविजन शब्द प्राचीन ग्रीक भाषा के शब्द टेली और लैटिन भाषा के शब्द विजियो को मिलाकर बनाया गया है। टेली का मतलब होता है-दूर और विजियो का मतलब होता है-देखना। यानी दूर से देखना। टीवी का प्रायोगिक तौर पर प्रयोग पहली बार 1920 के ही दशक में ही शुरू किया गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ही यह लोकप्रिय हो सका। स्कॉटलैंड के इंजीनियर जे.एल. बेयर्ड ने 26 जनवरी, 1926 को टीवी प्रसारण का प्रदर्शन किया। इसलिए उन्हें ही टीवी का आविष्कारक माना जाता है। एक आंकड़े के अनुसार वर्ष 2009 तक दुनिया के करीब 78 फीसदी घरों में कम से कम एक टीवी सेट होने का अनुमान था। टेलीविजन दुनियाभर की समस्याओं तथा ज्वलंत मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने, विश्व में जनमत तथा सार्वजनिक राय बनाने, समाचार तथा सूचना प्रसारित करने, वाद-विवाद, चर्चाएं आयोजित करने एवं विश्व में शांति स्थापना, विकास आदि संबंधी संदेश देने का सशक्त माध्यम है। संचार प्रक्रिया में, संचार संदेश की अपेक्षा, संचार माध्यम की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है, मार्शल मेकलुहान ने कहा भी है कि, 'मीडियम इस मैसेज'। कभी-कभी श्रोता संदेश की अपेक्षा संचार माध्यम से अधिक प्रभावित होता है, क्योंकि प्रौद्योगिकी का अपना अलग आकर्षण है। वास्तव में जन-संचार की जनक, मीडिया प्रौद्योगिकी ही है। इस पूरी शताब्दी को यदि जनसंचार की शताब्दी कहा भी जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1996 को 21 नवम्बर की तिथि को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप से घोषित किया था। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1996 में 21 और 22 नवम्बर को विश्व के प्रथम विश्व टेलीविजन फोरम का आयोजन किया था। इस दिन पूरे विश्व की मीडिया हस्तियों ने संयुक्त राष्ट्र के संरक्षण में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान टेलीविजन के विश्व पर पड़ने वाले प्रभाव के सन्दर्भ में काफी चर्चा की गई थी। साथ ही उन्होंने इस तथ्य पर भी चर्चा की कि विश्व को परिवर्तित करने में इसका क्या योगदान है। उन्होंने आपसी सहयोग से इसके महत्व के बारे में चर्चा की। यही कारण था की संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 नवम्बर की तिथि को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

### बदलते वक्त के साथ बदला टेलीविजन

अगर आप समय के साथ खुद को

अपडेट नहीं करते हैं, तो आप प्रासंगिक नहीं होते हैं। इस बात को टेलीविजन बखूबी समझता है। लोगों को लगा था कि इंटरनेट के आने के बाद टेलीविजन एक गुजरे जमाने की बात होगी, लेकिन टेलीविजन ने खुद को समय के साथ अपडेट कर लिया है। ज्यादातर वेबसाइट ने अपने डिजिटल चैनल भी तैयार कर लिए हैं, जिससे हर हाथ में एक तरह से अपना टेलीविजन सेट है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार के इस्तेमाल ने हमारी निर्भरता को मनोरंजन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, व्यक्तिगत संबंधों, यात्रा आदि के संदर्भ में इस पर निर्भर बना दिया है। हम कह सकते हैं कि वर्तमान में सूचना तकनीक ने पूरे विश्व को अपने हाथों में नियंत्रित कर लिया है, तो यह हमारे स्वयं के नियंत्रण में भी है। यह हमारे जीवन को कई संदर्भों में जैसे- शिक्षा, मनोरंजन, स्वास्थ्य आदि कई क्षेत्रों में शिक्षित करता है। तो दूसरी तरफ हम क्या देखना चाहते हैं इसकी आजादी भी हमारे अपने हाथ में है। हम यह जानते हैं कि दुनिया की हर चीज लाभदायक और हानिकारक दोनों होती है। अतः टेलीविजन भी इस सन्दर्भ में कोई अपवाद नहीं हो सकता है। यह निश्चित रूप से हमारे समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है जैसे नई सूचना के बारे में जानकारी, नई प्रतिभाओं का विकास, संस्कृति का भूमंडलीकरण इत्यादि। तो दूसरी तरफ इसका नकारात्मक प्रभाव भी है कि लोगों के अंदर विचार करने की क्षमता को भी नियंत्रित करने में अपनी भूमिका निभाता है। इसके अलावा एक गलत और भ्रामक सूचना और उसका वीडियो समाज और जनता पर अपना नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है या हिंसा को फैला सकता है। इसलिए यह हमें तय करना है कि टेलीविजन का प्रयोग किस तरह करना है।

### दूरदर्शन का इतिहास

डॉ. विक्रम साराभाई मानते थे कि टेलीविजन भारत की ग्रामीण आबादी के विकास और देश एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वे टीवी प्रसारण के लिए संचार सेटेलाइटों का उपयोग करना चाहते थे। भारत में दूरदर्शन का पहला प्रसारण 15 सितंबर, 1959 को प्रयोगात्मक आधार पर आधे घंटे के लिए शैक्षिक और विकास कार्यक्रमों के रूप में शुरू किया गया। उस समय दूरदर्शन का प्रसारण सप्ताह में सिर्फ तीन दिन आधा-आधा घंटे होता था। तब इसको 'टेलीविजन इंडिया' नाम दिया गया था। देश उस समय गरीबी, खाद्यान्न संकट, महामारी, अशिक्षा, जैसी विषम समस्याओं से ग्रस्त था। संचार माध्यमों का अब प्रमुख कार्य लोगों को सूचना देना ही नहीं अपितु जागरूक करना भी था। संचार माध्यम ने श्रोताओं, दर्शकों को जागरूक करने का बीड़ा उठाया। टेलीविजन ने शुरुआती दौर में हरित क्रांति, महामारियों पर नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा साक्षरता में वृद्धि, विकास दर में सुधार आदि में दिखाई देने लगा। रंगीन टेलीविजन की शुरूआत होने के बाद लोकप्रियता में इतना विस्तार हुआ दूरदर्शन द्वारा एशियन खेल का लाइव रंगीन प्रसारण किया गया। मेक्सिको से शुरू हुए टेलीविजन की नई विधा सोप ओपेरा या धारावाहिक का प्रसारण भारत में हम लोग के जारिए किया गया, मनोहर श्याम जोशी लिखित इस धारावाहिक ने दर्शकों को टेलीविजन तक आकर्षित किया। इसके बाद रजनी, रामायण, महाभारत जैसे धार्मिक और मनोरंजन कार्यक्रम के कारण दूरदर्शन आधुनिक कला, साहित्य और संस्कृति के तीर्थ स्थल बन गए। टेलीविजन ने 'टेक्नोलॉजी शेप द सोसायटी' की अवधारणा को साकार किया, टेलीविजन के विकास और विस्तार के इस दौर में दर्शकों के अनुरूप कार्यक्रमों का निर्माण किया जाने लगा। टेलीविजन में नवाचार के प्रयोग का आयाम बढ़ता गया, जिससे दर्शकों की पसंद और विषय के अनुरूप अलग-अलग टेलीविजन चैनल का भी विकास हुआ, समाचार, संगीत, संस्कृति, फिल्म, व्यापार जैसे विषय के चैनलों के साथ भाषा की अनिवार्यता को भी समझा गया। संप्रेषण में दृश्य के साथ-साथ भाषा का महत्व भी प्रधान है, जिसके कारण क्षेत्रीय बोलियों तथा भाषाओं में चैनलों का प्रसारण प्रारंभ हुआ। भारत में टेलीविजन के विस्तार के लिए अशोक के. चन्दा, वी.जी. वर्गीज और पी.सी. जोशी कमेटी की रिपोर्ट ने कई अहम सुझाव दिए, इन सुझावों से लोगों के घर-घर तक टेलिविजन ने दस्तक दी। खेती-किसानी में नए प्रयोग, नई तकनीक को किसान भाईयों से रू-ब-रू कराने के लिए कृषि दर्शन कार्यक्रम प्रसारित किया गया, जो आज सबसे लंबी अवधि से प्रसारित कार्यक्रम बन गया है, जिसका प्रसारण 1967 से अनवतरत किया जा रहा है। वी.जी. वर्गीज ने भी जनसंचार को विकास से जोड़ने के लिए जनसंचार की एक राष्ट्रीय नीति और उसके लोकतांत्रिक दर्शन के स्वरूप का समर्थन किया। वर्ष 1994 में संचार की स्थानीयकरण पर पी.सी. जोशी कमेटी द्वारा भी भारतीय 'दूरदर्शन का भारतीय स्वरूप' रिपोर्ट के माध्यम से विकास संचार व ग्राम विकास के कारकों को कार्यक्रमों में शामिल करने की बात कही। लोकतांत्रिक प्रसारण में एक नए युग का सूत्रपात तब हुआ, जब सुप्रीम कोर्ट ने हवाई तरंगों पर सरकार के एकाधिकार को गलत बताते हुए जनता की संपत्ति के रूप में निरूपित किया, जिससे टेलिविजन के नए दौर की शुरुआत हुई, जिसमें निजी प्रसारण के साथ मनोरंजक प्रधान कार्यक्रमों का प्रसारण होना शुरू हुआ।

### दूरदर्शन का हमारे जीवन में महत्व

टेलीविजन के अविष्कार ने सूचना के क्षेत्र में एक क्रांति का आगाज किया था। दूसरी क्रांति का आगमन उस समय हुआ, जब वैश्विक स्तर पर टेलीविजन के महत्व के बारे में लोगों को पता चला और लोगों ने इसे स्वीकार कर लिया। चूंकि मीडिया ने वर्तमान में हमारे जीवन में इतना अधिक हस्तक्षेप कर दिया है कि हमें इसके महत्व के बारे में काफी जानकारी नहीं मिल पाती। वर्तमान में हम इसके महत्व को नकार नहीं सकते। हमें इसके महत्व को समझते हुए इसका व्यापक इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि मीडिया के सूचना से सम्बंधित दुरुपयोग को रोका जा सके। साथ ही इसके प्रभाव को कम किया जा सके।

### सीमित हो स्क्रीन का समय

टीवी कितनी देर देखना है यह भी हमें स्वयं ही तय करना होगा, क्योंकि लगातार घंटों टीवी देखने का सेहत पर बुरा ही असर भी हो सकता है। ज्यादा टीवी देखने से मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान के साथ, चिड़चिड़ा स्वभाव, स्मरण शक्ति कमजोर और निर्णायक शक्ति कम हो सकती है। अनिद्रा, तनाव, बेचैनी, आदि रोगों का कारण भी आपका ज्यादा देर तक स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रखना है। ज्यादा टीवी देखने से न सिर्फ आपका समय खराब होता है, बल्कि इससे बच्चों का पढ़ाई या किसी और काम में मन नहीं लगता। इससे आपकी शारीरिक और मानसिक शक्ति कमजोर होने लगती है।

**सर्जना चतुर्वेदी**

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

## COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

**Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited**
**State IT Center, 47-A, Arera Hill, Bhopal-462011**
**EXAM REGISTRATION OPENS**

**MPSEDC/CPCT/Exam/2021**

### म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु **संविदा/नियमित नियुक्तियों** के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

**परीक्षा तिथि :26 दिसम्बर 2021, रविवार** | **पंजीयन तिथि:17 नवम्बर 2021 से 07 दिसम्बर 2021**

**आवेदन-पत्र में संशोधन करने की तिथि : 09 दिसम्बर 2021 से 11 दिसम्बर 2021**

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।
- CPCT परीक्षा का संचालन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान परीक्षा कराने के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए **आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे।** आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/102646/46187/2021 **परियोजना संचालक (SWAN)**

**Note : MPSeDC द्वारा प्रवेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।**

## UGC-HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT CENTRE
## DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

**Phone No. : 2460830 (Fax) Phone No. : 2462069 (O)**

**No./ 1083/HRDC/Advt./2021-22** **Date : 17.11.2021**

Application on plain paper giving full particulars of the qualification, work experience along with the attested copies of degree and work experience are invited for the post of Section Officer, Senior Assistant and Documentation Assistant. (Posts sanctioned by UGC-New Delhi to the Department). The qualifications for each of the positions are given underneath:-

| S.No. | Post | No. of Post | Category | Educational Qualification |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Section Officer | 01 | UR | M.Com. with minimum 05 years of experience working in the office, knowledge of accounts, cash book writing, knowledge of tally software, Knowledge of English is a must. |
| 2. | Senior Assistant | 01 | UR | MCA with minimum 02 years of experience in the office, knowledge of Networking, knowledge of English is a must. |
| 3. | Documentation Assistant | 01 | UR | M.A. (English Literature) and Bachelor in Library Science with minimum 02 years of experience in the office and library. Knowledge of Computer and English is a must. |

1. All the positions are needed for a period of three years. The positions are purely temporary (fixed salary) and on getting extension from UGC they may also be get extension on the basis of their performance. Last date for submitting the application is 08.12.2021. 2. Demand Draft (DD) (Non refundable) of Rs. 500/- to be enclosed with each application in favour of **Registrar, DAVV, Indore.** For reserve category no Demand Draft is required. 3. The interview call letter will be sent through email thus, kindly mention your email id (In CAPITAL LETTER) and mobile number in your application. 4. The application is to be submitted at given address – Director, UGC - Human Resource Development Centre, Devi Ahilya Vishwavidhyalaya, Takshila Campus, Khandwa Road, Indore 452017.

M.P. Madhyam/102656/2021 R-46189/2021 **DIRECTOR, UGC-HRDC**

## DMIC PITHAMPUR JAL PRABANDHAN LIMITED

**(Formerly Known as Pithampur Jal Prabandhan Company Limited)**
**Regd. Office : 1st Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road Indore (MP) 452001, Email : pjpclindore@gmail.com, Ph: 0731-2971311, 2970611 CIN : U41000MP2014SGC032618**

**No. DMICPJPL/INDORE/TECH/2021/14194** **Date : 16.11.2021**

### NOTICE INVITING TENDER (2nd CALL)

DMIC PJPL, Indore invites online percentage rate tenders from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mention below -

| S. No. | Name of work | PAC | Cost of Tender Form | EMD | Last date of submission |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Providing and Laying of 100 & 150 mm dia D.I. Pipe line in various location at I/A Pithampur DMIC PJPL, Distt. Dhar (M.P.) | Rs. 70.18 Lakhs +GST | Rs. 11,800/- (i/c GST) | Rs. 70,180/- | 01.12.2021 |

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
**Note :** The NIT will be uploaded on website of e-procurement system– **http://www.mptenders.gov.in** within 3 working days from publication in news paper.

M.P. Madhyam/102635/46185/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

## म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

**(म.प्र. शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन)**
**कार्यालय-महाप्रबंधक, परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्र. 02, सतना (म.प्र.) 485001**
**Ph. No. 07672-299186, E-mail : gmpiusatna2@rediffmail.com**

**पत्र क्र. 1546/स्था./पी.आई.यू. 2/2021** **सतना, दिनांक : 12.11.2021**

### विज्ञप्ति

महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक 02, सतना में सहायक ग्रेड - 1/2 का 01 पद रिक्त है। उक्त पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति/संविदा पर कार्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों अथवा सेवानिवृत्त कर्मचारियों से किया जाना है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

| स. क्र. | प्रतिनियुक्ति का प्रकार | प्रतिनियुक्ति के लिये अर्हता/वेतन | संविदा नियुक्ति के लिये अर्हता/वेतन विवरण/आयु सीमा आदि | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रतिनियुक्ति/ संविदा | म.प्र. कार्य विभाग में कार्यरत सहायक ग्रेड 1/2 जिन्हें इस पद पर 05 वर्ष का अनुभव हो प्रतिनियुक्ति हेतु मूल विभाग में देय वेतन भत्ते। | म.प्र. कार्य विभाग से सेवानिवृत्त कार्यालय सहायक ग्रेड 1/2 **वेतन** - संविदा हेतु सेवानिवृत्ति के पूर्व देय कुल वेतन से पेंशन एवं राहत राशि घटाकर, शेष राशि **आयु** - 63 वर्ष से कम (विज्ञापन दिनांक) | |

प्रतिनियुक्ति से पदों की पूर्ति न होने की स्थिति में इन्हें संविदा आधार पर भरा जाना प्रस्तावित है। अतः इच्छुक अभ्यार्थी इस इस हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।
इच्छुक अभ्यार्थी प्रतिनियुक्ति हेतु उचित माध्यम से (विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित) आवेदन पत्र प्रस्तुत करें एवं संविदा पदस्थापना हेतु सीधे आवेदन प्रस्तुत किये जायें। आवेदन पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 30.11.2021** है।

म.प्र. माध्यम/102640/46186/2021 **महाप्रबंधक**

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रमांक-03, गोरखपुर, थाने के पीछे 1558 ऋषि काटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.), पिनकोड - 482003**
**फोन नं. : 0761-4927003, Email : mpphcjabalpur3@gmail.com**

### निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 03 के अंतर्गत जिला - जबलपुर के अंतर्गत रानीताल खेल परिसर, जबलपुर स्थित छात्रावास भवन में स्मार्ट क्लास एवं रिक्रियेशन कक्ष का निर्माण/उन्नयन कार्य एवं परिसर में स्थित तीरंदाजी शूटिंग एरिया की पूर्व स्थित बाउंड्रीवाल की ऊँचाई को प्रोफाइल शीट लगाकर बढ़ाने का कार्य एवं अन्य मरम्मत कार्य, जी.आर.पी. लाइन, जबलपुर आवासीय परिसर में स्थित 12+36+32 आरक्षक गृह एवं 03 एन.जी.ओ. आवास गृहों में मरम्मत कार्य एवं जिला - मण्डला में 35वीं वाहिनी मण्डला में पूर्व निर्मित 55 आरक्षक आवासीय भवनों में मरम्मत एवं पुताई कार्य एवं पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर जिला - सिवनी में विभिन्न निम्न निर्माण उन्नयन एवं मरम्मत कार्य। **(अ)** पुराने आवासीय क्वाटर्स नम्बर 90 से 95 में छत पर प्रोफाइल शीट लगाने का कार्य एवं अन्य मरम्मत कार्य। **(ब)** रक्षित निरीक्षक पुराना कार्यालय के सामने (चंदन की बगिया) पुरुष बैरक क्रमांक - 01 की छत पर (पीछे की तरफ) प्रोफाइल शीट लगाने का कार्य एवं अन्य मरम्मत कार्य।
**(स)** पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला - सिवनी में स्थापना शाखा के लिये सेवा पुस्तिका के लिये रैक/अलमारीयुक्त एवं रिकार्ड के सुरक्षित रखरखाव हेतु सर्व सुविधायुक्त 03 कमरों का निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- **04/2021-22 (Online Tender No.- 2021_MPPHC_168476 TO 168478 - 168480)** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक **29.11.2021** समय सायं **17.00** बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं सब्मिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102647/46188/2021 **परियोजना यंत्री**

## मेयो ग्रुप ऑफ कॉलेज

**सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001**
**इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032**
**Tel. No. 9425010770, 9425605962**

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर, इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग काउंसिल एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

### प्रवेश सत्र 2021-22

| क्र. | पाठ्यक्रम | अवधि |
|---|---|---|
| 1. | मास्टर ऑफ नर्सिंग **(एम.एस.सी नर्सिंग)**– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग | 2 वर्ष |
| 2. | मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन **(एम.एम.एल.टी.)** योग्यता बी.एम.एल.टी. | 2 वर्ष |
| 3. | बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी **(बी.पी.टी.)** 6 माह इंटर्नशिप | 4 वर्ष |
| 4. | पोस्ट बैसिक बी.एस.सी नर्सिंग–योग्यता जी.एन.एम. | 2 वर्ष |
| 5. | सर्टिफिकेट इन एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन | 1 वर्ष |
| 6. | ओ.टी. टेक्निशियन **(ऑपरेशन थ्रीएटर)** | 1 वर्ष |

क्रमांक 3, 5 एवं 6 के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। छात्राओं के लिए उत्तम भोजन युक्त छात्रावास की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

संचालक

R-46195/2021

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002**
**E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com**

### निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 18/2021-22 चौकी गोपालपुर में कर्सेंटीना वायर फैंसिंग का कार्य जिला-डिण्डौरी की (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_168865) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 29.11.2021 तक** खरीद कर सायं 18.00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102693/46191/2021 **परियोजना यंत्री**

## राय साहब भँवरसिंह महाविद्यालय

राला, नसरुल्लागंज, जिला सीहोर पिन 466331 (म.प्र.) फोन नं.: 9229658661, 9425166189
(मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)

**आवश्यकता** विश्वविद्यालय कॉलेज कोड–28 के तहत निम्न सहायक प्राध्यापकों की आवश्यकता

| विषय | पद | विषय | पद | विषय | पद |
|---|---|---|---|---|---|
| गणित | 02 | अकाउंट | 01 | मैनेजमेंट | 02 |
| हिन्दी साहित्य | 01 | बायोटेक्नोलॉजी | 02 | बोटनी | 01 |
| भूगोल | 01 | राजनीति विज्ञान | 01 | अर्थशास्त्र | 01 |
| लायब्रेरी साईंस | 02 | अंग्रेजी (FC) | 01 | कम्प्यूटर | 01 |
| समाज शास्त्र | 01 | - | - | - | - |

**नोटः वेतन एंव योग्यता नियमानुसार।**

आवासीय सुविधा ऐच्छिक। समस्त दस्तावेजों के साथ विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिवस मे उपरोक्त पते पर आवेदन करें या **rsbcollege@yahoo.in** पर ई–मेल करें।

R-46194/2021

## राय साहब भँवरसिंह महाविद्यालय

राला, नसरुल्लागंज, जिला सीहोर पिन 466331 (म.प्र.) फोन नं.: 9229658661, 9425166189
(एनसीटीई से मान्यता प्राप्त और माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. से सम्बद्ध)

**आवश्यकता** डिप्लोमा इन ऐलीमेन्ट्री एजुकेशन (D.El.Ed) पाठक्रम में पढ़ाने हेतु शिक्षकों की आवश्यकता

**विभागाध्यक्ष – 01**
शैक्षणिक योग्यता : विज्ञान/समाज विज्ञानों/कलाओं/मानवीकरण विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि एवं एम.एड. या एम.ए. (शिक्षा) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक एवं किसी अध्यापक शिक्षा संस्था में पढ़ाने का पांच वर्ष का अनुभव।

**व्याख्याता – 01**
शैक्षणिक योग्यता : गणित/विज्ञान/मानवीकरण/समाज विज्ञानों/कला/भाषा विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि एवं एम.एड. या एम.ए. (शिक्षा) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक एवं अन्य शैक्षणिक योग्यता एनसीटीई के मानदंड अनुसार।

**नोटः वेतन नियमानुसार एवं आवासीय सुविधा ऐच्छिक।**

समस्त दस्तावेजों के साथ विज्ञापन प्रकाशन के 15 दिवस मे उपरोक्त पते पर आवेदन करें या **rsbcollege@yahoo.in** पर ई–मेल करें।

R-46193/2021

## कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सेंधवा

ग्राम मडगांव तह सेंधवा जिला बड़वानी (म.प्र.) - 451666
Mob. No. - 9826720621, Email ID - prinpoly.senbdw@mp.gov.in

क्रमांक/स्था/11/955 सेंधवा, दिनांक : 11.11.2021

### गेस्ट फैकल्टी के रूप में अध्यापन कार्य हेतु विज्ञप्ति पत्र

मध्यप्रदेश शासन तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग मंत्रालय के पत्र क्रमांक एफ 1-2/2002/42-1, भोपाल, दिनांक 09 जून 2004 तथा यथा समय जारी दिशा निर्देशों के अनुसार शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सेंधवा, जिला बड़वानी में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए **अंग्रेजी विषय** के लिए व्याख्याताओं के रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि व्याख्याताओं का पेनल तैयार करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। एआईसीटीई अधिसूचना दिनांक 01 मार्च 2019 के अनुसार उक्त पदों के लिए निर्धारित योग्यताधारी अभ्यर्थी दिनांक 03 दिसम्बर 2021 सायं 4 बजे तक ऑफलाइन आवेदन मय दस्तावेज (अंकसूची, मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र) कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

1. आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों को न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में शासकीय नियमानुसार छूट रहेगी।
2. चयन हेतु मेरिट सूची न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में प्राप्त अंक, उच्च अर्हता तथा अनुभव के अंकों के आधार पर तैयार की जावेगी।
3. आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थी को दो पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षणिक अर्हता की अंकसूची, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल नं. ईमेल आईडी, अनुभव प्रमाण पत्र आदि की छायाप्रति अनिवार्य रूप से संलग्न करना होंगे।
4. किसी भी विवाद की स्थिति में प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सेंधवा (अधोहस्ताक्षरकर्ता) का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

**नोट** - आवेदन भेजने हेतु पता - शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सेंधवा ग्राम मडगांव तह सेंधवा जिला बड़वानी (म.प्र.) - 451666

**अंतिम तिथि - 03 दिसम्बर 2021 सायं 04 बजे तक।**

प्राचार्य
जी-19156/46183/2021 शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सेंधवा (म.प्र.)

## कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
## लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी (म.प्र.)

**एनआईटी नं. - 29/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा./एपीडी/...** जबलपुर, दिनांक : 09.11.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

**स.क. एवं कार्य का नाम** :- 1. जिला डिण्डौरी में नवीन स्वीकृत कार्यों में सुपरविजन एवं क्वॉलिटी कंट्रोल का कार्य (प्रथम आमंत्रण)

| पोर्टल टेंडर क्र. | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में (वर्षाकाल सहित) | कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी। | 90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PWPIU_162273_1 | डिण्डौरी | 236.64 | 236640/- | 15500/- | 24 माह वर्षाऋतु सहित | – | – |

**स.क. एवं कार्य का नाम** :- 2. लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत अपूर्ण/निरस्त किये हुये कार्यों हेतु जोनल टेण्डर (चतुर्थ आमंत्रण)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PWPIU_162344_1 | डिण्डौरी | 139.98 | 139980/- | 12500/- | 12 माह वर्षाऋतु सहित | – | – |

**स.क. एवं कार्य का नाम** :- 3. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शहपुरा जिला डिण्डौरी में 12 विस्तरीय आई.सी.यू./एच.डी.यू. वार्ड का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2021_PWPIU_167779_1 | डिण्डौरी | 44.65 | 44650/- | 5000/- | 02 माह वर्षाऋतु सहित | – | – |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल **ऑनलाइन दिनांक 12.11.2021 समय 09.00 से दिनांक 24.11.2021 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-19162/46184/2021 लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) डिण्डौरी, (म.प्र.)

## कार्यालय मुख्य अभियंता
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

ई-मेल - sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक - 0751-2365438, 4031502
(पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर)

क्रमांक/ 5237/नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./21-22 ग्वालियर, दिनांक : 10.11.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। **निविदा प्रपत्र दिनांक 10.11.2021 से दिनांक 26.11.2021 सायं 5.30 बजे तक** क्रय तथा दिनांक 10.11.2021 से दिनांक 26.11.2021 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 29.11.2021 है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

**स.क. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण** :- 01. विकासखण्ड खुरई जिला सागर के ग्राम खिमलासा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 625 कि.ली. 12 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, 150 कि.ली. आर.सी.सी. सम्पवेल कम पंप हाउस एवं 1.20 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, आर.सी.सी. एनीकट, इंटेक वैल कम्प पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

| नि.आ.सू. क्र./दि. | टेण्डर आई.डी. | जिला | अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में) | धरोहर राशि (EMD) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | आमंत्रण की संख्या | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 41/09.11.2021 | 2021_PHED_167202_1 | खुरई जिला सागर | 704.28 लाख | रु. 7,04,280/- | रु. 20,000/- | द्वितीय | 12 माह वर्षाकाल सहित |

**स.क. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण** :- 2. बुन्देलखण्ड पैकेज भाग-2 अंतर्गत विकासखण्ड बीना जिला सागर के ग्राम मंडी बामोरा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 500 कि.ली. 15 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 120 कि.ली. आर.सी.सी. सम्पवेल कम पंप हाउस एवं 1.20 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इंटेक वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 42/09.11.2021 | 2021_PHED_167204_1 | खुरई जिला सागर | 562.42 लाख | रु. 5,62,420/- | रु. 20,000/- | द्वितीय | 12 माह वर्षाकाल सहित |

अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट), कार्यालय मुख्य अभियंता
जी-19152/46182/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

## कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
## तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

**संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)**

**(मध्यप्रदेश के शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र की संस्थाओं में संचालित तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु)**

### सत्र 2021-22

ए.आई.सी.टी.ई., नई दिल्ली, द्वारा जारी संशोधित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु संस्था स्तर की काउंसलिंग की समय सारणी निम्नानुसार रहेगी :-

**संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) की समय सारणी**

| पाठ्यक्रम | ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन | प्रवेश का अवसर प्राप्त करना |
|---|---|---|
| • इंजीनियरिंग डिप्लोमा<br>• डिप्लोमा नॉन पीपीटी<br>• डिप्लोमा-अम्बेडकर-एकलव्य योजनान्तर्गत<br>• बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (B.Tech.)<br>• फार्मेसी (B.Pharmacy/D.Pharmacy)<br>• बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch.)<br>• फार्म-डी<br>• एकीकृत एम.बी.ए. (IIMBA)<br>• एकीकृत एम.सी.ए. (IIMCA)<br>• बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (BHMCT)<br>• एम.टेक.-एम.ई. (पूर्णकालिक)<br>• एम. फार्मेसी<br>• एम.बी.ए. (पूर्णकालिक)<br>• एम.सी.ए.<br>• एम. आर्किटेक्चर (M.Arch.) | 22.11.2021 (प्रातः 10:30) से 30.11.2021 (दोपहर 12:00 बजे तक) | 27.11.2021 (प्रातः 10:30 बजे) एवं (सीट रिक्त होने पर) 29.11.2021 (प्रातः 10:30 बजे) एवं (सीट रिक्त होने पर) 30.11.2021 (प्रातः 10:30 बजे से रात्रि 11:45 तक) |

**महत्वपूर्ण :-**

- प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये संस्था स्तर की काउंसलिंग हेतु पंजीयन करा चुके अभ्यर्थी, अधिकृत वेबसाइट पर संस्था/ब्रांच की उपलब्ध रिक्तियों का अवलोकन कर उपरोक्त दर्शायी गई तिथियों पर प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये इच्छुक संस्था में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:00 तक स्वयं उपस्थित होकर उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक है। तत्पश्चात मेरिट के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी।
- प्रवेश निरस्त करने की सुविधा **दिनांक 29.11.2021 को सायं 5:00 बजे तक** ही उपलब्ध रहेगी।
- रजिस्ट्रेशन निरस्त करने की सुविधा **दिनांक 30.11.2021 को दोपहर 11:00 बजे तक** ही उपलब्ध रहेगी।
- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची इत्यादि, वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में सम्मिलित होने संबंधी निर्देशों का सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

**संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

म.प्र. माध्यम/102678/46190/2021 उपसंचालक

## REQUIRED

**Seva Sadan Shiksha Mahavidyalaya, Burhanpur (B.Ed.)**
**Station Road, Shanwara, Burhanpur (M.P.) 450331**
**Email : sssmburhanpur@gmail.com**
**(Recognized by NCTE and Affiliated to DAVV Indore)**
**Applications are invited for Teaching Staff of B.Ed. (two year course)**
**Appointment according to college code - 28**

| S. No. | Post | Qualification | No. of Post |
|---|---|---|---|
| 1. | Faculty (Perspectives in Education) | P.G. with 55% + M.Ed. with 55% | 02 |
| 2. | Faculty Post (Science, Social Science, Languages) | P.G. with 55% + M.Ed. with 55% | 02 |
| 3. | Art and Craft Teacher | M.F.A. with 55% | 01 |

**Note :**
1. Applicant should submit related documents with Biodata, Passport size Photograph and Addhar Card within 07 days of advertisement.
2. Contact to office for more information.

President
Seva Sadan Education Society
R-46192/2021 Burhanpur (M.P.) 450331

# अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मंडप की धूम

**नई दिल्ली,** प्रगति मैदान नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर-2021 में मध्यप्रदेश के मंडप में ग्रामीणों द्वारा उत्पादित सामग्रियों ने धूम मचा दी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल एवं सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने मध्यप्रदेश पेवेलियन का उद्घाटन किया।

**टूरिज्म, खाद्य, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी मंडप की धूम**

पेवेलियन में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम, एमपी पर्यटन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, लघु उद्योग निगम, मृगनयनी एंपोरियम, कृषि एवं किसान कल्याण, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने भाग लिया और अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। प्रमुख उत्पादों में सीधी जिले का कोदो-कुटकी और पंजा दरी, टीकमगढ़ के पीतल के उत्पाद, शिवपुरी की कपड़े की जैकेट, भोपाल के हस्तकला उत्पाद, रतलामी सेव के साथ मृगनयनी एम्पोरियम द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही कृषि आधारित एक स्टार्टअप इन्वेंटोहैक ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया।

प्रति वर्ष प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14 से 27 नवम्बर में यह मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में अन्य देशों के अलावा विभिन्न राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, भारत शासन के मंत्रालय द्वारा भाग लिया जाता है। देश की आजादी के 75 वर्ष में आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित 40वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 आत्मनिर्भर भारत की थीम पर केन्द्रित है। इस आयोजन से देश में निवेश और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

### सिविल सर्विस 2020 में 167वीं रैंक

# स्कूल के दिनों में देखे ख्वाब को हकीकत में बदला सेमरी हरचंद के अभिषेक खंडेलवाल ने

**मुश्किलें और बाधाओं को देखकर कोई जिंदगी में हारता है तो कोई उनसे सीखते हुए जीवन में आगे बढ़ता है। मुश्किलों के साथ आगे बढ़कर सफलता की इबारत को लिखा है मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के छोटे से गांव सेमरी हरचंद के अभिषेक खंडेलवाल ने। छोटी सी जिंदगी में ही बड़ी कामयाबी हासिल करने वाले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स को प्रेरणा मानने वाले अभिषेक मानते हैं कि खुद पर भरोसा हो तो हर मंजिल हासिल की जा सकती है। गांव में देखा और महसूस किया कि सिविल सर्विस के माध्यम से किस तरह लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है, तो इस ख्वाब को अपने जीवन में किसी कोने में संजोकर रख लिया। आईआईटी कानपुर से बीटेक और एमएस की पढ़ाई के बाद बैंकर के रूप में अच्छी कॉर्पोरेट जॉब ने भी उन्हें डिगने नहीं दिया। एक साल बैंक एनालिस्ट की नौकरी करके तैयारी के लिए कुछ पैसों की बचत की और उसके बाद जॉब छोड़कर तैयारी शुरू की और दूसरे प्रयास में सिविल सर्विस 2020 में सफलता हासिल की। अपने इस सफर के बारे में उन्होंने 'रोज़गार और निर्माण' से बातचीत की....**

| परिचय | |
|---|---|
| नाम | : अभिषेक खंडेलवाल |
| उम्र | : 27 वर्ष |
| पिता | : श्री शरद खंडेलवाल |
| माता | : श्रीमती बबीता खंडेलवाल |
| पता | : सेमरी हरचंद, जिला होशंगाबाद, मध्यप्रदेश |
| आभार | : ईश्वर, अपने माता-पिता, भाई, दादाजी समेत पूरे परिवार, मित्रों, शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया और इस कामयाबी को हासिल करने में मुझे सहयोग दिया। |
| शिक्षा | : हायर सेकेण्डरी- शांति निकेतन हायर सेकेण्डरी स्कूल, होशंगाबाद<br>स्नातक- मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक आईआईटी कानपुर<br>एमएस इकोनॉमिक्स में आईआईटी कानपुर। |
| रुचि | : टेबल टेनिस खेलना, स्टैंडअप कॉमेडी शो देखना। |

**● आपने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है, फिर आपने इकोनॉमिक्स विषय का चुनाव क्यों किया?**

○ मैंने अपनी एमएस की डिग्री इकोनॉमिक्स से की है। बैंक में जॉब की है। ऐसे में इकोनॉमिक्स पढ़ा हुआ था और इसमें रुचि थी, इसलिए इस विषय का चुनाव किया।

**● अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताइए?**

○ मैं होशंगाबाद जिले के सेमरी हरचंद से हूं। मेरे पिता श्री शरद खंडेलवाल की सेमरी में ही कपड़े की दुकान है। मैं एक संयुक्त परिवार से हूं, जिसमें मेरे दादाजी, चाचा-चाची, भाई-बहन समेत कुल 13 सदस्य हैं। संयुक्त परिवार होने के कारण जब मुझे कोटा जाना था कोचिंग के लिए तो सिर्फ पापा के लिए ऐसा करना संभव नहीं था, पूरे परिवार ने मिलकर आर्थिक सहयोग किया। मैंने 11 साल की उम्र से पढ़ाई होशंगाबाद के शांति निकेतन स्कूल से की। इसके बाद कानपुर आईआईटी से बीटेक और इकोनॉमिक्स में एमएस की डिग्री की। सिविल सर्विस की तैयारी करने का ख्याल स्कूल लाइफ से ही मन में था, लेकिन आर्थिक रूप से परिवार बहुत ज्यादा सक्षम नहीं था, इसलिए तय किया कि पहले कुछ पैसे कमाने हैं और मैंने बेंगलुरु में एक बैंक में जॉब की और कुछ बचत होने के बाद दिल्ली में रहकर तैयारी की। यह मेरा दूसरा प्रयास था। पहले प्रयास में प्रीलिम्स क्लीयर हुआ था।

**● कब तय किया कि सिविल सेवा में जाना है? आपको किसने प्रेरित किया?**

○ मैं ग्रामीण पृष्ठभूमि का व्यक्ति हूं। इसलिए यह हमेशा महसूस किया कि प्रशासनिक पद पर रहते हुये ही जमीनी स्तर पर सुधार कार्य किए जा सकते हैं। मैं जब 9वीं क्लास में पढ़ता था, लगभग 2006 के आसपास की बात है। होशंगाबाद जिले में तब फैज अहमद किदवई कलेक्टर थे। उस समय किसानों के केसीसी अकाउंट खोले जा रहे थे। अक्सर किसान बैंकों की परेशानियों से बचने का ही प्रयास करते हैं। तब कलेक्टर श्री किदवई ने किसानों को केसीसी के फायदे समझाने के लिए पूरे जिले में काम किया। उनके इस प्रयास से सरकार के साथ किसान भी सक्षम बने। उस समय मुझे समझ आया कि अपने जिले, प्रदेश और देश की तरक्की के लिए सिविल सेवा में जाकर ही बेहतर काम कर सकता हूं।

**● बेहतर जॉब, अच्छी सैलरी के बाद क्या आपको नहीं लगा कि इस तरह जॉब छोड़कर तैयारी करना सही फैसला नहीं होगा?**

○ जब मैं आईआईटी कानपुर में पढ़ रहा था, तब हमें बताया गया कि आपके भविष्य के निर्माण में देश का पैसा खर्च होता है, इसलिए आपको बेहतर जॉब के बाद सिर्फ खुद को सैटल करना सही नहीं है, बल्कि समाज के हित में कार्य करना भी आपकी जिम्मेदारी है। सिविल सर्विस अनिश्चितताओं भरा है यहां कई बार आपको कई प्रयास करने होते हैं, लेकिन जानता था कि अगर सलेक्शन हो गया तो समाज के लिए बेहतर कार्य कर सकूंगा। आईआईटी से पढ़ाई की थी और खुद पर भरोसा था कि अगर सलेक्शन नहीं हुआ तो भी आगे कुछ बेहतर कर सकूंगा।

**● क्या कभी इस बात का डर लगा कि अगर सलेक्शन नहीं हुआ तो क्या करेंगे? ऐसे में खुद को कैसे मोटीवेट किया?**

○ मेरा पहले अटेम्प्ट में सिर्फ 25 या 30 नंबर से मेन्स क्लीयर नहीं हुआ था। उस समय मेरी बहुत अच्छी तैयारी भी नहीं थी। इसने मुझे बहुत ज्यादा बूस्टअप किया कि जब बिना ज्यादा तैयारी के परफॉर्मेंस अच्छा था, तो अच्छी तैयारी के साथ सलेक्शन हो जाएगा। उस आत्मविश्वास के साथ तैयारी की। घर वालों का भी हमेशा सपोर्ट रहा। मेरे तैयारी करने के दौरान भाई की भी जॉब लग चुकी थी, तो घर को फाइनेंशियल सपोर्ट करने की जिम्मेदारी उसने ली साथ ही उसने भी मुझे काफी सपोर्ट किया।

**● रणनीति के तहत पढ़ाई के लिए हर दिन कैसे समय तय किया? दिनचर्या क्या थी?**

○ नौ बजे नाश्ता करने के बाद पढ़ाई करने बैठ जाता था। इसके बाद 1 बजे लंच करने उठता फिर 2 बजे दोबारा पढ़ने बैठ जाता था। 5 से 6 बजे तक पढ़ने के बाद कुछ ब्रेक लेता था। इसमें दोस्तों से डिस्कश करने, ब्रेक लेने के बाद 9 बजे रात को पढ़ने बैठ जाता था।

**● इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में आपको इस दौरान किन-किन चीजों को छोड़ना पड़ा?**

○ जब आप एक जॉब में होते हैं तो आप फाइनेंशियल तौर पर सिक्योर फील करते हो। सिटी में रहते हो तो आप अपनी लाइफ 9 से 5 के बाद एंजॉय करते हो। इसलिए जॉब छोड़कर तैयारी करना कभी भी आसान नहीं होता है। जानता था कि आगे के दो तीन साल काफी मुश्किल होने वाले हैं। मुझे काफी मेहनत करनी है, इसलिए पढ़ाई के दौरान फोन बंद कर देता था। रात में खाना खाते समय सिर्फ आधे घंटे ही फोन पर सोशल मीडिया चलाता था। 8-9 घंटे पढ़ना लगातार मुश्किल होता है। मेरी फिलॉसफी रही है कि अगर किसी काम को लगातार किया जाए तो वह संभव हो जाता है। मैं जानता था कि 15-20 दिन दिक्कत होगी 21वें दिन आसान होगी।

**● साक्षात्कार के दौरान आपसे क्या-क्या सवाल पूछे गए? आपने उनके क्या-क्या जवाब दिए?**

○ मेरा इंटरव्यू सत्यवती मैम के बोर्ड में हुआ था। इंटरव्यू के पहले एक डिटेल एप्लीकेशन फॉर्म भरना होता है। उससे संबंधित कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं। शुरुआत में इंटरव्यू में इकोनॉमी से संबंधित सवाल पूछे। मैंने अपने फॉर्म में लिखा कि एंटी रैगिंग कमेटी में था तो उससे संबंधित सवाल पूछे। इसके अलावा महिला क्रिकेट, आरक्षण को लेकर मेरे विचार आदि कई सवाल पूछे गए।

**● अर्थव्यवस्था इस समय कैसे काम कर रही है और हम इसे कैसे सुधार सकते हैं?**

○ भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना की चपेट में आ गई, जिसके कारण सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और रोज़गार में गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2010 में जीडीपी की वृद्धि शून्य से 7.3 फीसदी थी। सुधार के लिए सरकार ने अर्थव्यवस्था को वी शेप की वसूली की राह पर ले जाने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज के माध्यम से राजकोषीय खर्च में वृद्धि की है। मुझे भरोसा है कि सरकार को राजकोषीय खर्च को और बढ़ाना होगा, क्योंकि यह वर्तमान में जीडीपी का 1-2 प्रतिशत है। यह इस फैक्ट को सपोर्ट करता है कि यूएस, यूके और फ्रांस जैसे देशों में जहां राजकोषीय खर्च जीडीपी का 4-5 फीसदी था और बेरोज़गारी भत्ता दिया जाता था वहां अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता खर्च के माध्यम से जीडीपी की वृद्धि दर में तेजी आई है।

**● रैगिंग अच्छी है या बुरी? सम्मानीय चेयरमैन ने कहा जब वो कॉलेज में थे, तो उन्होंने रैगिंग को एंजॉय किया था, तो अब मैं इसे बुरा क्यों कह रहा हूं?**

○ मैंने कहा कि रैगिंग बुरी और गैरकानूनी है और इसे रोकना चाहिए। सीनियर और जूनियर के बीच कॉलेज में हेल्दी इंटरेक्शन होना चाहिए। रैगिंग फिजिकल और इमोशनल वॉयलेंस देती है और यह स्टूडेंट्स की मेंटल और फिजिकल हेल्थ को प्रभावित करती है। कई बार स्टूडेंट्स ऐसी सिचुएशन में आत्महत्या जैसा घातक कदम भी उठा लेते हैं।

**● महिला क्रिकेट क्यों पुरुष क्रिकेट जितना लोकप्रिय नहीं है?**

○ इसके पीछे कई वजह है उनमें से पहला कारण हमारा पितृसत्तात्मक समाज है, लोग पुरुषों के खेल को देखने से ज्यादा तवज्जों महिलाओं के खेल को नहीं दे सकते हैं। दूसरी बात यह है कि बीसीसीआई अब तक पिछड़े क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए महिला क्रिकेट के लिए पर्याप्त स्पॉन्सर को आकर्षित करने में सक्षम नहीं है। साथ ही महिला क्रिकेट को पर्याप्त टेलीविजन स्लॉट नहीं दिए गए हैं, जिसके कारण महिला क्रिकेट की फैन फॉलोइंग उतनी नहीं बढ़ पाई है।

**● भारत विश्वगुरु क्यों बनना चाहता है और सुपर पावर क्यों नहीं बनना चाहता है?**

○ भारत के समाज में कई मूल्य हैं जैसे बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद, वसुधैव कुटुम्बकम, विविधता में एकता जिसे हम पूरी दुनिया में पहुंचाना चाहते हैं और उस रास्ते का मार्गदर्शन करना चाहते हैं जो विश्वगुरु के रूप में हमारी स्थिति को सही ठहराता है और दूसरी ओर महाशक्ति चाहती है किसी भी कीमत पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना।

**● परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन सा था? उसे आपने कहां से चुना ?**

○ मैंने कोचिंग के नोट्स, किताबें, मैगजीन, ऑनलाइन लेक्चर, वेबसाइट आदि के माध्यम से अपने स्टडी का चुनाव किया। राजनीति के लिए लक्ष्मीकांत, इकोनॉमी में इंडियन इकोनॉमी के लिए रमेश सिंह, Mrunal.org के आर्टिकल्स, एनसीईआरटी के कक्षा 12वीं की किताब, कक्षा 11वीं की एनसीईआरटी की इंडियन इकोनॉमी डेवलपमेंट की किताब, इकोनॉमिक सर्वे प्रीलिम्स की स्टडी के लिए, द हिंदू अखबार, प्राचीन भारत के इतिहास के लिए आरएस शर्मा पुरानी एनसीईआरटी, मध्यकालीन भारत के इतिहास के लिए सतीश चंद्रा पुरानी एनसीईआरटी, आधुनिक भारत के इतिहास के लिए ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न इंडिया स्पेक्ट्रम पब्लिकेशन, इंडियाज स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस विपिन चंद्रा, (1700s to 1857) भारतीय कला एवं संस्कृति के लिए कक्षा 11वीं की एनसीईआरटी की एन इंट्रोडक्शन टू इंडियन आर्ट, इंडियन आर्ट एंड कल्चर नितिन सिंघानिया, पर्यावरण एवं जैव विविधता के लिए शंकर आईएएस बुक, सामान्य विज्ञान के लिए कक्षा 9वीं एवं 10वीं की एनसीईआरटी की किताब, जियोग्राफी में फंडामेंटल ऑफ फिजिकल जियोग्राफी कक्षा 11वीं की एनसीईआरटी, इंडिया फिजिकल एन्वायरमेन्ट कक्षा 11वीं एनसीईआरटी, फंडामेंटल ऑफ ह्यमन जियोग्राफी कक्षा 12वीं एनसीईआरटी, इंडिया - पीपुल एंड इकोनॉमी कक्षा 12वीं एनसीईआरटी, सर्टिफिकेट फिजिकल एंड ह्यूमन जियोग्राफी जीसी लियॉन्ग, पीएफएफ आईएएस के नोट्स, इंटरनेट पर गूगल, यूट्यूब, शासकीय योजनाओं के अध्ययन के लिए विजन आईएएस की वेबवसाइट, आदि का भी कई जगह पर इस्तेमाल किया।

**● परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है, ऐसे में यदि कभी निराशा हुई तो खुद को मानसिक तनाव से कैसे मुक्त किया?**

○ मानसिक तनाव कम करने के लिए मैंने अपनी हॉबीज पर भी ध्यान दिया। मुझे टेबल टेनिस खेलना पसंद है, तो टेबल टेनिस खेलने रोज जाता था। यू ट्यूब पर स्टैंडअप कॉमेडी के वीडियो देखता था, दोस्तों से बात करता हूं तो उनकी जर्नी भी प्रेरित करती थी कि कैसे मुश्किलों को पार करके उन्होंने अपने मुकाम को हासिल किया। पेरेंट्स से बात करके मोटीवेट होता और रिलैक्स होता था।

**● कठिन और मुश्किल विषयों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?**

○ कठिन और मुश्किल विषयों को याद करने के लिए मैंने लिख-लिखकर प्रेक्टिस की।

**● आपने ज्यादातर सेल्फ स्टडी की है, आपको क्या लगता है कोचिंग कितनी महत्वपूर्ण भूमिका चयन में निभाती है?**

○ 2019 में मैंने दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में एडमीशन ले लिया था मगर कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान जब लॉकडाउन लगा था और कोचिंग संस्थान बंद हो गए तो ज्यादातर मैंने सेल्फ स्टडी ही की है। मेरा मानना है कि कोचिंग का रोल बहुत कम है। कॉन्सेप्ट समझाने वाले कोई सब्जेक्ट नहीं है। आप इन्हें खुद भी पढ़ सकते हैं। जब तक किताबों से खुद नहीं पढ़ोगे तो सलेक्शन नहीं होगा। सिर्फ कोचिंग के नोट्स मदद नहीं करेंगे, वो सिर्फ गाइड कर सकते हैं। पढ़ाई आपको खुद ही करनी होगी।

**● परीक्षा के तीनों चरणों प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू के लिए आपकी क्या स्ट्रेटजी थी?**

○ पढ़ाई के लिए नोट्स बनाए जैसे मान लीजिए वुमन टॉपिक है तो उसके प्रीलिम्स के नोट्स अलग बनाए और मेन्स की तैयारी के हिसाब से नोट्स अलग बनाए। इंजीनियरिंग बैकग्रांउड होने के कारण लिखने की आदत नहीं होती है। सोशल साइंस बैकग्राउंड वालों को अच्छी हैबिट होती है। मेन्स में 9 एग्जाम होते हैं। पचास-पचास पेज लिखना है। राइटिंग प्रेक्टिस बहुत जरूरी है। स्पीड और फ्लो दोनों जरूरी है। इंटरव्यू सबसे कठिन प्रोसेस है। आपको हर दो मिनट में जवाब देना है। सही ढंग से फ्रेम करने के लिए सिर्फ कुछ सेकेंड ही होते हैं। मैंने 8-10 मॉक इंटरव्यू भी इस दौरान दिए। साथ ही बैंकिंग जॉब का अनुभव भी काम आया।

**● जो सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं? उन्हें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?**

○ हार्ड वर्क और निरंतरता बहुत जरूरी है। खुद के प्रति ईमानदार होना आवश्यक है। आप अच्छा लिखोगे तभी आपको बेहतर नंबर मिलेंगे। ऐसा कभी नहीं होगा कि आप तैयारी न करें और बेहतर परफॉर्मेंस करेंगे। एक किताब उठाओ और उसे अच्छे से पढ़ो। डिजिटल मीडिया से दूरी बनाना जरूरी है। उतार-चढ़ाव लाइफ में हमेशा आएंगे। प्रोसेस पर भरोसा रहेगा।

**● जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?**

○ मेरा चयन आईएएस के पद पर हुआ। मेरा स्वयं का अनुभव है। हमारे समाज में महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक विकास में सहयोग अब भी कम है, क्योंकि उन्हें आगे बढ़ने के उतने अवसर भी नहीं मिलते हैं। इसलिए मैं लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करना चाहता हूं ताकि उनकी समाज में भागीदारी को बढ़ाया जा सके और उनकी स्थिति को समाज में बेहतर किया जा सके। किसानों की हमारे देश में आर्थिक स्थिति इतनी सुदृढ़ नहीं है, उनकी आय उतनी बेहतर नहीं है। मैं किसानों के विकास में अपना सहयोग करना चाहता हूं। इसलिए मेरी जहां भी पोस्टिंग होगी मेरा फोकस किसानों और महिलाओं की शिक्षा की दिशा में काम करने पर विशेष रूप से होगा।

**● रोज़गार और निर्माण के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?**

○ रोज़गार और निर्माण के माध्यम से मैं यही संदेश देना चाहूंगा कि जीवन में अगर आपको कुछ भी हासिल करना है, तो उसके लिए मेहनत करने से कभी न घबराएं, क्योंकि आपकी बुद्धि कितनी भी तेज क्यों न हो परिश्रम के बिना फल मिलना नामुमकिन है।

**- सर्जना चतुर्वेदी**
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर

# शिक्षा प्रणाली में सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान एवं कौशल का करें समन्वय

**भोपाल,** नई शिक्षा नीति ने जीवन की कला सीखने और सिखाने का अवसर दिया है। देश का युवा ज्ञान शक्ति के बल पर जीवन में जो कुछ भी बनना चाहता है, करना चाहता है, अब कर सकता है। विश्वविद्यालयों को शिक्षा प्रणाली में भारत की परम्परा, विरासत, सांस्कृतिक मूल्यों, तकनीकी ज्ञान और कौशल विकास में समन्वय स्थापित करने के प्रयास करने चाहिए। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों की मौलिकता को निखारने के लिए शिक्षा प्रणाली में आवश्यक बदलाव का आदर्श, विश्वविद्यालय प्रस्तुत करें। ऐसा ईको सिस्टम तैयार करें, जिसमें छात्र-छात्राओं को समस्याओं, चुनौतियों का सामना करने और उन्हें अवसरों में बदलने के व्यवहारिक ज्ञान का अभ्यास और अनुभव प्राप्त हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में युवाओं को उनके सपने साकार करने का अभूतपूर्व अवसर दिया है। राज्यपाल ने रविंद्रनाथ टैगोर का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय चिंतन और दर्शन को उन्होंने साकार किया। उनकी चिंतन की धारा में वेदों से विवेकानंद तक की भारतीय ज्ञान सम्पदा समाहित है।

समारोह में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि दीक्षांत समारोह में जीवन को दिशा देने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि भ्रम से परे जाकर सत्य को पहचानने की क्षमता ही विद्या है। शिक्षित व्यक्ति का दायित्व है कि वह अर्जित ज्ञान से राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए उत्पादक कार्यों से स्वयं को जोड़ें और राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा वर्तमान समय में राष्ट्र को विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने की अनुकूल परिस्थितियां हैं। उन्होंने नवदीक्षितों का आह्वान किया कि वह जीवन का ध्येय राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनायें।

निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष श्री भरत शरण सिंह ने विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से विद्यार्थियों को ज्ञान के व्यवहारिक स्वरूप की जानकारी देते हुए कहा कि देश के कल्याण का उत्तरदायित्व ग्रहण कर भावी जीवन की दिशा निर्धारित करें। समाज में अच्छे कार्यों से स्वयं, समाज और शिक्षा संस्थान का नाम रोशन करें।

# गरीबों को लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुये।

**भोपाल,** गरीबों को लाभ पहुंचाना और रोज़गार देना हमारी पहली प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के पालन में हमने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने का निर्णय लिया है। बैंक स्व-रोज़गार के लिए हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल स्थित मंत्रालय में स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक में कहीं।

**स्व-रोज़गार की अनंत संभावनाएं**

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोज़गार की अनंत संभावनाएं हैं। इसलिए युवा पढ़ाई-लिखाई करने के बाद केवल सरकारी नौकरी के लिए ही नहीं, बल्कि स्व-रोज़गार के क्षेत्र में भी जाने के भी प्रयास करें। प्रधानमंत्री जी के लोकल को वोकल बनाने के सपने को साकार करने की कोशिश करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाए।

**जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए**

श्री चौहान ने कहा कि स्व-रोज़गार से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए बैंकर्स द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाकर स्व-रोज़गार मेले लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय कर निर्धारित समयावधि में पूरा करने की कोशिश करें। निर्धारित किए गए लक्ष्यों की उनके द्वारा प्रतिमाह समीक्षा की जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि जन-जागरूकता द्वारा लोगों को समझाइश दी जाए कि स्व-रोज़गार के लिए जो पैसा ले रहे हैं उसे वापस करने पर ही उन्हें दूसरी किस्त की राशि दी जाएगी।

**आजीविका मिशन महिलाओं की जिंदगी बदलने का कार्यक्रम**

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान कहा कि आजीविका मिशन महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। यह महिलाओं की जिंदगी बदलने का कार्यक्रम है। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति ही नहीं सामाजिक स्थिति में भी सुधार आता है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में लक्ष्य निर्धारित कर अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

**स्व-रोज़गार की राह दिखाना हमारा कर्तव्य**

श्री चौहान ने कहा कि छोटे व्यवसायियों को स्व-रोज़गार की राह दिखाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बैंकर्स की सहभागिता अच्छे ढंग से सुनिश्चित होगी तो लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। उन्होंने निजी क्षेत्र के बैंक प्रतिनिधियों से भी शासन की विभिन्न स्व-रोज़गार योजनाओं को सहयोग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना किसी ठोस कारण के हितग्राहियों के आवेदन निरस्त नहीं किए जाएं। आवेदकों के साथ बैंकों में अच्छा व्यवहार किया जाए। लोगों में आत्म-विश्वास पैदा हो, कोई भी हितग्राही बैंकों में जाए तो उन्हें ऋण लेने में पूरी तरह मदद की जाए। ऋण लेने की प्रक्रिया को आसान बनाने में पूरा सहयोग करें।

**प्रतिभावान युवाओं के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना**

श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रतिभावान युवाओं के लिए शुरू की जा रही है। उन्होंने बैंकर्स को निर्देश दिए कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिए बेहतर कार्य योजना बनाकर सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बैंकर्स राज्य सरकार के साथ मिलकर लक्ष्य पूरा करें। जिन लोगों के व्यवसाय पहले से चल रहे हैं उनके लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना नहीं है, बैंक कर्मचारी इसका ध्यान रखें। श्री चौहान ने मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना की उपलब्धियों की समीक्षा की।

# बकरी पालन से पशुपालकों की आय में होगी वृद्धि

**बड़वानी,** बकरी पालन से पशुपालक को विशेष रूप से निर्धन तबके की आय में वृद्धि होगी। बकरी दूध विक्रय की शुरुआत जबलपुर और इंदौर के जनजाति बहुल जिलों से एकत्र दूध से की गई है। इंदौर संभाग के धार, झाबुआ, बड़वानी और जबलपुर संभाग के सिवनी, बालाघाट जिलों के जनजातियों से 50 से 70 रुपये प्रति किलो की दर से बकरी का दूध इंदौर एवं जबलपुर दुग्ध संघ द्वारा खरीदा जा रहा है। 200 एमएल की बॉटल में अधिकतम 30 रुपये की दर से यह दूध फिलहाल जबलपुर और इंदौर दुग्ध संघ के पार्लरों पर उपलब्ध है। ये बातें पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं। श्री पटेल ने बताया कि बकरी का दूध पौष्टिक खनिज तत्वों से भरपूर होता है। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, तांबा और जिंक आदि का उत्तम स्रोत होने से यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है। वसा के कण अन्य दूध की तुलना में छोटे होने से जल्दी एवं आसानी से पच जाता है। बकरी के दूध में मध्यम श्रेणी का फैटी एसिड होने से यह शरीर को अधिक ऊर्जा देने के बावजूद चर्बी के रूप में जमा नहीं होता। यह आंतों के विकार और कोरोनरी रोग के इलाज में भी सहायक है।

# जनजातीय विकासखंडों में उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचेगा अनाज - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान राशन आपके ग्राम योजना के तहत अनाज वितरण करने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुये।

**भोपाल,** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राशन आपके ग्राम योजना में प्रदेश के जनजातीय बहुल 89 विकासखंड के लिए प्रथम चरण में 11 वाहन मंत्रालय परिसर से जिलों के लिए रवाना किए। योजना में दिसम्बर माह तक सभी जनजातीय बहुल विकासखंडों के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन से हमारे जनजातीय भाई-बहनों को बिना कष्ट के उनके ग्राम और घर तक आवश्यक अन्न उपलब्ध हो जाएगा। पूर्व में राशन की दुकान पर जाकर ही राशन लेना होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में जो युवक दायित्व निभा रहे हैं, वे शासकीय सेवक न होकर जनजातीय वर्ग से ही चयनित किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने डिण्डोरी के श्री अनिल आर्मो और मण्डला के श्री लक्ष्मी नारायण को जंबूरी मैदान भोपाल में हुए जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में वाहनों की चाबी सौंपी थी। योजना में जनजातीय वर्ग के युवाओं को वाहन के लिए शासन द्वारा ऋण गारंटी और मार्जिन मनी देने की व्यवस्था की गई है। वाहन में तौल कांटा और सेल्समैन का प्रबंध होने से उपभोक्ताओं का हित सुनिश्चित होगा। योजना में प्रत्येक ग्राम के लिए दिन निर्धारित कर अनाज वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

**योजना एक नज़र में**

मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना में 20 जिलों की 4 हजार उचित मूल्य दुकानों से वितरित होने वाली राशन सामग्री वाहनों द्वारा जनजातीय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जाएगी। इस व्यवस्था में 450 वाहन लगेंगे। योजना से लाभान्वित ग्रामों की संख्या 7 हजार 500 है। मुख्यमंत्री ने योजना का क्रियान्वयन प्रारंभ करते हुए जनजातीय बहुल क्षेत्रों के लिए 12 वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

# मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड को मिला गोल्ड स्कॉच अवॉर्ड

**भोपाल,** मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड के महिला सुरक्षा और कोविड-19 वैक्सीनेशन अभियान में किये गए नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। यह पर्यटन विभाग के लिए सामाजिक जागरूकता की दिशा में नित नए प्रयोग करने की प्रेरणा बनेगा। यह बात प्रमुख सचिव, पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने मध्यप्रदेश में महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल कार्यक्रम और ड्राइव इन वैक्सीनशन सेंटर के लिए गोल्ड स्कॉच अवॉर्ड मिलने पर कही।

नई दिल्ली में आयोजित ऑनलाइन 75वें स्कॉच समिट में पर्यटन बोर्ड को टूरिज़्म एंड कल्चर सेगमेंट में बेस्ट इनोवेटिव प्रोजेक्ट की श्रेणी में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री शुक्ला ने गोल्ड स्कॉच अवॉर्ड मिलने पर पर्यटन विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं भविष्य में इसी तरह कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा पर्यटन विभाग इसी तरह सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका निर्वहन करता रहेगा।

**महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल का विकास**

श्री शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन स्थलों को महिलाओं के लिये सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 'निर्भया योजना' में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना का संचालन मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। परियोजना में चरणबद्ध तरीके से आगामी 3 वर्षों में 50 पर्यटन स्थलों को 20 क्लस्टरों के रूप में विभाजित कर कार्य किया जाएगा। इसमें संबंधित हितधारकों के लिए प्रशिक्षण क्षमता निर्माण, महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता सृजन, आईईसी, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, पर्यटन स्थलों का सुरक्षा की दृष्टि से अंकेक्षण और अधिक से अधिक कार्यशील महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित कर महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण किया जाएगा।

**ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर**

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान आमजन को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करने और सुलभ, सुरक्षित और आरामदायक सुविधा देने की दिशा में नवाचार करते हुए भोपाल स्थित ड्राइव इन सिनेमा में ड्राइव इन वैक्सीनेशन सेंटर की शुरुआत की गई थी। स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ के सहयोग से 1 मई 2021 से होटल लेक व्यू परिसर में यह वैक्सीनेशन अभियान चलाया गया था। इसमें लोग घरों से अपनी कार में बैठकर यहां आये और ऑनलाइन बुकिंग में निर्धारित स्लॉट में उनका कार में ही वैक्सीनेशन किया गया। यह अपनी तरह का एक अनूठा प्रयोग था।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

**मास्क लगाना और अपनाना दो गज दूरी, कोरोना से बचने टीका बहुत जरूरी**

# पशुपालकों के लिए पशुपालन को बनायें लाभ का धंधा - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान लेडी वैट्स कॉन्क्लेव-शक्ति 2021 में ई-मैग्जीन का विमोचन करते हुये।

**भोपाल,** गौ-पालन छोटे किसानों और पशुपालकों के लिए फायदे का धंधा कैसे बने, इस पर पशु चिकित्सकों और विशेषज्ञों को परिणाममूलक कार्य करना चाहिए। दुग्ध उत्पादक पशुओं में अधिक दूध उत्पादन के लिए नस्ल सुधार और पशुओं का आसानी से इलाज हो, ऐसी व्यवस्था करना आवश्यक है। राज्य शासन द्वारा पशुओं की आसान चिकित्सा के लिए 109 नंबर से एम्बुलेंस सुविधा आरंभ की गई है। उद्देश्य यह है कि पशुओं को इलाज के लिए अस्पताल न लाना पड़े। अपितु पशु जहां हैं, एम्बुलेंस वहीं पहुंचकर उनका इलाज करे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में इंडियन वेटरनरी एसोसिएशन की ओर से आयोजित लेडी वैट्स (महिला पशु चिकित्सक) कॉन्क्लेव-शक्ति 2021 का शुभारंभ करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वयं किसान हूं और अपनी आजीविका का निर्वाह गौ-पालन से कर रहा हूं। मैंने संकल्प लिया था कि आजीविका का निर्वाह कृषि या कृषि से संबंधित गतिविधियों से ही करेंगे। कृषि और पशुपालन का चोली-दामन का साथ है। भारत की कल्पना कृषि के बिना नहीं की जा सकती और कृषि बिना पशुपालन के संभव नहीं है। कृषि में मशीनीकरण होने के कारण कृषि और पशुपालन के संतुलन में बदलाव आया है। पहले किसान गाय के साथ-साथ बैल को भी सहेज कर रखते थे। मशीनीकरण के कारण गाय और विशेष रूप से बैल का महत्व कम होता चला गया। श्री चौहान ने कहा कि देशी नस्ल की गाय का दूध स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभदायक है, पर इन गायों में दूध का उत्पादन कम होने के कारण किसानों के लिए देशी गाय पालना कठिन होता है। अतः छोटे पशुपालकों के लिए देशी गाय पालना और इससे दुग्ध उत्पादन लाभ का व्यवसाय बने, इसके लिए शोध और अनुसंधान आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ग्लासगो में पर्यावरण को लेकर दुनिया का मार्गदर्शन किया है। रासायनिक खाद के कारण विश्व एक अलग संकट का सामना कर रहा है। लोग कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, यह गंभीर खतरा है। अतः जैविक खेती की ओर दुनिया को आना ही होगा। जैविक खेती में पशुपालन का बहुत अधिक महत्व है। भगवान श्री कृष्ण द्वारा शुरू की गयी गोवर्धन पूजा, पशुओं के महत्व को स्पष्टतः इंगित करती है। यह स्पष्ट है कि गाय-बैलों के बिना काम नहीं चल सकता। सरकार गौ-अभ्यारण्य और गौ-शालाओं के माध्यम से पशुओं की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में पशु उत्पादों के बेहतर उपयोग के लिए अलख जगाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। दूध के अतिरिक्त गाय-भैंसों के गोबर, गौ-मूत्र आदि से भी कई वस्तुएं निर्मित होती हैं। हम चाहें तो अपनी अर्थव्यवस्था को इन गतिविधियों से सुदृढ़ कर सकते हैं और देश को भी आर्थिक रूप से सम्पन्न बना सकते हैं। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में शमशान घाटों में यह कोशिश हो रही है कि लकड़ी कम से कम जले। इसके लिये गोबर से बनायी गई गौ-काष्ठ का उपयोग बढ़ाया जाये।

# उद्यमियों को ऋण प्राप्त करना आसान होना चाहिए - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** कोरोना काल में 20 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर पैकेज से मध्यप्रदेश को भी पर्याप्त संबल मिला। केंद्र सरकार के कोविड वैक्सीन के लिए 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रावधान के परिणाम स्वरूप ही प्रदेश में सबको मुफ्त में वैक्सीन लगाना संभव हो पाया है। राज्य में विभिन्न शासकीय सम्पत्तियों के उचित उपयोग और संवर्धन के लिए लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन विभाग का गठन किया गया है। राज्य सरकार द्वारा पीपीपी परियोजनाओं के माध्यम से राजस्व प्राप्त करने के लिए कार्य किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के साथ निवेश, अधोसंरचना और आर्थिक वृद्धि संबंधी वर्चुअल बैठक में जानकारी देते हुये कहीं।

**मध्यप्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और नगरीय क्षेत्र में हुआ कार्य**

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संकट की घड़ी में चार प्रकार के सुधार करने वाले राज्यों को केंद्र द्वारा अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने के लिए कर्ज लेने की सीमा राज्य सरकार के सकल घरेलु उत्पाद के 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत तक किया गया। यह प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश ने चार सुधार कार्यों में से तीन को शत-प्रतिशत रूप से पूर्ण किया। इनमें वन नेशन-वन राशन कार्ड, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और नगरीय क्षेत्रों में सुधार शामिल हैं। विद्युत क्षेत्र में सुधार को अंशतः पूरा किया गया है। हमारा प्रदेश उन गिने-चुने राज्यों में से है, जिन्होंने तीन से अधिक सुधार किए हैं। इससे प्रदेश को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए लागू किए गए रोडमैप की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि रोडमैप के मुख्य चार स्तंभ भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य तथा अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सीएम राइज स्कूलों की स्थापना, देवारण्य योजना, 13 एमएसएमई क्लस्टर्स का विकास, स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज, अटल प्रगति पथ और इसके दोनों ओर इंडस्ट्रियल कारिडोर के विकास और एक जिला एक उत्पाद जैसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

**तीन लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को उपलब्ध कराया जायेगा ऋण**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में स्व-रोज़गार, लघु उद्योग और व्यवसाय का महत्व है। प्रदेश में कार्यरत 3 लाख से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों को 2550 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। राज्य सरकार द्वारा युवा उद्यमियों और व्यवसायों को स्व-रोज़गार के लिए ऋण पर ब्याज अनुदान भी उपलब्ध कराने संबंधी मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना आरंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-रोज़गार एवं लघु उद्योग के लिए उद्यमियों को वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करना आसान होना चाहिए। श्री चौहान ने वित्त मंत्री से बैंकों को स्व-रोज़गार की योजनाओं में और अधिक सक्रिय होने के संबंध में निर्देश जारी करने का अनुरोध किया।

**प्रदेश में खनिज क्षेत्रों की आवंटन प्रक्रिया बनायी गई पारदर्शी**

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा संरचनात्मक सुधार के अंतर्गत लोक सेवा गारंटी अधिनियम में सेवाओं को समय-सीमा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू की गई है। इसमें निर्धारित समय-सीमा से अधिक समय लगने पर जुर्माने की व्यवस्था है। प्रदेश में स्टार्ट योर बिजनेस इन थर्टी डेज, सिंगल विंडो डेस्क सिस्टम, ई कोर्ट प्रणाली और भू-अभिलेख सिस्टम का इंटीग्रेशन और रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम क्रियान्वित किया गया है। खनिज क्षेत्रों की आवंटन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाया गया है।

**मंत्रिपरिषद के निर्णय**

# शिक्षित युवाओं के लिये मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना स्वीकृत

**भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्व-रोज़गार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को शुरू करने की मंजूरी दी है। योजना का लाभ प्रदेश के 18 से 40 वर्ष अवस्था तक के न्यूनतम 12वीं कक्षा पास युवाओं को प्राप्त होगा। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -**

- योजना में विनिर्माण इकाई के लिये एक लाख से 50 लाख रुपये तक की परियोजनाएं तथा सेवा इकाई अथवा खुदरा व्यवसाय के लिये एक लाख से 25 लाख रुपये तक की परियोजनाएं मान्य की जायेंगी।
- राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में वितरित ऋण पर तीन प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान तथा ऋण गारंटी शुल्क प्रचलित दर से हितग्राही को अधिकतम 7 वर्षों तक दिया जायेगा।
- योजना का क्रियान्वयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। इस योजना के माध्यम से उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त होगा। साथ ही बैंक ऋण के लिये कोई कोलेट्रल सिक्यूरिटी भी नहीं देनी पड़ेगी।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में आर्थिक विकास के लिये एयर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिये एयरक्राफ्ट टरबाईन फ्यूल (ए.टी.एफ.) पर वैट की दरों युक्तियुक्त करते हुए ग्वालियर, खजुराहो एवं जबलपुर में निर्धारित वैट की दर 4 प्रतिशत की तरह ही भोपाल एवं इंदौर में भी ए.टी.एफ. पर वैट की वर्तमान दर 25 प्रतिशत को घटाकर 4 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।
- इस निर्णय से प्रदेश में एक शहर को दूसरे शहर से विमान सेवाएं उपलब्ध होने से पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों तथा हॉस्पिटेलिटी सेक्टर को भी बढ़ावा मिलेगा।
- विमान सेवाएं बढ़ने से प्रदेश में जहां एक ओर वैमानिक संस्थाएं प्रदेश के शहरों से हवाई सेवाएं संचालित करने के लिये आकर्षित होगी, वहीं दूसरी ओर आम आदमी को भी रियायती दरों पर हवाई सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।
- मंत्रिपरिषद ने इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (आईएनटीएसीएच) को राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के स्मारक एवं संग्रहालय, जबलपुर के निर्माण कार्य के लिये राज्य शासन के प्रचलित शेड्यूल ऑफ रेट एवं उस पर 9 प्रतिशत पर्यवेक्षण शुल्क पर टर्न की बेसिस पर निविदा पद्धति की निर्धारित प्रक्रिया से छूट देते हुए कार्यादेश देने एवं उक्त कार्य में भविष्य में विस्तार आदि एवं संग्रहालय संचालन का कार्य स्थायी वित्त समिति के अनुमोदन के बाद एवं संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर आईएनटीएसीएच से ही कराए जाने की अनुमति देने का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद ने संयुक्त/सामुदायिक वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से सीएसआर/सीईआर एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वृक्षारोपण नीति अनुमोदित की है।
- संयुक्त/सामुदायिक वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से सीएसआर/सीईआर एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वृक्षारोपण नीति अनुसार वन क्षेत्र की पुनर्स्थापना में भूमिका अदा करने का इच्छुक औद्योगिक समूह, निगमित निकाय, व्यक्ति या स्वयं-सेवी संस्था, वनमंडल या राज्य स्तर पर स्थापित वन विकास अभिकरण को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।
- निकाय संस्थाएं अपनी प्राथमिकता अनुसार वृक्षारोपण के लिये क्षेत्र का चयन कर सकेंगे। वृक्षारोपण के लिये न्यूनतम 10 हेक्टेयर क्षेत्रफल का चयन किया जाएगा।
- स्थानीय प्रजातियों को वृक्षारोपण में प्राथमिकता दी जायेगी। वृक्षारोपण के लिये निधियां उपलब्ध कराने वाली संस्था, वन समिति और वन विकास अभिकरण के बीच एक त्रि-पक्षीय अनुबंध किया जाएगा।
- वृक्षारोपण के लिए निधि उपलब्ध कराने वाली संस्था को वन क्षेत्र या वनोपज पर किसी भी प्रकार का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। निधियों को प्राप्त कराने के एवज में संस्था को कार्बन क्रेडिट उपयोग करने का अधिकार होगा।
- निधियां उपलब्ध कराने वाली संस्था द्वारा अनुबंध लागू होने के एक वर्ष की अवधि के अंदर वनमंडल स्तर पर वन विकास अभिकरण के खाते में इलेक्ट्रॉनिक रीति से जमा कराई जायेगी। वन विकास अभिकरण द्वारा कार्य सम्पादन के लिये राशि वन समिति के विकास खाते में जमा कराई जायेगी।
- संस्था यदि चाहे तो वन विकास अभिकरण को सूचना देते हुए सीधे राशि वन समिति के खाते में अंतरित कर सकेगा। वन क्षेत्रों में ऐसा कोई कार्य नहीं किया जाएगा, जिससे स्थानीय समुदाय के अधिकारों एवं वन आधारित आजीविकाओं पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव पड़े।
- वृक्षारोपण के लिये वन समिति के सहयोग से सूक्ष्म प्रबंध योजना तैयार की जायेगी। इसे वन समिति की आम सभा से अनुमोदन के बाद वनमंडल अधिकारी द्वारा स्वीकृति दी जायेगी।
- वृक्षारोपण के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन की व्यवस्था विभागीय प्रक्रिया अनुसार की गई है। वृक्षारोपण को विभागीय मूल्यांकन प्रणाली में पंजीकृत कर समय-समय पर अद्यतन किया जायेगा। यह सुनिश्चित किया जायेगा कि तीन वर्ष की अवधि के बाद वृक्षारोपण में पौधों की जीवितता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर ही रोपण को सफल माना जायेगा।
- जीवितता 50 प्रतिशत से कम होने पर अनुबंध निरस्त कर दिया जायेगा। एक वर्ष की अवधि के अंदर अनुबंध के अनुसार कार्य प्रारंभ नहीं करने, 2 वर्ष की अवधि में वृक्षारोपण का कार्य सम्पादित नहीं करने या अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करने पर वनमंडल स्तरीय वन विकास अभिकरण के सचिव को अनुबंध को निरस्त करने का अधिकार होगा। त्रिपक्षीय अनुबंध निरस्त करने का आदेश सभी पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद ही जारी किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने प्रोफेसर राजेशलाल मेहरा सदस्य एवं कार्यवाहक अध्यक्ष को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और डॉ. कृष्णकांत शर्मा प्राध्यापक (गणित) को सदस्य के पद पर नियुक्त करने का अनुमोदन दिया।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

## टीका लगवाओ सुखी रहेगा परिवार, कोरोना जायेगा हार

# ग्रामीण क्षेत्रों की सौ राशन की दुकानों के लिए बनेंगे भवन - खाद्य मंत्री

**भोपाल,** प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में वन समिति की 650 उचित मूल्य दुकानों के लिए पक्के भवन का निर्माण कराया जाएगा। पहले चरण में 100 दुकानों के भवन का निर्माण होगा। खाद्य मंत्री श्री विसाहूलाल सिंह एवं वन मंत्री श्री विजय शाह ने भोपाल स्थित मंत्रालय में संयुक्त वन प्रबंधन समिति द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकानों के लिए भवन निर्माण संबंधी बैठक में यह निर्णय लिया। बताया गया कि पक्के भवन निर्माण से खाद्यान्न को मौसम के कारण होने वाले नुकसान एवं चोरी आदि से सुरक्षा मिल सकेगी। अभी अधिकांश दुकानें कच्चे और किराये के भवन में संचालित हो रही हैं।

**15 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगी 100 दुकानें**

वन मंत्री डॉ. विजय शाह ने बताया कि राशन की दुकानों के वन उत्पाद साबुन, शैम्पू और टिश्यू पेपर आदि का विक्रय भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रति दुकान निर्माण पर 15 लाख रुपये और 100 दुकानों पर 15 करोड़ रुपये का व्यय होगा। इन दुकानों का संचालन वन समिति के जनजातीय वर्ग के शिक्षित अथवा विकलांग व्यक्ति को दिया जाएगा। वन क्षेत्रों में विकलांग व्यक्ति को दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर बड़ी कम्पनियां स्थित हैं वहां सीएसआर फंड से इन दुकानों के निर्माण का प्रयास किया जाएगा। आम जनता की सहूलियत के लिये उचित मूल्य दुकानों के पास सार्वजनिक शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव खाद्य श्री फैज अहमद किदवई ने बताया कि उचित मूल्य दुकानों से वन्य उत्पादों के विक्रय से एक ही स्थान पर ग्रामवासियों को अनेक उत्पाद प्राप्त हो सकेंगे। प्रदेश में वन समिति द्वारा संचालित 650 उचित मूल्य दुकानों में से बालाघाट एवं गुना में सर्वाधिक 65-65, शिवपुरी में 62 और रायसेन में 61 दुकानें संचालित की जा रही हैं। आगर, अनूपपुर, भिण्ड, ग्वालियर, कटनी, मुरैना, नीमच, सतना, शाजापुर, सिंगरौली, उज्जैन एवं उमरिया जिले में पीडीएस दुकानों का संचालन प्रारंभ किया जाना है।

# कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन कारगर उपाय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं कोरोना की समीक्षा करते हुये।

**भोपाल,** राज्य में कोविड-19 लगभग नियंत्रित स्थिति में है। इसलिए राज्य सरकार द्वारा ऐसे प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया जा रहा है, जो अब तक लागू थे। ये प्रतिबंध कोविड महामारी के समय लगाए गए थे। अब सभी सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन पूरी क्षमता के साथ हो सकेंगे। प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर लगने वाले मेलों का आयोजन भी किया जा सकेगा। चल समारोह अब निकल सकेंगे और विवाह में भागीदारी बिना संख्या की सीमा के हो सकेगी। काफी लंबी अवधि प्रतिबंधों के साथ बिताई जा चुकी है। समग्र स्थितियों पर विचार-विमर्श के पश्चात प्रतिबंधों को हटाने का फैसला लिया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना स्थिति की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतिम संस्कार में भी अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए सभी इच्छुक पहुंच सकेंगे। नाइट कर्फ्यू भी अब समाप्त किया जा रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि सिनेमा हॉल, मॉल, स्वीमिंग पूल, जिम, योगा सेंटर, रेस्टोरेंट, क्लब इत्यादि सौ प्रतिशत क्षमता के साथ खुल सकेंगे। स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल, कोचिंग क्लासेज पूर्ण क्षमता से अब संचालित की जा सकेंगी। यह जरूर है कि सभी तरह की गतिविधियां हम प्रारंभ कर रहे हैं। लेकिन यह कोरोना अनुकूल व्यवहार के साथ प्रारंभ होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आवश्यक है कि संक्रमण को फैलने के लिए जिम्मेदार कोई भी कार्य न किए जाए, किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, परस्पर दूरी और सभी के लिए मास्क के उपयोग की सावधानी आवश्यक होगी।

श्री चौहान ने कहा कि मेलों में दुकानदार तभी दुकान लगा सकेंगे जब उन्हें दोनों डोज लगी हो। सिनेमा हॉल में स्टाफ को दोनों डोज और दर्शक को कम से कम एक डोज लगना अनिवार्य होगा। मेलों के अलावा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दुकानदार को वैक्सीन के दोनों डोज लगवाना अनिवार्य होगा। हॉस्टल में 18 वर्ष से ऊपर के छात्र-छात्राएं और समस्त स्टाफ को दोनों डोज लगवाना आवश्यक होगा।

मुख्यमंत्री ने मीडिया के माध्यम से अपील की है कि सावधान रहना है। कोविड टेस्ट के लिए शासकीय टीम आए तो सैम्पल जरूरी दे दें, ताकि बीमारी अगर ज्यादा लोगों को हो रही हो, संक्रमण फैल रहा हो तो तत्काल पता लगाया जा सके। जिनका भी दूसरा डोज बचा है वो जरूर डोज लगवाएं। शासकीय सेवकों को दोनों डोज अनिवार्य हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैक्सीनेशन कोविड से बचाव के लिए उपयोगी और एकमात्र उपाय है। यह एक कारगर उपाय है। हर व्यक्ति को वैक्सीन के दोनों डोज लगवाना ही चाहिए। सामाजिक संस्थाओं, क्राइसिस मैनेजमेंट समूह, स्थानीय प्रशासन के साथ ही हर नागरिक को यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य के इस महत्वपूर्ण सुरक्षा चक्र के महत्व को समझें और यह देखें कि स्वयं के अलावा हमारे आसपास के सभी व्यक्ति वैक्सीन के दोनों डोज अनिवार्य रूप से लगवा चुके हैं या नहीं।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में 91.6 प्रतिशत पात्र लोगों द्वारा वैक्सीन का प्रथम डोज लगवाया जा चुका है। दूसरा डोज लगवाने वालों का प्रतिशत 47.3 है। प्रतिदिन 25-30 पॉजीटिव प्रकरण सामने आ रहे हैं। एक्टिव प्रकरणों की संख्या भी घटकर 78 हो गई है। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जिलों के प्रभारी अधिकारियों से भी चर्चा की। श्री चौहान ने कहा कि भिण्ड, खरगोन और सीधी जिले में प्रथम डोज का प्रतिशत 85 से कम है। इन जिलों में यह प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रणनीति हो कि प्रतिदिन न्यूनतम 70 से 75 हजार सैम्पल अवश्य लिए जाएं। संक्रमण पर कड़ी निगाह रखी जाए। किसी भी व्यक्ति में रोग के मामूली लक्षण भी हों तो टेस्ट अवश्य करवाएं। विद्यालयों और छात्रावासों में विद्यार्थियों द्वारा आवश्यक सावधानियां रखी जाएं। प्रतिबंध समाप्त करने के निर्णय पर लापरवाही को स्वभाव का हिस्सा न बनाया जाए। हमें असावधान नहीं होना है। अधिक भीड़ एकत्र होने वाले स्थानों पर विशेष सावधानियां रखी जाएं।

# राज्य शासन ने राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान किये घोषित

**भोपाल,** संस्कृति विभाग ने वर्ष 2017 से 2020 तक के राष्ट्रीय तुलसी सम्मान और 2019 एवं 2020 के राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान घोषित किए हैं। राष्ट्रीय तुलसी सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकारों में वर्ष 2017 का सम्मान जयपुर के सुप्रतिष्ठित चित्रकार श्री कैलाश चन्द शर्मा को, वर्ष 2018 का सम्मान राजनांदगांव के सुप्रतिष्ठित बांसुरी वादक श्री विक्रम यादव को, वर्ष 2019 का सम्मान रायपुर के ख्यात कबीर गायक डॉ. भारती बंधु को तथा वर्ष 2020 का सम्मान लखनऊ की अवधी, भोजपुरी एवं बुन्देलखंडी शैली की सुविख्यात लोक गायिका सुश्री मालिनी अवस्थी को प्रदान किया जाएगा।

सम्मानित होने वाले कलाकारों को अलंकरण महेश्वर में आरंभ होने वाले निमाड़ उत्सव के शुभारंभ अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर द्वारा प्रदान किया जायेगा।

राष्ट्रीय तुलसी एवं देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित होने वाले कलाकारों को सम्मान स्वरूप 2 लाख की सम्मान राशि, सम्मान पट्टिका एवं शॉल-श्रीफल प्रदान किया जाता है।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष जनजातीय, लोक एवं पारम्परिक कलाओं में उत्कृष्टता और श्रेष्ठ उपलब्धि को सम्मानित करने के लिए वार्षिक राष्ट्रीय तुलसी सम्मान की स्थापना वर्ष 1983 में की गई थी।

# मध्यप्रदेश में अधूरी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करें - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** प्रदेश में अधूरी परियोजनाओं का कार्य तेज गति से पूरा किया जाए। परियोजनाओं में विलंब एवं गड़बड़ी करने पर निर्माण एजेंसियों पर पेनाल्टी लगाकर कार्यवाही की जाएगी। ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए निर्माण एजेंसी एवं संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में प्रगति ऑनलाइन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये दिये।

**नई कार्य संस्कृति का करें विकास**

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग मिलकर नई कार्य संस्कृति का विकास करें। एक साथ बैठकर सभी एजेंसियां कार्य पूरा करने के संबंध में लक्ष्य निर्धारित करें। सभी एजेंसियां आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें।

**कोठा-बैराज परियोजना**

श्री चौहान ने विदिशा जिले की कोठा-बैराज परियोजना के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए विलंब का कारण पूछा। उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त की और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में प्रगति ऑनलाइन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुये।

**मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय परियोजना**

मुख्यमंत्री ने दतिया जिले की मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय परियोजना की समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस परियोजना के कार्य के लिए अभी तक जमीन ही ढूंढ़ रहे हैं, काम का यह तरीका ठीक नहीं है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन ढूंढ़ने के कार्य में सहयोग करें। इस कार्य की एक माह बाद पुनः समीक्षा की जाएगी।

**स्लीमनाबाद टनल**

श्री चौहान ने कटनी जिले में बरगी परियोजना के अंतर्गत स्लीमनाबाद टनल के कार्य में हर संभव सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी कीमत पर जून 2023 तक टनल में पानी की शुरुआत कर दी जाए।

**बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना**

मुख्यमंत्री ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की शहडोल जिले की बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी द्वारा परियोजना के कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। बाणसागर मल्टीविलेज वाटर सप्लाई स्कीम की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि वन विभाग के कारण अनुमति का कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि समन्वय बनाकर परियोजना का कार्य पूरा किया जाए।

# मध्यप्रदेश सिकल सेल उन्मूलन मिशन का किया गया गठन

**भोपाल,** अनुवांशिक रोग सिकल सेल (हीमोग्लोबिनोपैथी) और इसकी वजह से मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रदेश में शासन द्वारा मध्यप्रदेश सिकल सेल उन्मूलन मिशन का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शहीद भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत 3 व्यक्तियों को जैनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान कर प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया था।

सिकल सेल मिशन में सिकल सेल एनीमिया, थैलिसिमिया और अन्य हिमोग्लोबिनोपैथी के विकारों से पीड़ित लोगों की स्क्रीनिंग, रेफरल और प्रबंधन की प्रणाली स्थापित की जायेगी। यह मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के स्वास्थ्य आयुक्त के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है। मिशन के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मिशन संचालक की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

**डेढ़ करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य**

मिशन के जरिये प्रदेश के 27 जिलों के 115 विकासखंडों में सिकल सेल एनीमिया और थैलीसिमिया की जांच और रोकथाम के लिए पांच वर्षों में एक करोड़ 50 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की जायेगी।

प्रथम चरण में प्रदेश के दो जनजाति बहुल जिलों झाबुआ और अलीराजपुर में पायलट प्रोजेक्ट में 8 लाख 26 हजार गर्भवती महिलाओं और 6 माह से 18 वर्ष तक के बच्चों की सिकल सेल स्क्रीनिंग जांच की जायेगी।

**पायलट प्रोजेक्ट की कार्य-योजना**

पायलट प्रोजेक्ट में स्क्रीनिंग, जागरूकता और इलाज के समुचित इंतजाम किये जायेंगे। जन अभियान परिषद का सहयोग लेकर निर्धारित प्रश्नावली के आधार पर सर्वेक्षण किया जायेगा और सिकल सेल रोग के संबंध में जागरूकता लायी जायेगी।

स्क्रीनिंग, सामुदायिक स्तर पर साल्युबिलिटी परीक्षण के माध्यम से की जायेगी। पॉजीटिव प्रकरणों के ब्लड सैम्पल को पुष्टिकरण परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। स्क्रीनिंग किए गए सभी लाभार्थियों को अनुवांशिक परामर्श कार्ड मुद्रित कर जारी किए जायेंगे। कार्ड का वितरण जन अभियान परिषद द्वारा किया जायेगा।

जबलपुर स्थित एनआईआरटीएच के सहयोग से सिकल सेल रोगी का पता लगाने और उनकी देखभाल के लिए मैदानी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

नम्रता नंदीश

## पचास झीलों तक चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाया

बेंगलुरु की नम्रता नंदीश ने गठिया से पीड़ित होने के

बावजूद चार महीने के भीतर कश्मीर में समुद्र तल से करीब 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित 50 झीलों तक सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का एक अनूठा कीर्तिमान बनाया है। इस खास उपलब्धि को लेकर नम्रता को अब अल्पाइन गर्ल के नाम से एक नई पहचान मिली है। नम्रता ने अपनी शुरुआत तुलियन झील से की, जो दक्षिण कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पीर पंजाल और जांस्कर पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित है। अल्पाइन (पहाड़ी) झीलें समुद्र तल से 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित होती हैं।

जर्मनी में

## पृथ्वी का विशाल स्कल्पचर प्रदर्शित

पश्चिमी जर्मनी के ओबर हाउजेन में स्थित औद्योगिक

गैस भंडार सुविधा गैसोमीटर में 'द फ्रेजाइल पैराडाइज' प्रदर्शनी में विशाल आकार की पृथ्वी का स्कल्पचर प्रदर्शित किया गया, जो 117 मीटर ऊंचाई पर लटकाया गया है। इस मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में प्रकृति की अनुपम सुंदरता और पर्यावरण और मनुष्य पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन को दर्शाया गया है।

मोहिंदर सिंह भराज

## कश्मीर से कन्याकुमारी का सफर साइकिल से किया

महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले 67 वर्षीय मोहिंदर

सिंह भराज ने साइकिल से कश्मीर से कन्याकुमारी का 3600 किलोमीटर का सफर महज 12 दिन, 18 घंटे, 57 मिनट में तय कर नया कीर्तिमान बनाया है। वे खुद को 67 साल का युवा कहना पसंद करते हैं। उन्होंने इस यात्रा के दौरान पर्यावरण सुरक्षा, एकता, अखंडता के संदेश लोगों तक पहुंचाए। वे अपने स्वस्थ शरीर का श्रेय साइकिल यात्रा को देते हैं।

लैंडसैट-9

## पृथ्वी की अपनी पहली तस्वीरें एकत्र कीं

विगत 27 दिसम्बर को लॉन्च किए गए नासा और यूएस

जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के संयुक्त मिशन लैंडसैट-9 ने पृथ्वी की पहली तस्वीरें एकत्र की हैं। नासा के अनुसार 31 अक्टूबर को प्राप्त सभी तस्वीरें अंतरिक्ष आधारित पृथ्वी अवलोकन के लगभग 50 वर्षों तक फैले लैंडसेट के डाटा रिकॉर्ड की जानकारी दे रही हैं। ये छवियां पृथ्वी के बारे में महत्वपूर्ण पक्षों को रेखांकित करती हैं और नासा और यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के इस संयुक्त मिशन को आगे पढ़ाएंगी, जो अंतरिक्ष से देखे गये पृथ्वी के परिदृश्य और समुद्र तट के बारे में महत्वपूर्ण डाटा उपलब्ध कराता है।

वाल्टर अयाला गोंजालेस

## पेरु के रक्षा मंत्री ने पद से दिया इस्तीफा

पेरु के रक्षा मंत्री वाल्टर अयाला गोंजालेस ने

आधिकारिक तौर पर अपने इस्तीफे की घोषणा की है। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा कि 'मैं अपना इस्तीफा राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर-इन-चीफ को सौंपता हूं।' अपने इस्तीफे की घोषणा करने के साथ ही वे नवंबर के बाद से पद छोड़ने दूसरे मंत्री बन गये हैं। सामाचार पत्र में छपी खबर के मुताबिक राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो ने एक आपात बैठक में उन्हें अपने पद से इस्तीफा देने के लिये कहा था।

श्रीनगर को

## यूनेस्को ने दिया क्रिएटिव सिटी का दर्जा

यूनाइटेड नेशंस शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृति

संगठन ने जम्मू और कश्मीर की राजधानी श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) शहर के तौर पर नामित किया है। इस लिस्ट में शामिल होने के साथ ही श्रीनगर दुनिया के 295 रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में शामिल हो गया है। मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बनारस और जयपुर के बाद श्रीनगर इस लिस्ट में शामिल होने वाला छठा शहर है। ज्ञात रहे कि यूसीसीएन यूनेस्को द्वारा 2004 में शुरू किया गया एक प्रोजेक्ट है, जिसके तहत उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है जिन्होंने रचनात्मकता को अपने शहरी विकास में एक स्ट्रेटजिक फैक्टर के रूप में मान्यता दी है।

'वेला'

## चौथी पनडुब्बी नौसेना में शामिल

प्रोजेक्ट-75 के तहत भारतीय नौसेना को चौथी स्कॉर्पीन

पनडुब्बी सौंपी गई। प्रोजेक्ट-75 के तहत कुल छह स्कॉर्पीन पनडुब्बियां बननी हैं। इन पनडुब्बियों का निर्माण फ्रांस के नेवल ग्रुप के सहयोग से मुंबई के मझगांव डाकयार्ड में किया जा रहा है। 'वेला' नाम की इस पनडुब्बी के निर्माण की शुरुआत 6 मई, 2019 से हुई थी। कोविड काल की पाबंदियों के बावजूद इस पनडुब्बी का निर्माण तेज गति से जारी है।

कनाडा

## जलवायु परिवर्तन से बीमार पहली मरीज मिली

अपनी उम्र के सातवें दशक में चल रही कई बीमारियों से

ग्रस्त एक कनाडाई महिला जलवायु परिवर्तन से बीमार होने वाली विश्व की संभवतः पहली रोगी है। डॉक्टरों ने उसकी इस लगातार गिरती सेहत के लिये इस साल की शुरुआत में आई घातक हीटवेव को जिम्मेदार ठहराया है। महिला रोगी का निदान करने वाले कूटेने लेक अस्पताल के डॉक्टर काइल मेरिट ने कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे रोगियों पर हीटवेव के चलते पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। उनके अनुसार महिला की स्वास्थ्य समस्याएं और विकट हो गई हैं। वह वास्तव में हाइड्रेटेड रहने (निर्जलीकरण से बचने) के लिए संघर्ष कर रही हैं।

पुर्तगाल में

## कर्मचारियों के लिये नया श्रम कानून लागू

पुर्तगाल सरकार ने एक नया कानून तैयार किया है

जिसके तहत कंपनियों को अपने वर्करों से ऑफिस टाइम के बाद संपर्क करना प्रतिबंधित होगा। संसद में पारित इस नये कानून के प्रावधान के अनुसार ऐसी कंपनियों को जुर्माना भरना पड़ेगा, जो अपने कर्मचारियों को शाम के वक्त या सप्ताहांत में बुलाएंगी या ई-मेल या कॉल करेंगी। यह नया श्रम कानून देश की सत्ताधारी सोशलिस्ट पार्टी के द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान रिमोट वर्किंग बढ़ने के जवाब में पेश किया गया।

वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार

## नौसेना प्रमुख नियुक्त हुये

केंद्र सरकार ने वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार को

अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है। वे वर्तमान चीफ एडमिरल करमबीर सिंह की जगह लेंगे। हरि कुमार वर्तमान में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं। चीफ एडमिरल करमबीर 30 नवम्बर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

लियोनोर गेवेस्लर

## ऑस्ट्रिया की जलवायु मंत्री ट्रेन से 'सीओपी-26' सम्मेलन में पहुंचीं

ऑस्ट्रिया की जलवायु मंत्री लियोनोर गेवेस्लर ट्रेन से

करीब 27 घंटे का सफर तय कर ब्रिटेन के ग्लासगो में एक हफ्ते तक चले अंतर्राष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन 'सीओपी-26' में हिस्सा लेने पहुंचीं। उन्होंने कहा जहां तक संभव होता है मैं जलवायु अनुकूल विकल्प चुनने की कोशिश करती हूं।

वांग यापिंग

## अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली चीन की पहली महिला एस्ट्रोनॉट

वांग यापिंग अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली चीन

की पहली महिला प्रतिभागी बन गई हैं। वे अपने सहयोगी के साथ चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन तियान से बाहर निकली और साढ़े 6 घंटे वॉक किया। चीन ने 3 अंतरिक्ष यात्रियों को 6 महीने के लिये अंतरिक्ष स्टेशन का काम पूरा करने के लिये भेजा है।

न्यूजीलैंड

## लागू किया गया इच्छा मृत्यु कानून

न्यूजीलैंड में इच्छा-मृत्यु कानून लागू कर दिया गया

है। इस कानून के लागू होने के साथ ही न्यूजीलैंड उन देशों में शामिल हो गया है जहां इच्छा-मृत्यु को कानूनी दर्जा हासिल है। ज्ञात रहे कि इससे पहले स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड्स, स्पेन, लग्जमबर्ग, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया में ही इच्छा-मृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है।

कृष्णा स्वामीनाथन

## पश्चिमी नौसेना कमान के नये चीफ बने

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने पश्चिमी नौसेना

कमान के चीफ ऑफ स्टाफ का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में शामिल हुये एडमिरल स्वामीनाथन संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, ज्वाइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टॉफ कॉलेज, श्रीवेनहम के पूर्व छात्र रहे हैं। अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से वे विभूषित किये गये हैं।

नासा

## लॉन्च करेगा क्षुद्र ग्रह से टकराने वाला पहला अंतरिक्ष यान

नासा क्षुद्र ग्रह से टकराने के लिये डिजाइन किये गये पहले अंतरिक्ष यान को लॉन्च कर रहा है। इसे डबल क्षुद्र ग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण (डार्ट) मिशन नाम दिया गया है। इससे आने वाले समय में अंतरिक्ष में होने वाली किसी भी आपदा को रोकने के लिये उपयोग में लायी जाने वाली तकनीकों का परीक्षण करने में मदद मिलेगी। डबल क्षुद्र ग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण (डार्ट) मिशन दो-क्षुद्र ग्रह प्रणाली डिडिमोस के छोटे क्षुद्रग्रह से टकराने और इसके परिणामस्वरूप पैदा होने वाली ऊर्जा से इसके मार्ग को बदलने के लिये तैयार है।

कोवी रोवो

## बिना सुई के टीका लगायेगा

कनाडा की स्टार्टअप कोवोनिक्स ने यूनिवर्सिटी ऑफ

ओंटारियो की मदद से 'कोवी रोवो' डिजाइन किया है। यह बिना सुई के टीका लगायेगा। यह खास सेंसर से रोमछिद्र की पहचान कर उसके जरिये दवा अंदर डालेगा। कोवोनिक्स के को-फाउंडर टिम लासवेल के अनुसार सुई-मुक्त इंजेक्शन तकनीक का उपयोग करने के लिये इसे तैयार किया गया है।

जो बाइडेन और जिल बाइडेन

## दीपावली पर व्हाइट हाउस में जलाये दिये

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला

जिल बाइडेन ने दीपावली पर व्हाइट हाउस में दिये जलाये। उन्होंने ट्वीट किया, दीपावली की रोशनी हमें याद दिलाये कि अंधकार के बाद ज्ञान, समझ और सच्चाई आती है, अमेरिका और दुनियाभर में दीपावली मना रहे हिंदुओं, सिखों, जैनियों और बौद्धों के लिये दीपावली की शुभकामनाएं भी उन्होंने प्रेषित की थीं।

हरप्रीत चंडी

## ब्रिटिश सेना की ओर से दक्षिण ध्रुव की यात्रा पर रवाना

ब्रिटिश सेना की सिख सैन्य अधिकारी 32 वर्षीय कैप्टन

हरप्रीत चंडी दक्षिण ध्रुव की यात्रा के लिये रवाना हो गई हैं। वह भारतीय मूल की पहली महिला हैं जो इस मिशन पर जा रही हैं। उनके साथ एक फिजियोथेरेपिस्ट लंदन से चिली के लिये रवाना हुई हैं।

## स्मृति शेष

### एमसीसी के पूर्व प्रमुख कीथ ब्रैडशॉ का निधन

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के पूर्व मुख्य

कार्यकारी और दिन रात्रि टेस्ट मैचों के आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले कीथ ब्रैडशॉ का 58 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 1980 के दशक में तस्मानिया के लिये प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला करते थे। वह इंग्लैंड से बाहर के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने यह पद संभाला था।

### मशहूर विद्वान कोनेरु रामकृष्ण का निधन

मशहूर अकादमिक विद्वान एवं मनोविज्ञानी

कोनेरु रामकृष्ण राव का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। 2011 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित राव आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति एवं जीआईटीएम मानद विश्वविद्यालय के चांसलर रहे। उन्होंने 20 से अधिक पुस्तकें और सैकड़ों शोधपत्र लिखे थे। वह अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मनोविज्ञानी थे।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

**कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।**

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

## मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान

**(1) म.प्र. के राज्य सकल घरेलू उत्पाद में प्राथमिक क्षेत्र अंश कितना है?**
(A) 46.9% (B) 33.5%
(C) 19.4% (D) 43.9%
**उत्तर - (A) 46.9%**
**व्याख्या-** प्रचलित भावों पर राज्य सकल घरेलू उत्पाद में (2020-21) विभिन्न क्षेत्रों का अंश निम्नानुसार है-
i प्राथमिक क्षेत्र - 46.98%
ii द्वितीय क्षेत्र - 33.55%
iii तृतीय क्षेत्र - 19.47%

**(2) म.प्र. की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय कितनी है?**
(A) 64236 (B) 58425
(C) 103288 (D) 98480
**उत्तर - (B) 58425**
**व्याख्या-** स्थिर भावों पर 2020-21 में प्रति व्यक्ति आय 58425 रुपये है जबकि प्रचलित भावों पर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 98418 रुपये है। यह महत्वपूर्ण है कि 2019-20 की तुलना में प्रति व्यक्ति शुद्ध आय में कमी आई है। 2020-21 में प्रचलित मूल्य पर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय रुपये 98418 थी जो देश की प्रति व्यक्ति आय 126968/- रुपये का 77.5% है।

**(3) मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कितनी राशि की आर्थिक सहायता दी जाती है?**
(A) 25000 (B) 51000
(C) 31000 (D) 45000
**उत्तर - (B) 51000**
**व्याख्या-** म.प्र. शासन द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन हेतु नगरीय एवं ग्रामीण निकायों को राशि रुपये 3000/- प्रति कन्या के मान से तथा शेष राशि रुपये 48000/- संबंधित कन्या (वधू) के बैंक खाते में जमा कराई जाती है।

**(4) AePDS म.प्र. में कब से क्रियान्वित की गई?**
(A) अप्रैल, 2018
(B) अक्टूबर, 2019
(C) अप्रैल, 2020
(D) नवंबर, 2020
**उत्तर - (B) अक्टूबर, 2019**
**व्याख्या-** म.प्र. की 25236 उचित मूल्य दुकानों पर आधार आधारित राशन वितरण व्यवस्था (AePDS) अक्टूबर, 2019 से क्रियान्वित है। इसमें पात्र परिवारों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाता है।

**(5) म.प्र. का कुल अधिसूचित वन क्षेत्र है (लगभग)?**
(A) 94 हजार वर्ग किमी.
(B) 65 हजार वर्ग किमी.
(C) 101 हजार वर्ग किमी.
(D) 75 हजार वर्ग किमी.
**उत्तर - (A) 94 हजार वर्ग किमी.**
**व्याख्या-** प्रदेश का वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किमी. है जो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 30.72 प्रतिशत है। इसमें से 65% आरक्षित, 33% संरक्षित एवं 2% क्षेत्रफल अवर्गीकृत वन है। वन क्षेत्र के बाहर 8339 वर्ग किमी. क्षेत्र वृक्षों से आच्छादित है।

**(6) म.प्र. में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य के अन्तर्गत कुल कितना क्षेत्रफल आरक्षित है?**
(A) 17 हजार वर्ग किमी.
(B) 25 हजार वर्ग किमी.
(C) 5 हजार वर्ग किमी.
(D) 10 हजार वर्ग किमी.
**उत्तर - (A) 17 हजार वर्ग किमी.**
**व्याख्या-** प्रदेश में 11 राष्ट्रीय उद्यान, 24 अभ्यारण्य हैं जिसमें 6 टाइगर रिज़र्व, 2 खरमौर अभ्यारण्य, 2 सोन चिड़िया अभ्यारण्य, 3 घड़ियाल अभ्यारण्य तथा 2 राष्ट्रीय उद्यान जीवाश्म संरक्षण हेतु स्थापित हैं। प्रदेश में उद्यान/अभ्यारण्य के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल 16.79 हजार वर्ग किमी. है। 2019 की बाघ गणना के अनुसार प्रदेश में 526 बाघ हैं जो देश में सर्वाधिक हैं।

**(7) म.प्र. की कुल उपलब्ध विद्युत क्षमता है?**
(A) 17090 मेगावॉट
(B) 21220 मेगावॉट
(C) 25070 मेगावॉट
(D) 15020 मेगावॉट
**उत्तर - (B) 21220 मेगावॉट**
**व्याख्या-** नवंबर 2020 की स्थिति में प्रदेश की विद्युत उपलब्धता 21220 मेगावॉट थी जिसमें 5055 मेगावॉट केन्द्रीय विद्युत उत्पादन क्षेत्र का अंश सम्मिलित था। प्रदेश में अपारम्परिक ऊर्जा से 3965 मेगावॉट विद्युत उत्पादन क्षमता है।

**(8) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना कब शुरू हुई?**
(A) 1997 (B) 2000
(C) 2005 (D) 2010
**उत्तर - (B) 2000**
**व्याख्या-** दिसंबर - 2000 से क्रियान्वित योजनान्तर्गत सामान्य विकासखंड में 500 या अधिक आबादी तथा आदिवासी विकासखण्ड में 250 या अधिक आबादी वाले गांवों को बारह मासी सड़कों से जोड़ने की योजना थी। म.प्र. में लगभग 73000 किमी. लम्बाई की सड़क योजनांतर्गत निर्मित की गई है।

**(9) म.प्र. में राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई है?**
(A) 11389 km.
(B) 22091 km.
(C) 8858 km.
(D) 28623 km.
**उत्तर - (C) 8858 km.**
**व्याख्या-** म.प्र. में लोक निर्माण विभाग द्वारा संधारित सड़कों की लम्बाई निम्नवत् है।
1 राष्ट्रीय राजमार्ग - 8858 km.
2. प्रान्तीय राजमार्ग - 11389 km.
3. मुख्य जिला मार्ग - 22091 km.
4. अन्य ग्रामीण मार्ग - 28263 km.
**कुल - 70961 km.**
**व्याख्या-** प्रदेश में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना वर्ष 2010-11 में शुरू की गई।

**(10) म.प्र. का कुल बोया गया क्षेत्र लगभग है?**
(A) 261 लाख हेक्टेयर
(B) 152 लाख हेक्टेयर
(C) 113 लाख हेक्टेयर
(D) 100 लाख हेक्टेयर
**उत्तर** - (A) 261 लाख हेक्टेयर
**व्याख्या-** म.प्र. में कृषि क्षेत्र के आंकड़े निम्नवत् हैं।
1. शुद्ध सिंचित क्षेत्र - 113.56 लाख हेक्टेयर।
2. शुद्ध बोया क्षेत्र - 152.05 लाख हेक्टेयर।
3. कुल बोया क्षेत्र - 261.15 लाख हेक्टेयर
4. कुल सिंचित क्षेत्र 126 लाख हेक्टेयर
शुद्ध बोये गये क्षेत्र से शुद्ध सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत 74.7 हेक्टेयर।
प्रदेश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 553.79 लाख मीट्रिक टन।

**(11) म.प्र. में विवेक और एश्वर्य क्यों चर्चित हुए (2020-21)?**
(A) नवाचार हेतु
(B) खेल क्षेत्र में
(C) रंगमंचीय कलाकार
(D) शिखर सम्मान से सम्मानित
**उत्तर** - (B) खेल क्षेत्र में
**व्याख्या-** टोक्यो ओलिम्पिक में भारत के 88 सदस्यीय खिलाड़ियों में म.प्र. के एश्वर्य प्रताप सिंह (शूटिंग) एवं विवेक सागर (हॉकी) शामिल हुए। विवेक सागर (चांदोन इटारसी) इंडियन जूनियर हॉकी टीम के कप्तान रह चुके हैं।

**(12) जननी सुरक्षा योजना (म.प्र.) का प्रारंभ कब हुआ?**
(A) 2007 (B) 2009
(C) 2003 (D) 2005
**उत्तर** - (D) 2005
**व्याख्या-** मातृ मृत्यु दर एवं नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने एवं संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2005 में प्रारंभ की जननी योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र की महिलओं को 1400 रुपये एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं को 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

**(13) उषा किरण योजना संबंधित है?**
(A) कृषि कार्य से
(B) विद्युत प्रदाय से
(C) घरेलू हिंसा से मुक्ति
(D) खाद्यान्न वितरण से
**उत्तर - (C) घरेलू हिंसा से मुक्ति**
**व्याख्या-** महिला संरक्षण एक्ट 2005 एवं नियम 2006 के तहत म.प्र. सरकार द्वारा योजना संचालित है। प्रदेश में 453 समेकित बाल विकास परियोजना में 453 संरक्षण अधिकारी इसके तहत नियुक्त किये गये हैं।

**(14) तेजस्विनी ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम निम्न में से किस जिले में संचालित नहीं है?**
(A) डिण्डोरी, बालाघाट
(B) मण्डला, पन्ना
(C) छतरपुर, टीकमगढ़
(D) आगर, निवाड़ी
**उत्तर - (D) आगर, निवाड़ी**
**व्याख्या-** अन्तरर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष के सहयोग से तेजस्विनी योजना म.प्र. के 6 जिलों में संचालित है।

**(15) म.प्र. में अनुसूचित जनजाति विकास खण्ड की संख्या है?**
(A) 89 (B) 104
(C) 79 (D) 59
**उत्तर - (A) 89**
**व्याख्या-** 2011 की जनगणना के अनुसार म.प्र. में अजजा की आबादी 153.16 लाख है, जो राज्य की कुल आबादी का 21.10 प्रतिशत है।
1. प्रदेश में 52 जिले, 424 तहसीलें एवं 313 विकासखण्ड हैं।
2. प्रदेश में कुल ग्राम 54903 एवं ग्राम पंचायत की संख्या 22812 है।

**(16) म.प्र. में कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत है?**
(A) 43.47% (B) 39.79%
(C) 31.26% (D) 29.94%
**उत्तर - (A) 43.47%**
**व्याख्या-** जनगणना 2011 के अनुसार प्रदेश की कुल जनसंख्या का 43.47% कार्यशील जनसंख्या है। कुल कार्यशील जनसंख्या में 31.18% कृषक हैं। प्रदेश की कुल स्त्री जनसंख्या में कुल कार्यशील स्त्रियां 32.64% हैं।

**(17) म.प्र. में प्रति हजार जीवित जन्म पर शिशु मृत्यु दर (IMR) है?**
(A) 32 (B) 173
(C) 130 (D) 48
**उत्तर - (D) 48**
**व्याख्या-** राष्ट्रीय स्तर पर शिशु मृत्यु दर 32 प्रति हजार है जो म.प्र. में 48 है। मातृत्व मृत्यु दर प्रति एक लाख प्रसवों पर 173 है, जो राष्ट्रीय दर 130 से अधिक है। प्रदेश में जन्म दर 24.6 प्रति हजार तथा मृत्यु दर 6.7 प्रति हजार है जो राष्ट्रीय औसत के स्तर से अधिक है।

**(18) 2011 की जनगणना के अनुसार म.प्र. की ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत है?**
(A) 72.4% (B) 68.9%
(C) 20.3% (D) 17.7%
**उत्तर - (A) 72.4%**
**व्याख्या-** देश में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 68.9% जबकि प्रदेश में 72.4% है। कुल जनसंख्या में 15.6% अजा, 21.1% अजजा तथा 50.09% आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है।

**(19) मध्यप्रदेश को किस खनिज से सर्वाधिक आय होती है?**
(A) मैग्नीज
(B) कोयला
(C) तांबा
(D) चूना पत्थर
**उत्तर - (B) कोयला**
**व्याख्या-** म.प्र. देश के आठ प्रमुख खनिज सम्पन्न राज्यों में से एक है। हीरा एवं मैग्नीज अयस्क के उत्पादन में प्रथम, चूना एवं रॉक फास्फेट के उत्पादन में द्वितीय तथा कोयला उत्पादन में राष्ट्र में प्रदेश का चौथा स्थान है। मात्रा एवं मूल्य की दृष्टि से प्रदेश का मुख्य खनिज कोयला है।

**(20) म.प्र. में फारुकी वंश का शासन किस क्षेत्र में रहा?**
(A) मालवा
(B) विंध्य
(C) निमाड़
(D) बुन्देलखण्ड
**उत्तर - (C) निमाड़**
**व्याख्या-** फिरोज तुगलक के शासनकाल में 1370 में मलिक रज़ा ने ताप्ती के कछार का प्रदेश प्राप्त किया तथा 1394 में उसने दिल्ली सल्तनत से स्वयं को स्वतंत्र घोषित किया। इनका मुख्यालय असीरगढ़ (बुरहानपुर) था। अन्ततः 1601 में असीरगढ़ का किला अकबर ने जीता। यह अकबर की अंतिम विजय थी।

**(21) मध्यप्रदेश की जलियांवाला बाग घटना किसे कहा जाता है?**
(A) सिंहपुर चरणपादुका
(B) त्रिपुरी अधिवेशन 1939
(C) झंडा सत्याग्रह जबलपुर
(D) बंजारी ढाल सत्याग्रह
**उत्तर - (A) सिंहपुर चरणपादुका**
**व्याख्या-** 14 जनवरी, 1931 को मकर संक्रांति के दिन छतरपुर जिले में सिंहपुर चरणपादुका में चल रही आमसभा को ब्रिटिश सेना ने चारों ओर से घेर लिया। बेरहमी से गोली चलाने में 21 लोगों की मृत्यु हुई। इसे ही प्रदेश का जलियांवाला बाग निरूपित किया गया है।

**(22) खयाल और तराना गायकी क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार निम्न में से कौन हैं?**
(A) विष्णु चिंचालकर
(B) शंकर राव पंडित
(C) अमीर खां
(D) राजाभैया पूंछवाले
**उत्तर - (C) अमीर खां**
**व्याख्या-** उस्ताद अमीर खां का जन्म 1913 में इन्दौर में हुआ। उन्होंने बैजू-बावरा, तानसेन, झनक-झनक पायल बाजे आदि फिल्मों में अपना स्वर दिया।

**(23) पातालपानी (कालापानी) से संबंधित हैं?**
(A) तात्या टोपे
(B) अवन्तिबाई
(C) टंट्या भील
(D) बखतवली सिंह
**उत्तर - (C) टंट्या भील**
**व्याख्या-** खंडवा जिले के पंधाना ग्राम में 1842 में जन्मे टंट्या भील का जीवन होलकर और अंग्रेजों की सेना से लोहा लेने में बीता अक्टूबर 1889 में उन्हें फांसी दी गई और उनके शव को पातालपानी (इन्दौर के निकट खण्डवा रेल मार्ग) में फेंक दिया गया (यहां टंट्या भील की समाधि है)।

**(24) गोंड राजा हृदयशाह निर्मित संरचना है?**
(A) मोतीमहल
(B) हिंगलाजगढ़ दुर्ग
(C) महेश्वर किला
(D) लालबाग पैलेस इन्दौर
**उत्तर - (A) मोतीमहल**
**व्याख्या-** रामनगर (मंडला) में नर्मदा तट पर 1667 ईस्वी में राजा हृदयशाह ने मोतीमहल का निर्माण करवाया।

**(25) बाजीराव पेशवा की समाधि म.प्र. के किस जिले में है?**
(A) खण्डवा
(B) खरगोन
(C) बुरहानपुर
(D) नरसिंहपुर
**उत्तर - (B) खरगोन**
**व्याख्या-** मराठा साम्राज्य के छत्रपति शाहूजी महाराज के सेनानायक बाजीराव प्रथम 1720 से 1740 तक पेशवा रहे। अप्रैल 1740 में रावरखेड़ी (खरगोन) में उनकी मृत्यु हुई। बाजीराव प्रथम ने 41 युद्ध लड़े और एक भी युद्ध नहीं हारा।

- जितेन्द्र सिंह भदौरिया
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करते हैं)

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

# सामान्य हिन्दी

**निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छांटकर लिखिए :**

कालिदास उसी डाली को काट रहे थे, जिस डाली पर वैठे थे। विद्योत्तमा नामक विदुषी राजकन्या का मान भंग करने का षड्यंत्र कर रहे तथा कथित विद्वान वर्ग को वह व्यक्ति (कालिदास) सर्वाधिक, जड़मति और मूर्ख लगा। इसलिए उसे ही कुछ लाभ-लालच दे, कुछ उटपटांग सिखा-पढ़ा महापंडित के वेश में सजा-धजाकर राज दरवार में विदुषी राज कन्या विद्योत्तमा से शास्त्रार्थ कराने के लिए ले गए। उस मूर्ख के उटपटांग मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या कर षड्यंत्रकारियों ने उससे विवाह करा ही दिया, लेकिन प्रथम रात्रि में ही वास्तविकता प्रकट हो जाने पर पत्नी के ताने से घायल होकर ज्यों घर से निकले। कठिन परिश्रम और निरंतर साधना रूपी रस्सी के आने-जाने से घिस-पिटकर महाकवि कालिदास बनकर घर लौटे। स्पष्ट है कि निरंतर अभ्यास ने तपाकर उनकी जड़मति को पिघलाकर बहा दिया और जो वाकी बचा था, वह खरा सोना था।

**1. कालिदास उसी डाली को क्यों काट रहे थे, जिस डाली पर वे बैठे थे?**
(A) वे विद्वान थे (B) वे जड़मति थे
(C) वे महापंडित थे
(D) वे लकड़हारे थे

**उत्तर - (B) वे जड़मति थे।**

**2. कालिदास को पंडित कहां ले गए?**
(A) विद्योत्तमा का राजमहल दिखाने
(B) विद्योत्तमा से मिलाने के लिए
(C) विद्योत्तमा के पास सजा दिलवाने
(D) विद्योत्तमा से शास्त्रार्थ करने के लिए

**उत्तर - (D) विद्योत्तमा से शास्त्रार्थ करने के लिए।**

**3. विदुषी राजकन्या का विवाह कालिदास से क्यों हो गया?**
(A) कालिदास सुदर्शन व्यक्तित्व के थे।
(B) विद्वान वर्ग ने उनके मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या की।
(C) कालिदास धनी थे।
(D) राजकन्या कालिदास से प्रेम करती थी।

**उत्तर - (B) विद्वान वर्ग ने उनके मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या की।**

**4. मूर्ख कालिदास किस प्रकार महाकवि बन गए?**
(A) पत्नी के प्रेम के कारण
(B) साहित्य रचना के कारण
(C) कठिन परिश्रम और निरंतर साधना से
(D) घर से त्यागकर जाने के कारण

**उत्तर - (C) कठिन परिश्रम और निरंतर साधना से।**

**5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा?**
(A) जड़मति कालिदास
(B) विद्योत्तमा और कालिदास
(C) महाकवि कालिदास
(D) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

**उत्तर - (D) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।**

**निर्देश : निम्न प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -**

**6. हिमालय भारत का मुकुट है। रेखांकित का संज्ञाभेद बताइए?**
(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक
(C) स्थानवाचक (D) भाववाचक

**उत्तर - (B) व्यक्तिवाचक**

**7. 'उचित' की भाव वाचक संज्ञा होगी?**
(A) उचइत (B) अनुचित
(C) औचित्य (D) अनौचित

**उत्तर - (C) औचित्य।**

**8. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं? रेखांकित कारक होगा?**
(A) कर्ता कारक
(B) करण कारक
(C) कर्म कारक
(D) अपादान कारक

**उत्तर - (D) अपादान कारक।**

**9. विधाता का स्त्रीलिंग होगा?**
(A) विदुषी (B) विधाती
(C) विधात्री (D) विधुता

**उत्तर - (C) विधात्री।**

**10. कोई आए या न आए हमें क्या। रेखांकित का सर्वनाम बताइए?**
(A) निश्चित वाचक
(B) अनिश्चित वाचक
(C) पुरुष वाचक
(D) निज वाचक

**उत्तर - (B) अनिश्चित वाचक।**

**11. आप जो कहें ठीक है, रेखांकित का सर्वनाम भेद बताइए?**
(A) प्रश्न वाचक (B) पुरुष वाचक
(C) निश्चय वाचक (D) संबंध वाचक

**उत्तर - (D) संबंध वाचक।**

**12. तुम बातें कम किया करो, रेखांकित का सर्वनाम भेद लिखे?**
(A) पुरुष वाचक (B) निज वाचक
(C) संबंध वाचक (D) प्रश्न वाचक

**उत्तर - (A) पुरुष वाचक।**

**निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखिए -**

मैं चेहरे की तरफ देखता हूं। क्या तुम्हें मालूम है, मेरे साहित्यिक पुरखे कि तुम्हारा जूता फट गया है और अंगुली वाहर दिख रही है? क्या तुम्हें इसका जरा भी अहसास नहीं है? जरा लज्जा, संकोच या झेंप नहीं है? क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि धोती को थोड़ा नीचे खींच लेने से अंगुली ढंक सकती है? मगर फिर भी तुम्हारे चेहरे पर वड़ी वेपरवाही, वड़ा विश्वास है?

**13. इस गद्यांश में लेखक ने साहित्यिक पुरखे किसे कहा है?**
(A) पूर्वजों को (B) प्रेमचन्द को
(C) जायसी को (D) तुलसी को

**उत्तर - (B) प्रेमचन्द को।**

**14. लेखक किस लज्जा की बात करता है?**
(A) जूता फटने से अंगुली बाहर दिखना
(B) चरित्र - गरिमा नष्ट हो जाना
(C) शर्म और हया छोड़ देना
(D) अपनों को भूल जाना

**उत्तर - (A) जूता फटने से अंगुली बाहर दिखना।**

**15. 'वेपरवाही' शब्द का विच्छेद कीजिए?**
(A) वेपर + वाही
(B) वेप + रवाही
(C) वे + परवाह + ई
(D) वे + परवाही

**उत्तर - (D) वे + परवाही।**

**16. अंगुली ढंक सकती थी यदि?**
(A) धोती फाड़ दें
(B) धोती थोड़ी सी नीचे खींच लें
(C) धोती को ऊपर कर लें
(D) धोती को थोड़ा काट अंगुली पर वांध लें

**उत्तर - (B) धोती थोड़ी सी नीचे खींच लें।**

**17. लेखक के पुरखों का क्या फटा हुआ था?**
(A) जूता (B) पांव
(C) धोती (D) मोजे

**उत्तर - (A) जूता।**

**18. "कहै कवि बेनी, बेनी व्याल की चुराय लीनी" उपर्युक्त पंक्ति में कौन सा अलंकार है?**
(A) श्लेष (B) यमक
(C) अनुप्रास (D) उपमा

**उत्तर - (B) यमक अलंकार।**

**19. गा रही हूं यामिनी मधुर कोकिला-सी। पंक्ति में अलंकार है?**
(A) यमक (B) रूपक
(C) उपमा (D) अनुप्रास

**उत्तर - (C) उपमा अलंकार।**

**20. वन शारदी चंद्रिका - चादर ओढ़े। पंक्ति में कौनसा अलंकार है?**
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) अन्योक्ति

**उत्तर - (C) रूपक अलंकार।**

**21. दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से उतर रही, संध्या - सुन्दरी परी सी धीरे-धीरे उपयुक्त पंक्ति में कौनसा अलंकार है?**
(A) उत्प्रेक्षा (B) मानवीकरण
(C) उपमा (D) रूपक

**उत्तर - (B) मानवीकरण अलंकार।**

**22. विशेषण और क्रिया विशेषण में क्या अन्तर है?**
(A) विशेषण संज्ञा की विशेषता बताता है और क्रिया विशेषण क्रिया की विशेषता।
(B) दोनों किसी न किसी की विशेषता बताते हैं।
(C) दोनों में कोई विशेष अन्तर नहीं है।
(D) एक विशेषण होता है दूसरा विशेषण होता है।

**उत्तर - (A) विशेषण संज्ञा की विशेषता बताता है और क्रिया विशेषण क्रिया की विशेषता।**

**23. क्रिया विशेषण कौनसा शब्द है?**
(A) विकारी शब्द
(B) अविकारी शब्द
(C) मूल शब्द
(D) वोधक शब्द

**उत्तर - (B) अविकारी शब्द।**

**24. मैं बहुत थक गयी हूं (रेखांकित क्रिया विशेषण है)?**
(A) परिमाण वाचक
(B) संख्या वाचक
(C) रीति वाचक
(D) गुण वाचक

**उत्तर - (A) परिमाण वाचक।**

**25. सरिता धीरे-धीरे वोलती है (रेखांकित क्रिया विशेषण का भेद है)?**
(A) रीति वाचक
(B) स्थान वाचक
(C) काल वाचक
(D) परिमाण वाचक

**उत्तर - (A) रीति वाचक।**

**26. मुझे दो केले चाहिए (रेखांकित विशेषण भेद है)?**
(A) गुण वाचक विशेषण
(B) संख्या वाचक विशेषण
(C) परिमाण वाचक विशेषण
(D) सार्वनामिक वाचक विशेषण

**उत्तर - (B) संख्या वाचक विशेषण।**

**27. जिन वाक्यों में एक ही क्रिया होती है उन्हें कहते हैं?**
(A) संयुक्त वाक्य
(B) संज्ञा उप वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) मिश्र वाक्य

**उत्तर - (C) सरल वाक्य।**

**28. बस ड्राइवर ने बस बहुत तेज चलाई, वाक्य है?**
(A) मिश्र वाक्य (B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) काल वाचक उपवाक्य

**उत्तर - (B) सरल वाक्य।**

**29. संयुक्त वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?**
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

**उत्तर - (C) 4**

**व्याख्या** - 1, संयोजक 2, विभाजक 3, विकल्प दर्शक 4, परिणाम वोधक

**30. बिस्मिल्लाह खां वही शहनाई वादक हैं जिन्हें भारत रत्न से अलंकृत किया गया। कौनसा वाक्य है?**
(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) संज्ञा उपवाक्य

**उत्तर - (A) मिश्र वाक्य।**

**31. ज्यों ही पड़ने बैठा बिजली चली गई। किस प्रकार का वाक्य है?**
(A) विशेषण उपवाक्य
(B) संज्ञा उपवाक्य
(C) काल वाचक उपवाक्य
(D) क्रिया विशेषण उपवाक्य

**उत्तर - (D) क्रिया विशेषण उपवाक्य।**

**32. जैसे-जैसे रात बीतेगी कवि सम्मेलन रंग लाता जाएगा। वाक्य का प्रकार बताइए?**
(A) स्थान वाचक उपवाक्य
(B) परिणाम वाचक उपवाक्य
(C) काल वाचक उपवाक्य
(D) रीति वाचक उपवाक्य

**उत्तर - (D) रीति वाचक उपवाक्य।**

**33. संयुक्त वाक्य का उदाहरण है?**
(A) गरिमा नाच रही है और पूर्वा गा रही है।
(B) सरस्वती ने नहाकर पूजा की।
(C) थोड़े वच्चे होते हैं अच्छे।
(D) उसे पानी पिलाओ जो खिलौने वाला है।

**उत्तर - (A) गरिमा नाच रही है और पूर्वा गा रही है।**

**34. यह उपन्यास प्रेमचंद द्वारा लिखा गया है। किस प्रकार का वाच्य है?**
(A) कर्तृ वाच्य (B) कर्म वाच्य
(C) भाव वाच्य
(D) इनमे से कोई नहीं

**उत्तर - (B) कर्म वाच्य।**

**35. वह शर इधर गांडीव से, भिन्न जैसे ही। हुआ धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ। पंक्ति में कौनसा अलंकार है?**
(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) अन्योक्ति अलंकार
(D) पुनरूक्ति प्रकाश अलंकार

**उत्तर - (B) अतिशयोक्ति अलंकार।**

**36. अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है?**
(A) हमारे हरि हारिल की लकड़ी
(B) छुअत टूट रघुपति न दोसू
(C) वहीं चंचल वासना सी विछलती नदियां
(D) सिर पर जिसके असिघात रक्त-चन्दन है।

**उत्तर - (A) हमारे हरि हारिल की लकड़ी।**

**37. उपमा अलंकार का उदाहरण है?**
(A) दुःख दूना सुरंग सुधियां सुहावनी
(B) आलिंगन में आते-आते
(C) थकी सोई है मेरी मौन व्यथा
(D) आवाज से राख जैसा गिरता हुआ।

**उत्तर - (D) आवाज से राख जैसा गिरता हुआ।**

**38. जोग ठगौरी ब्रज न विकै है। पंक्ति में अलंकार है?**
(A) रूपक अलंकार
(B) उत्प्रेक्षा अलंकार
(C) यमक अलंकार
(D) अन्योक्ति अलंकार

**उत्तर - (A) रूपक अलंकार।**

**39. सुमुखि कहहु को आहि तुम्हारे पंक्ति में कौनसा अलंकार है?**
(A) अतिशयोक्ति अलंकार
(B) प्रश्न अलंकार
(C) अन्योक्ति अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार

**उत्तर - (B) प्रश्न अलंकार।**

**40. पुनरूक्ति प्रकाश अलंकार का उदाहरण है?**
(A) चित्र कल्पतरू काम धेनु गृह
(B) बार-बार पुकार उठा
(C) सोभा - सिंधु न अंत रही री
(D) जैसे कोई इक दीन दुखित अति

**उत्तर - (B) बार-बार पुकार उठा।**

**41. जिन निबंधों में अहिंसा, आतंकवाद, संस्कार, विश्वबधुत्व आदि विषयों का वर्णन किया जाता है उसे कहते हैं?**
(A) विचार प्रधान निवंध
(B) वर्णन प्रधान निवंध
(C) विवरण प्रधान निवंध
(D) भाव प्रधान निवंध

**उत्तर - (D) भाव प्रधान निवंध।**

**42. निवंध के पहले अनुच्छेद में लिखी जाती है?**
(A) विषय वस्तु (B) विषय विस्तार
(C) भूमिका (D) उपसंहार

**उत्तर - (C) भूमिका।**

**43. जिन व्यक्तियों के साथ व्यक्तिगत और आत्मीय संबंध होते हैं, उन्हें लिखे जाने वाले पत्र क्या कहलाते हैं?**
(A) औपचारिक पत्र
(B) व्यावसायिक पत्र
(C) अनौपचारिक पत्र
(D) संपादक को पत्र

**उत्तर - (C) अनौपचारिक पत्र।**

**44. बैंक की चैकबुक खो जाने के सूचनार्थ बैंक प्रबंधक को लिखा गया पत्र किस श्रेणी में आता है?**
(A) औपचारिक पत्र
(B) अनौपचारिक पत्र
(C) सरकारी पत्र
(D) इनमें से कोई नहीं

**उत्तर - (A) औपचारिक पत्र।**

**45. मौखित अभिव्यक्ति की भाषागत विशेषताओं में शामिल नहीं है?**
(A) शुद्ध उच्चारण
(B) मानक भाषा का प्रयोग
(C) प्रमाण पूर्व कथन शैली
(D) तार्किकता

**उत्तर - (D) तार्किकता।**

**व्याख्या** - तार्किकता विषयगत विशेषता है भाषागत नहीं

**46. प्रभावपूर्ण कथन शैली नहीं होती है?**
(A) स्वराघात (B) अनुतान
(C) संतुलित यति और गति
(D) मर्म स्पर्शी भाषा

**उत्तर - (D) मर्म स्पर्शी भाषा।**

**47. कायर व्यक्ति मृत्यु से पूर्व क्या अनुभव करता है?**
(A) शान से जीता है
(B) अनेक वार मृत्यु का अनुभव करता है
(C) कभी नहीं मरता
(D) एक वार मरता है

**उत्तर - (B) अनेक बार मृत्यु का अनुभव करता है।**

**48. सफलता का मार्ग कौन प्रशस्त करता है?**
(A) परिश्रम (B) लगन
(C) दृढ़ इच्छा शक्ति
(D) उपर्युक्त सभी बातें

**उत्तर - (D) उपर्युक्त सभी बातें।**

**49. आदमी के सामने समस्याएं न हों तो व्यक्ति?**
(A) निष्क्रिय हो जाता है
(B) सक्रिय हो जाता है
(C) कायर बन जाता है
(D) साहसी बन जाता है

**उत्तर - (A) निष्क्रिय हो जाता है।**

**50. संप्रेषण कला क्या है?**
(A) स्पष्टता
(B) आत्मविश्वास
(C) प्रभावशाली भाषा
(D) विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना

**उत्तर - (D) विचारों और भावनाओं को व्यक्त करना।**

**डॉ. राममनोहर उपाध्याय**
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

# दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विदेशी भाषा सीखने के बढ़ते अवसर

आज-कल अकादमिक क्षेत्रों में विदेशी भाषाओं का महत्व बढ़ रहा है। कई विश्व-विद्यालयों ने अल्पकालिक और दीर्घकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, जो छात्रों की इन आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। आधुनिक समय में दुनिया के शिक्षा के परिदृश्य में पूरी तरह से बदलाव आया है। शिक्षा की नई मांग भी सामने आ रही है। इसके साथ-साथ, व्यापार के वैश्वीकरण ने भी विशेष रूप से विदेशी भाषा विशेषज्ञों की मांग को जन्म दिया है। दुनियाभर में छात्रों और पेशेवरों की गतिशीलता में भी काफी वृद्धि हुई है। विदेशी भाषाओं में विशेषज्ञता विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए उनके लिए अवसरों के बढ़ाने वाली हो सकती है। इन लोगों को विदेशों में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए बुनियादी संचार कौशल हासिल करने की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि आज विदेशी भाषा के पाठ्यक्रमों की काफी मांग है।

### दूरस्थ शिक्षा और विदेशी भाषाएं

आज दूरस्थ शिक्षा संस्थान संचार प्रौद्योगिकियों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से विदेशी भाषाओं को पढ़ाने में विशेष रूप से सक्षम हैं। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि जो लोग विदेशी भाषा सीखना चाहते हैं वे ज्यादातर कामकाजी लोग हैं। वे नियमित कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नहीं पढ़ सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा संस्थान उन्हें श्रव्य/दृश्य/टीवी/रेडियो/इंटरनेट/ऑनलाइन व्याख्यान/ई-शिक्षण सामग्री आदि के माध्यम से प्रभावी ढंग से पढ़ा सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा संस्थान, जिन्होंने विदेशी भाषाओं पर लोकप्रिय शैक्षणिक कार्यक्रम विकसित किए हैं, उनमें इग्नू सबसे महत्वपूर्ण है। इसका मुख्य कारण यह है कि इस संस्थान में प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा (Technology Based Education) के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। विश्वविद्यालय में 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेंटर' है जिसमें लाइव ट्रांसमिशन (Live Transmission), Audio/Video Production आदि की सुविधा है। यही कारण है कि इग्नू ने भारत में विदेशी भाषाओं को पढ़ाने के लिए असाधारण क्षमता हासिल की है। विश्वविद्यालय ने 'विदेशी भाषा स्कूल' (School of Foreign Languages) स्थापित किया है, जहां विभिन्न भाषाओं के लिए संकाय (Faculty) उपलब्ध हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने विशेषज्ञता साझा करने के लिए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग किया है। 'विदेशी भाषा स्कूल' इग्नू के 21 स्कूलों में से एक है, जिसे 2007 में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य है :

- नवीन, सुविधाजनक और किफ़ायती साधनों के माध्यम से विदेशी भाषाओं पर अकादमिक कार्यक्रम शुरू करना, समाज के सभी वर्गों के शिक्षार्थियों के लिए कार्यक्रम विकसित करना है।
- विशिष्ट विदेशी भाषा विशेषज्ञों का पूल बनाने के लिए शिक्षार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर कार्यक्रम शुरू करना और इस प्रकार सीमाओं के बाहर और विदेशों में भी संचार को बढ़ावा देना।

इग्नू द्वारा विदेशी भाषाओं पर शुरू किए गए मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

### विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण में डिप्लोमा

**(Teaching of German as a Foreign Language)**

एक विदेशी भाषा के रूप में 'जर्मन शिक्षण में डिप्लोमा' दूरस्थ माध्यम से अपनी तरह का पहला डिप्लोमा है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है जो विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे लोगों को जर्मन पढ़ाना चाहते हैं, जिनकी मूल भाषा जर्मन नहीं है। डिस्टेंस मोड के माध्यम से विभिन्न 'शैक्षणिक सहायता सेवाओं' के अलावा, इस कार्यक्रम में कक्षा शिक्षण का एक घटक भी शामिल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवर जर्मन भाषा शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करना है। यह कार्यक्रम गोएथे संस्थान/मैक्स म्यूएलर भवन, विएना विश्वविद्यालय और इग्नू के सहयोग से विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य भाषा सीखने की क्षमता को बढ़ाकर शिक्षकों को पेशेवर रूप से प्रशिक्षित करना है। यह भी माना जा रहा है कि यह कार्यक्रम अन्य यूरोपीय भाषाओं में शिक्षक-प्रशिक्षण के लिए एक मॉडल बन जाएगा। यह कार्यक्रम भारतीय माध्यमिक विद्यालयों में जर्मन भाषा शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करेगा। इस कार्यक्रम के लिए मूल पात्रता है किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री या बी-1 स्तर के जर्मन भाषा का ज्ञान। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए भी बेहद उपयोगी हो सकता है, जो भारतीय शिक्षण संस्थानों में जर्मन पढ़ाना चाहते हैं। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम जर्मन है तथा कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 1 वर्ष है और इसे अधिकतम 3 वर्षों की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रवेश केवल जनवरी सत्र में किया जाता है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क पूरे कार्यक्रम के लिए रुपये 6,300/- है।

### जर्मन भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in German Language)**

यह कार्यक्रम गोएथे संस्थान, मैक्स म्यूएलर भवन, नई दिल्ली जो कि जर्मनी के संघीय गणराज्य का एक सांस्कृतिक संस्थान है, के अकादमिक सहयोग से विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जर्मन भाषा की मूल बातें पढ़ाना है। यह आगे धीरे-धीरे जर्मनी की बेहतर सांस्कृतिक समझ विकसित करता है। छात्रों को विभिन्न माध्यमों से शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाती है जैसे नामित केंद्रों पर F2F (Face to Face) शैक्षणिक सहायता, A/V support आदि। इस कार्यक्रम में 14 क्रेडिट शामिल हैं, प्रत्येक क्रेडिट कुल अध्ययन समय के 30 घंटे के बराबर है। इस कार्यक्रम के लिए मूल पात्रता 10 +2 या इसके समकक्ष है। शिक्षा का माध्यम जर्मन और अंग्रेजी है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रुपये 2500/- है। न्यूनतम अवधि 6 महीने है, जबकि छात्र इसे 2 साल के भीतर अपनी सुविधा के अनुसार पूरा कर सकते हैं। छात्र साल में दो बार यानी जनवरी और जुलाई से शुरू होने वाले प्रवेश सत्रों में प्रवेश ले सकते हैं।

### अरबी भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Arabic Language)**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अरबी भाषा के आवश्यक मूल सिद्धांतों से परिचित कराना है और धीरे-धीरे व्यवस्थित रूप से उनमें कुछ हद तक सटीकता और आत्मविश्वास के साथ भाषा बोलने, लिखने और पढ़ने की क्षमता पैदा करना है। कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम द्विभाषी है। सहायता सेवाओं में स्वयं सीखने की सामग्री भी शामिल है, जो काफी सरल, नवीन और सीखने के अनुकूल है। कार्यक्रम 16 क्रेडिट का है। यहां, यह ध्यान देने योग्य है कि, इग्नू की प्रणाली के अनुसार, प्रत्येक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के समय के बराबर है।

कोई भी छात्र जिन्होंने 10+2 स्तर की योग्यता उत्तीर्ण की है और जिनकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी/अरबी है। जहां तक अवधि का संबंध है, कार्यक्रम 6 महीने की अवधि का है, हालांकि इसे अधिकतम दो वर्षों की अवधि के अंदर पूरा किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में साल में दो बार यानी जनवरी और जुलाई में प्रवेश लिया जाता है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 1,800/- रुपये है।

### फ्रेंच भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in French Language)**

'फ्रेंच भाषा में प्रमाण पत्र' कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को फ्रेंच भाषा का परिचय देना और धीरे-धीरे पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने के कौशल का निर्माण करना है, साथ ही साथ अंतर सांस्कृतिक क्षमता विकसित करना है। इस कार्यक्रम की पाठ्यपुस्तक दुनियाभर में यूरोपीय भाषाओं के अध्यापन के अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले 'भाषा के संदर्भ के सामान्य यूरोपीय ढांचे' (Common European Framework of Reference for Languages) पर आधारित है। पुस्तक को इग्नू द्वारा विकसित की गई अतिरिक्त स्व-अध्ययन सामग्री के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिसमें अध्ययन मार्गदर्शिका के साथ उपयोगकर्ता नियमावली, व्याकरण पर अभ्यास और भाषा कौशल और उच्चारण विकसित करने के लिए सीडी शामिल हैं। कार्यक्रम की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों के लिए इसे सुलभ बनाने के लिए सामग्री अंग्रेजी-फ्रेंच और हिंदी-फ्रेंच दोनों में तैयार की गई है। इससे उन्हें अपनी भाषाई पृष्ठभूमि के अनुसार दोनों मीडिया में से किसी एक को चुनने का विकल्प मिलता है। कार्यक्रम 12 क्रेडिट का है, जिसमें प्रत्येक क्रेडिट 30 घंटे के अध्ययन के समय के बराबर है। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2, न्यूनतम आयु 18 वर्ष और शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी और हिंदी दोनों है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 6 महीने है, जबकि इसे अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 6,600/- रुपये है।

### रूसी भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Russian Language)**

रूसी भाषा में प्रमाण पत्र 16 क्रेडिट का छह महीने का कार्यक्रम है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को रूसी व्याकरण और ध्वन्यात्मकता की मूल बातों से परिचित कराना है, ताकि वे सटीक तरीके से रूसी पढ़, लिख, सुन और बोल सकें। इग्नू द्वारा 'सेल्फ लर्निंग मैटेरियल' और ऑडियो विजुअल सामग्री को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, ताकि शिक्षार्थी बेहतर तरीके से रूसी पढ़ना, लिखना, सुनना और बोलना समझ सकें। मौखिक संचार का अभ्यास करने के लिए कुछ रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इस तरह, यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों को अपने दैनिक संचार में विश्वास के साथ रूसी बोलने और लिखने में सक्षम बनाएगा।

कार्यक्रम द्विभाषी (रूसी/अंग्रेजी) माध्यम में है और इसमें ऑडियो विजुअल घटकों के साथ एकीकृत स्व-शिक्षण सामग्री है, जो शिक्षार्थियों की सीखने की क्षमता को और बढ़ाएगी। इस कार्यक्रम के इच्छुक छात्रों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है। हालांकि, कोई औपचारिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। छात्रों को कक्षा 10 के स्तर पर भाषा प्रवीणता होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम रूसी और अंग्रेजी है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 6 महीने है, जबकि इसे अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में लिया जाता है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रुपये 2,500/- है।

### जापानी भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Japanese Language)**

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को जापानी व्याकरण और ध्वन्यात्मकता की मूल बातों से परिचित कराना है, ताकि वे जापानी को सटीक तरीके से पढ़, लिख, सुन और बोल सकें। कार्यक्रम द्विभाषी (जापानी/अंग्रेजी) है। छात्रों को ऑडियो विजुअल घटकों के साथ एकीकृत स्व-शिक्षण सामग्री प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम के लिए मूल योग्यता अंग्रेजी के ज्ञान के साथ 10+2 या समकक्ष है। प्रवेश लेने के समय इच्छुक छात्रों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम जापानी और अंग्रेजी है। कार्यक्रम को न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। यह प्रवेश के जुलाई माह में ही उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रुपये 5,500/- है।

### कोरियाई भाषा और संस्कृति में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Korean Language & Culture)**

कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को कोरियाई व्याकरण और ध्वन्यात्मकता की मूल बातों से परिचित कराना है, ताकि वे पढ़, लिख सकें, सुन सकें और सटीक तरीके से कोरियाई बोल सकें। कार्यक्रम द्विभाषी यानी कोरियाई/अंग्रेजी माध्यम में है। कोरियाई भाषा और संस्कृति की उचित समझ हासिल करने के लिए छात्रों को स्व-अध्ययन सामग्री और ऑडियो-विजुअल सामग्री प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों से उम्मीद की जाती है कि उन्होंने इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए 10+2 या समकक्ष योग्यता पूरी कर ली हो। हालांकि ऐसे छात्रों को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिए। छात्रों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम कोरियाई और अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम के लिए न्यूनतम अवधि छह महीने है, हालांकि छात्र इसे अधिकतम 2 साल की अवधि के भीतर पूरा कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रवेश जनवरी और जुलाई सत्र में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रुपये 2500/- है

### स्पेनिश भाषा और संस्कृति में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Spanish Language & Culture)**

कार्यक्रम उन भावी शिक्षार्थियों के लिए है जो स्पेनिश भाषा सीखने में रुचि रखते हैं और जो स्पेनिश भाषी देशों की संस्कृति की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का सामान्य उद्देश्य यह है कि शिक्षार्थी में भाषा कौशल (उच्चारण, व्याकरण, शब्दावली और बुनियादी संचार क्षमता, दोनों मौखिक और लिखित संचार में) और साथ ही सामाजिक-सांस्कृतिक क्षमता, जो उन्हें स्पेनिश भाषी के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम बनाए। इस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम 'भाषाओं के संदर्भ के सामान्य यूरोपीय ढांचे' (Common European Framework of Reference for Languages) पर आधारित है। यह आशा है कि जो लोग इस कार्यक्रम को पूरा करेंगे वे संचार क्षमता के A-1 स्तर को प्राप्त करेंगे। छात्रों से इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में दो पाठ्यक्रमों को पूरा करने की उम्मीद की जाती है। पहले पाठ्यक्रम में, छात्र शुरुआती स्तर पर अपनी भाषाई और सामाजिक-सांस्कृतिक दक्षताओं का विकास करेंगे, हालांकि दूसरे कोर्स में वे संचार कौशल विकसित करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए मूल पात्रता 10+2 है। हालांकि छात्रों को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिए। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम स्पेनिश और अंग्रेजी है। कार्यक्रम 6 महीने की अवधि का है, लेकिन इसे छात्र अपनी सुविधा के अनुसार अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा कर सकते हैं। कार्यक्रम प्रवेश के जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रुपये 4,500/- है।

### फारसी भाषा में प्रमाण पत्र

**(Certificate in Persian Language)**

यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है जो फारसी भाषा सीखने में रुचि रखते हैं और फारसी संस्कृति को भी समझना चाहते हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संचार कौशल यानी व्याकरण, उच्चारण, शब्दावली आदि में सक्षम बनाना है। जो लोग इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं वे फारसी/ईरानी भाषी लोगों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम होंगे। प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों के पास प्रवेश लेते समय न्यूनतम 10+2 स्तर की योग्यता होनी चाहिए। कार्यक्रम को न्यूनतम 6 महीने की अवधि और अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। शिक्षा का माध्यम फारसी और अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 1600/- रुपये है।

### विदेशी भाषाओं पर इग्नू के कार्यक्रमों में क्या है खास?

छह महीने की अवधि के उपर्युक्त विदेशी भाषा कार्यक्रम मुख्य रूप से उन छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिन्हें संबंधित विदेशी भाषा का कोई पूर्व ज्ञान नहीं है। इन कार्यक्रमों को इस तरह से अभिनव रूप से डिजाइन किया गया है कि छात्र घर बैठे ही विदेशी भाषाओं के मूल सिद्धांतों को सीख सकें। छात्रों को अधिकतम संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रभावी रूप से उपयोग किया जाता है। जहां तक प्रौद्योगिकी समर्थित शिक्षण सामग्री के विकास का संबंध है, इग्नू में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। इसके अलावा अध्ययन सामग्री, ऑडियो/वीडियो सामग्री आदि को विभिन्न संगठनों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के सहयोग से डिजाइन किया गया है। इस तरह के अनूठे तरीके शैक्षिक सामग्री के डिजाइन और उत्पादन में गुणवत्ता लाते हैं। यही कारण है कि इग्नू डिस्टेंस मोड के माध्यम से विदेशी भाषाओं को प्रभावी ढंग से पढ़ाने में सक्षम रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि IGNOU को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा शिक्षण के गुणात्मक तरीकों के लिए उच्चतम A++ ग्रेड से सम्मानित किया गया है। उपरोक्त कार्यक्रम के लिए इच्छुक छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री, ऑडियो/वीडियो सामग्री, पुराने प्रश्न पत्र और अन्य नियम और विनियम इग्नू की वेबसाइट पर देखें। इग्नू के ई-ज्ञान कोष में इन कार्यक्रमों के बारे में सभी आवश्यक विवरण हैं। हम आपको सलाह देते हैं कि आप सामग्री देखें, और फिर आगे की जानकारी लेने के लिए हमारे किसी भी क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क करें। इग्नू के प्रोस्पेक्टस में इग्नू के कार्यक्रमों के बारे में सभी आवश्यक विवरण होते हैं, जो इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर निःशुल्क उपलब्ध है।

**- डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय**
(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक, हैं।)

संविधान दिवस – 26 नवंबर

# स्वतंत्र भारत का आधुनिक ग्रंथ है संविधान

भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर वर्ष 26 नवंबर को 'कॉन्स्टीट्यूशन डे' के रूप में मनाया जाता है, जिसे हम संविधान दिवस भी कहते हैं। भारत का संविधान एक विलक्षण दस्तावेज है, जिसे हमारे संविधान निर्माताओं ने बखूबी से संतुलित और जीवंत बनाया है कि यह आज भी हमारे लिये प्रासांगिक है। लगभग 71 वर्ष बाद भी आज हमारा संविधान अपने मूल्यों और आदर्शों पर पूरी तरह से खरा उतरा है। भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है। हमारे संविधान में कई देशों के संविधान की खूबियां शामिल की गई हैं। यह हमारे देश की लोकतांत्रिक संरचना का सर्वोच्च कानून है, जो लगातार हम सभी का मार्गदर्शन करता रहता है। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा ने विभिन्न विचारधाराओं के संतुलन और समन्वय का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया था और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा की प्रारूप समिति ने कुल 141 बैठकों को अंजाम देते हुये ईमानदारी, साहस और परिश्रम से हमारे संविधान को मूर्त रूप प्रदान किया था। भारत का संविधान दुनिया का सबसे लंबा और विस्तृत संविधान है। इसके निर्माण में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, रूस आदि देशों के संविधान से प्रेरणा ली गई है। संविधान दिवस के अवसर पर हर साल होने वाले समारोहों के हिस्से के रूप में, संविधान में निहित मूल्यों तथा सिद्धांतों को उजागर करने और दोहराने के उद्देश्य से कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। संविधान दिवस के अवसर पर इस दिन सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना पढ़ी जाती है।

### संविधान सभा

कैबिनेट मिशन की सिफारिशों के अनुसार प्रांतीय असेंबलियों द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से संविधान सभा के सदस्यों का चयन किया गया था। इस सभा में कुल 299 सदस्य थे, जो 229 प्रांतों और 70 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इन सदस्यों में 15 महिलाएं भी शामिल थीं। संविधान सभा के कुल 299 सदस्यों में से 284 ने संविधान की मूल प्रति में अपने हस्ताक्षर किये थे। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई थी और बैठकों का क्रम 24 जनवरी, 1950 तक चलता रहा था। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद थे, 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा द्वारा डॉक्टर बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान का मसौदा तैयार करने के लिये एक मसौदा समिति का गठन किया गया था। लगभग तीन वर्ष (दो साल 11 महीने और 17 दिन) में संविधान सभा के सभी सदस्यों ने मिलकर संविधान का मसौदा तैयार किया था। इस दौरान 1946 से 1950 के बीच सभा के सदस्य 11 सत्रों के दौरान मिले थे। आजाद भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने का ऐतिहासिक कार्य कॉन्स्टीट्यूशनल हॉल में प्रारंभ किया गया था, जिसे अब संसद भवन के सेंट्रल हॉल के नाम से जाना जाता है। भारतीय संविधान 1949 को अंगीकार किया गया और 26 जनवरी, 1950 से यह प्रभावी हुआ। इसी दिन से संविधान सभा का अस्तित्व समाप्त हो गया था। संविधान के मसौदे पर विचार करते हुये कुल 7,635 प्रस्तावित संशोधनों में से 2,473 संशोधनों का चर्चा करके निराकरण किया गया था।

### संविधान सभा की आठ प्रमुख समितियां

संविधान सभा द्वारा संविधान निर्माण के विभिन्न कार्यों को निपटाने के उद्देश्य से कुल 13 समितियों का गठन किया गया था। इनमें से आठ प्रमुख समितियां थीं और बाकी की गौण समितियां थीं।

- मसौदा समिति
- केन्द्रीय शक्ति समिति
- केन्द्रीय संविधान समिति
- प्रांतीय संविधान समिति
- मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय तथा अपवर्जित क्षेत्रों पर समिति
- सलाहकार समिति
- प्रक्रिया नियम समिति
- संचालन समिति

### भारतीय संविधान के इतिहास से जुड़ी अहम तारीखें

- संविधान सभा का गठन (6 दिसंबर, 1946) और संविधान सभा की पहली बैठक (9 दिसंबर, 1946) - संविधान सभा, जो जनसाधारण द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक निकाय है और जो संविधान का मसौदा तैयार करने

या अपनाने के उद्देश्य से इकट्ठे हुए थे, इसकी पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई थी।

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष नियुक्त किया गया (11 दिसंबर, 1946)- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान सेनानी, वकील, विद्वान थे और जो वर्ष 1950 में भारत के पहले राष्ट्रपति बने, संविधान सभा के पहले अध्यक्ष चुने गए।
- 'उद्देश्य प्रस्ताव' को प्रस्तुत करना और अनुमोदन (13 दिसंबर, 1946)- 'उद्देश्य प्रस्ताव' 13 दिसंबर, 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसने संविधान के निर्माण के लिए सटीक दर्शन एवं मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान किए और बाद में 'भारत के संविधान की प्रस्तावना' का रूप ले लिया।
- राष्ट्रीय ध्वज अपनाया गया (22 जुलाई, 1947) - भारत के राष्ट्रीय ध्वज को 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, और यह 15 अगस्त, 1947 को भारत के प्रभुत्व का आधिकारिक ध्वज बन गया। भारतीय ध्वज में ये शामिल हैं- तिरंगा अर्थात, केसरिया, सफेद और हरा रंग; अशोक चक्र, जो 24 तीलियों वाला पहिया है; और जिसके केंद्र में गहरा नीला रंग है।
- स्वतंत्र भारत (15 अगस्त, 1947) - इसी दिन ब्रिटिश साम्राज्य की सत्ता भारत को सौंपी गई, यह अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के व्यापक सहयोग से संभव हो पाया जिनके प्रयासों ने भारत की आजादी को एक वास्तविकता बना दिया।
- मसौदा समिति (29 अगस्त, 1947) - संविधान का मसौदा विभिन्न जातियों, क्षेत्रों, धर्मों, इत्यादि के 299 प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किया गया था। जिनमें महिला एवं पुरुष दोनों ही शामिल थे। मसौदा समिति और उसके सदस्य भारतीय संविधान के निर्माण में इस समिति के विभिन्न चरणों और संविधान सभा के विचार-विमर्श के दौरान काफी प्रभाव रखते थे।
- भारत का संविधान पारित किया गया और अपनाया गया (26 नवंबर, 1949)- इस दिन को संविधान दिवस या राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में जाना जाता है। भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में यह दिवस मनाया जाता है।
- संविधान सभा की अंतिम बैठक (24 जनवरी, 1950) - संविधान सभा की अंतिम बैठक। 'भारत का संविधान' (395 अनुच्छेदों, 8 अनुसूची, 22 भागों के साथ) पर हस्ताक्षर किए गए और सभी ने इसे स्वीकार किया।
- जब संविधान लागू हुआ (26 जनवरी, 1950)- संविधान ने देश के मौलिक शासी दस्तावेज के रूप में भारत सरकार अधिनियम 1935 का स्थान लिया और भारत का प्रभुत्व भारतीय गणराज्य बन गया।
- पहला आम चुनाव (1951-52)- भारत में आम चुनाव 25 अक्टूबर, 1951 से लेकर 21 फरवरी, 1952 तक के बीच हुए। ये अगस्त 1947 में देश की आजादी के बाद लोकसभा के पहले चुनाव थे। ये भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत कराए गए थे, जिसे 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया था।

### संविधान हमारे समाज के लिए एक आदर्श है – राष्ट्रपति

कुछ वर्ष पहले संविधान दिवस के मौके पर भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने अपने संबोधन में कहा था कि हमारा संविधान स्वतंत्र भारत का आधुनिक ग्रंथ है। इसका सर्वोच्च स्थान है, यह धाराओं, नियमों और उपनियमों का संग्रह मात्र नहीं है बल्कि यह हम भारतीयों के लिए प्रेरणादायी और सजीव दस्तावेज है। संविधान हमारे समाज के लिए यह एक आदर्श है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा था कि संविधान में संभवतः सबसे महत्वपूर्ण शब्द है- न्याय। न्याय एक शब्द है, परंतु यह एक जटिल और स्वतंत्रता प्रदान करने वाली अभिव्यक्ति है। न्याय, हमारे संविधान और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया का साधन और साध्य है। न्याय को समाज के विकास, बदलती मान्यताएं, जीवनशैली और प्रौद्योगिकी के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार संविधान दिवस पर अपनी बात रखते हुए कहा था कि यह संविधान देश की एकता, देश की अखंडता और देश की विविधता को बरकरार रखता है। यह भारत के सौंदर्य को अपने आप में समेटे हुए है। यह देश को प्रेरणा देने वाली ताकत है।

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पहला संशोधन 1951 में संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 अधिनियम के लागू होने के बाद हुआ था। इस अधिनियम के प्रभावी होने की तिथि 18-06-1951 थी।
- संविधान में 100वां संशोधन 20-08-2015 से प्रभावी हुआ है। इस अधिनियम का नाम संविधान सौवां संशोधन अधिनियम, 2015 अधिनियम है।
- विगत मानसून सत्र में संसद ने 11 अगस्त को एक सौ सत्ताईसवां संविधान संशोधन विधेयक 2021 पारित किया था। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा था कि फिर से संख्या अंकित करने के बाद यह विधेयक 105वां संविधान संशोधन विधेयक माना जाएगा।
- भारत में केन्द्रीय कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति होता है।
- भारतीय संविधान की मूल प्रति को अपने चित्रों से सजाने वाले चित्रकार नंदलाल बोस थे।

**- रश्मि रंजन**

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

# विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान – खेल

**1. किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीतने का रिकॉर्ड है?**
(अ) सेरेना विलियम्स
(ब) मार्टिना नवरातिलोवा
(स) सिमोना हालेप
(द) एश्ले बार्टी

**2. इस वर्ष किस देश ने यूएफा नेशंस लीग का खिताब जीता है?**
(अ) फ्रांस (ब) पुर्तगाल
(स) नीदरलैंड्स (द) क्रोएशिया

**3. इनमें से किस देश ने अब तक आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप नहीं जीता है?**
(अ) इंग्लैंड (ब) वेस्टइंडीज
(स) श्रीलंका (द) न्यूजीलैंड

**4. कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं?**
(अ) कृष्णा पूनिया (ब) पीटी ऊषा
(स) मैरी कॉम (द) अंजलि भागवत

**5. टोक्यो ओलिंपिक में गोल्फ में महिला वर्ग की चैम्पियन बनी थीं?**
(अ) अदिति अशोक
(ब) नैली कोर्डा
(स) को जिन यंग
(द) इनमें से कोई नहीं

**6. इस वर्ष किस देश ने सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीता है?**
(अ) बांग्लादेश (ब) श्रीलंका
(स) भारत (द) नेपाल

**7. वर्ष 2019 में किस देश ने सुल्तान अजलान शाह कप का खिताब जीता है?**
(अ) द- कोरिया (ब) पाकिस्तान
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) मलेशिया

**8. टोक्यो पैरालिंपिक में हरविंदर सिंह ने किस खेल में कांस्य पदक जीता है?**
(अ) स्क्वॉश (ब) टेबल टेनिस
(स) निशानेबाजी (द) तीरंदाजी

**9. वर्ष 2019 में वर्ल्ड पैरा एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप किस शहर में आयोजित की गई थी?**
(अ) दुबई (ब) लंदन
(स) इंचियोन (द) दोहा

**10. इनमें से किस खिलाड़ी ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं?**
(अ) एलेक स्टीवर्ट
(ब) जेम्स एंडरसन
(स) एलिस्टेयर कुक
(द) एंड्रयू फ्लिंटॉफ

**11. अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति का मुख्यालय किस देश में स्थित है?**
(अ) अमेरिका (ब) ग्रीस
(स) स्विट्जरलैंड (द) चेक रिपब्लिक

**12. मैग्नस कार्लसन किस देश के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी हैं?**
(अ) रूस (ब) नॉर्वे
(स) क्रोएशिया (द) पोलैंड

**13. फीफा वर्ल्डकप पहली बार किस वर्ष आयोजित किया गया था?**
(अ) वर्ष 1930
(ब) वर्ष 1934
(स) वर्ष 1948
(द) इनमें से कोई नहीं

**14. राफेल नडाल ने कितनी बार इटैलियन ओपन का खिताब जीता है?**
(अ) पांच बार (ब) सात बार
(स) आठ बार (द) दस बार

**15. माइकल जॉर्डन किस खेल के महान खिलाड़ी रहे हैं?**
(अ) फुटबॉल (ब) बास्केटबॉल
(स) एथेलेटिक्स (द) तैराकी

**16. ब्रायन लारा ने टेस्ट क्रिकेट में किस देश के खिलाफ 400 रन की नाबाद पारी खेली थी?**
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) पाकिस्तान
(स) इंग्लैंड (द) द. अफ्रीका

**17. मेरिलबोन क्रिकेट क्लब का मुख्यालय किस शहर में है?**
(अ) मेलबर्न (ब) लंदन
(स) जोहानिसबर्ग (द) दुबई

**18. इनमें से किस महिला खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन-2021 में दो खिताब जीते हैं?**
(अ) वारवरा क्रेजिकोवा
(ब) एंजेलिक कर्बर
(स) कैरोलिना प्लिस्कोवा
(द) कोको गॉफ

**19. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार जीतने वाले पहले फुटबॉलर हैं?**
(अ) बाईचुंग भूटिया
(ब) सुनील छेत्री
(स) संजू प्रधान
(द) सुभाशीष बोस

**20. लक्ष्य सेन किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
(अ) मुक्केबाजी (ब) जिम्नास्टिक
(स) एथेलेटिक्स (द) बैडमिंटन

**21. इनमें से किस देश का राष्ट्रीय खेल वॉलीबॉल है?**
(अ) नेपाल (ब) भूटान
(स) श्रीलंका (द) कनाडा

**22. भारतीय महिला खिलाड़ी मैरी कॉम किस खेल से संबंधित हैं?**
(अ) कुश्ती (ब) मुक्केबाजी
(स) एथेलेटिक्स (द) तीरंदाजी

**23. टोक्यो ओलिंपिक में टेनिस में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी थीं?**
(अ) एलिना स्वितोलिना
(ब) नाओमी ओसाका
(स) वेलिंडा बेनकिक
(द) एश्ले बार्टी

**24. नेत्रा कुमानन किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?**
(अ) नौकायन (ब) तलवारबाजी
(स) स्क्वॉश (द) जिम्नास्टिक

**25. टोक्यो ओलिंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता हैं?**
(अ) सौरभ चौधरी
(ब) जावेद फरौधी
(स) दामिर मिकेक
(द) पैंग वेई

### उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (अ), 8. (द), 9. (अ), 10. (ब), 11. (स), 12. (ब), 13. (अ), 14. (द), 15. (ब), 16. (स), 17. (ब), 18. (अ), 19. (ब), 20. (द), 21. (अ), 22. (ब), 23. (स), 24. (अ), 25. (ब)।

**- पुष्पेंद्र कुमार सविता**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

## जयवर्धने, पोलाक और ब्रिटिन हॉल ऑफ फेम में शामिल

**दुबई,** आईसीसी ने अपनी हॉल ऑफ फेम सूची में नये नामों को शामिल किया है। आईसीसी ने कहा कि श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान शॉन पोलाक और इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर जेनेट ब्रिटिन को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इन तीनों खिलाड़ियों को आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के फाइनल से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड ने आधिकारिक रूप से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। आईसीसी हॉल ऑफ फेम की सूची में खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 106 हो गई है। आईसीसी वर्ष 2009 में हॉल ऑफ फेम की शुरुआत की थी। जयवर्धने, पोलाक और ब्रिटिन ने अपने-अपने देश के लिये बेहतरीन क्रिकेट खेला है।

## टॉमी पॉल ने जीता अपना पहला एटीपी खिताब

**स्टॉकहोम,** अमेरिका के युवा टेनिस खिलाड़ी टॉमी पॉल ने स्वीडन में आयोजित स्टॉकहोम ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में पॉल ने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को कड़े मुकाबले में 6-4, 2-6, 6-4 से हराया। यह पॉल के टेनिस कॅरियर का पहला एटीपी टूर खिताब है। टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग का खिताब मैक्सिको के सेंटियागो गोंजालेज और अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्टेनी की जोड़ी ने जीता।

मोहम्मद रिजवान

## कैलेंडर वर्ष में एक हजार रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

**दुबई,** पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रिजवान एक कैलेंडर वर्ष में ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार से अधिक रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गये हैं। रिजवान ने यह उपलब्धि आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हासिल की। रिजवान ने वर्ष 2021 में 23 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं, इनमें उन्होंने 86.08 की शानदार औसत से 1033 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक भी लगाये हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भी इस वर्ष 23 ट्वेंटी-20 मैचों में 826 रन बना लिये हैं।

## पहले टेस्ट मैच में रहाणे टीम इंडिया के कप्तान

**मुंबई,** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिये भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 16 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान अजिंक्य रहाणे को सौंपी गई है, वहीं चेतेश्वर पुजारा टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे सिर्फ पहले टेस्ट मैच के लिये कप्तान बनाये गये हैं। टीम के नियमित कप्तान विराट कोहली को पहले टेस्ट मैच में आराम दिया गया है। विराट दूसरे टेस्ट मैच से टीम से जुड़ेंगे। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा पूरी सीरीज में उपलब्ध नहीं होंगे। रोहित के अलावा विकेट कीपर ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को भी सीरीज में आराम दिया गया है। टेस्ट टीम में श्रेयस अय्यर, जयंत यादव, के.एस. भरत और प्रसिद्ध कृष्णा को जगह मिली है।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप

# न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया पहली बार बना ट्वेंटी-20 चैंपियन

**दुबई,** क्रिकेट के सबसे छोटे और लोकप्रिय फॉर्मेट ट्वेंटी-20 में ऑस्ट्रेलिया नया विश्व चैंपियन बन गया है। दुबई में खेले गये आईसीसी ट्वेंटी-20 क्रिकेट विश्वकप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया।

मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। सेमीफाइनल में जीत के हीरो रहे डेरिल मिशेल (11) को जोस हेजलवुड ने 28 रन के स्कोर पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद केन विलियम्सन और मार्टिन गुप्टिल ने पारी को संभाला। गुप्टिल ने बेहद साधारण प्रदर्शन किया और 35 गेंदों में 28 बनाये। इससे न्यूजीलैंड पर दबाव बढ़ गया। हालांकि दूसरे छोर से कप्तान विलियम्सन ने तावड़तोड़ बल्लेबाजी की और 48 गेंदों में 85 रनों की पारी खेली। विलियम्सन ने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और 3 छक्के लगाये। विलियम्सन के अलावा अन्य कोई भी बल्लेबाजी बड़ी पारी खेलने में कामयाब नहीं हुआ। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 172 रन बनाये।

जीत के लिये मिले 173 रनों के लक्ष्य के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पूरे टूर्नामेंट में खराब फॉर्म से जूझ रहे एरॉन फिंच 5 रन बनाकर ट्रेंट बोल्ट का शिकार बने। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मिशेल मार्श ने पहली गेंद पर छक्का लगाकर अपने तेवर दिखा दिये। डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श ने दूसरे विकेट के लिये 59 गेंदों में 92 रनों की साझेदारी कर मैच का रुख ऑस्ट्रेलिया की तरफ मोड़ दिया। वॉर्नर ने 38 गेंदों में 53 रन बनाये, जबकि मार्श 50 गेंदों में 77 रन तथा ग्लेन मैक्सवेल 18 गेंदों में 28 रन बनाकर नाबाद लौटे। मार्श ने अपनी पारी के दौरान 6 चौके और 4 छक्के लगाये। ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मिशेल मार्श को जीत का हीरो तथा डेविड वॉर्नर को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के इस सत्र में पाकिस्तान के बाबर आजम ने सर्वाधिक 303 रन बनाये हैं, वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने सर्वाधिक 16 विकेट अपने नाम किये।

- ऑस्ट्रेलिया आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप का छठवां चैंपियन है।
- इससे पहले भारत (2007), पाकिस्तान (2009), इंग्लैंड (2010), वेस्टइंडीज (2012 एवं 2016) तथा श्रीलंका (2014) चैंपियन बन चुका है।
- ऑस्ट्रेलिया का यह छठवां विश्वकप खिताब है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पांच बार बन-डे विश्वकप भी जीत चुका है।
- आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच यह दूसरी भिड़ंत थी। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया बना है विजेता।

## निशानेबाजी में एशिया का बढ़ा ओलिंपिक कोटा

**म्युनिख,** अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने एशिया महाद्वीप के लिये ओलिंपिक कोटा स्थान बढ़ा दिये हैं। अभी तक ओलिंपिक कोटे में एशिया के लिये 38 सीटें होती थीं, जो बढ़ाकर 48 कर दी गई है। आईएसएसएफ ने कहा कि यह व्यवस्था वर्ष 2024 में आयोजित होने वाले पेरिस ओलिंपिक से लागू होगी। पेरिस ओलिंपिक के लिये क्वालिफिकेशन की शुरुआत अगले साल से होगी। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने कहा कि आईएसएसएफ से एक पत्र मिला है, जिसमें पुष्टि की गई है कि एशिया के लिये निशानेबाजी कोटे में 10 स्थानों की बढ़ोत्तरी की गई है। उल्लेखनीय है कि टोक्यो ओलिंपिक में भारत के 15 निशानेबाजों ने क्वालिफाई किया था।

## लुईस हैमिल्टन ने जीती साओ पाउलो ग्रांप्री

**साओ पाउलो,** ब्रिटेन के अनुभवी कार रेसर लुईस हैमिल्टन ने साओ पाउलो ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस अपने नाम की है। हैमिल्टन ने 71 लैप की इस रेस को एक घंटा 32 मिनट 22.851 सेकंड में पूरा किया। रेस में मैक्स वर्स्टापेन दूसरे, वाल्टेरी बोटास तीसरे, सर्जियो पेरेज चौथे तथा चार्ल्स चेकलर्क पांचवें स्थान पर रहे। रेस में वाल्टेरी बोटास ने पोल पोजिशन से शुरुआत की थी, लेकिन वे अपनी बढ़त को बरकरार नहीं रख पाये। हैमिल्टन ने अपने दमदार प्रदर्शन से जल्द ही रेस में बढ़त हासिल की, जो अंत तक कायम रही। फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में अब हैमिल्टन और वर्स्टापेन के बीच प्रतिस्पर्धा और कड़ी हो गई है।

# विवेक जूनियर हॉकी विश्वकप में होंगे भारत के कप्तान

**नई दिल्ली,** भारत की मेजबानी में भुवनेश्वर में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले जूनियर हॉकी विश्वकप में विवेक सागर प्रसाद भारतीय हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगे। हॉकी इंडिया ने जूनियर विश्वकप के लिये 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित की। विवेक को टीम का कप्तान तथा संजय को उपकप्तान बनाया गया है।

मध्यप्रदेश के निवासी विवेक विश्व के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में एक हैं। विवेक टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य हैं। जबकि संजय वर्ष 2018 में युवा ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में डिफेंडर के रूप में खेले थे।

जूनियर हॉकी विश्वकप में विश्व की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में भारत को ग्रुप बी में कनाडा, पोलैंड और फ्रांस के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 24 नवम्बर को फ्रांस के खिलाफ करेगा। इसके बाद 25 नवम्बर को कनाडा से तथा 27 नवम्बर को पोलैंड से भारत की भिड़ंत होगी। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमों ने कोरोना महामारी के सख्त प्रोटोकॉल के चलते टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। भारत ने वर्ष 2001 और 2016 में यह विश्वकप जीता है। वहीं जर्मनी ने सर्वाधिक छह बार खिताब पर कब्जा किया है।

**भारतीय हॉकी टीम**

विवेक सागर प्रसाद, संजय, शारदानंद तिवारी, प्रशांत चौहान, सुदीप चिरमाको, राहुल कुमार राजभर, मनिंदर सिंह, पवन, विष्णुकांत सिंह, अंकित पाल, उत्तम सिंह, सुनील जोजो, मंजीत, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, अभिषेक लाकड़ा, यशदीप सिवाच, गुरमुख सिंह और अरिजीत सिंह हुंदल। **स्टैंड बाय खिलाड़ी-** दीनाचंद्र सिंह मोइरंगथेम और बॉबी सिंह धामी।

भारत-न्यूजीलैंड ट्वेंटी-20 सीरीज

# रोहित ने किया जीत के साथ कप्तानी का आगाज

**जयपुर,** भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन से उबरते हुये नये दौरे की शुरुआत जीत के साथ की है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की ट्वेंटी-20 का पहला मैच 5 विकेट से जीता है। इस मैच से रोहित शर्मा ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नियमित कप्तान के तौर पर शुरुआत की है। इसके अलावा यह मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के कार्यकाल का पहला मैच भी था।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भुवनेश्वर कुमार ने मैच की तीसरी गेंद में डेरिल मिशेल को आउट कर इस निर्णय को सही साबित किया। इसके बाद मार्टिन गुप्टिल (70) और मार्क चेपमैन (63) ने तेजी से रन जोड़ते हुये दूसरे विकेट के लिये 77 गेंदों में 109 रनों की साझेदारी की। पारी के अंतिम ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की और लगातार विकेट झटकते हुये न्यूजीलैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 164 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। रोहित शर्मा (48) और के.एल. राहुल (15) की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 5 ओवरों में 50 रन जोड़े। इसके बाद रोहित ने सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। सूर्यकुमार ने भारत की तरफ से सर्वाधिक 62 रन बनाये। एक समय भारत की जीत आसान लग रही थी, लेकिन न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी से मैच आखिरी ओवर तक गया। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिये 10 रन चाहिये थे, भारत ने 2 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

## आसिफ और लॉरा बनीं प्लेयर ऑफ द मंथ

**दुबई,** आईसीसी ने अक्टूबर माह के लिये आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार घोषित किये हैं। पुरुष वर्ग में पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली, जबकि महिला वर्ग में आयरलैंड की ऑलराउंडर लॉरा डेलानी को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। आसिफ ने ट्वेंटी-20 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में 19वें ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलाई थी। आसिफ के अलावा पुरस्कार के लिये शाकिब अल हसन और डेविड वीसे को नामांकित किया गया था। वहीं लॉरा डेलानी की कप्तानी में आयरलैंड ने अक्टूबर में जिम्बाब्वे के खिलाफ वन-डे सीरीज में 3-1 से जीत दर्ज की थी। इस सीरीज में लॉरा ने 189 रन बनाने के साथ चार विकेट भी लिये थे।

आईसीसी की घोषणा

# भारत को मिली तीन टूर्नामेंट की मेजबानी

**दुबई,** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वर्ष 2024 से 2031 के बीच खेले जाने वाले आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले देशों के नाम घोषित कर दिये हैं। ये टूर्नामेंट आईसीसी के अगले फ्यूचर टूर प्रोग्राम का हिस्सा है। इस प्रोग्राम में भारत को तीन आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है।

**श्रीलंका के साथ ट्वेंटी-20 विश्वकप का मेजबान भारत**

आईसीसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार वर्ष 2024 में अमेरिका और वेस्टइंडीज संयुक्त रूप से ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी करेंगे। भारत वर्ष 2026 में श्रीलंका के साथ मिलकर ट्वेंटी-20 विश्वकप का आयोजन करेगा। वर्ष 2028 में ट्वेंटी-20 विश्वकप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जायेगा। वहीं वर्ष 2030 में इंग्लैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी करेंगे।

International Cricket Council

**भारत और बांग्लादेश में होगा वन-डे विश्वकप**

भारत को वर्ष 2031 में वन-डे विश्वकप की मेजबानी भी सौंपी गई है। भारत इस विश्वकप का आयोजन बांग्लादेश के साथ मिलकर करेगा। भारत को वर्ष 2023 में पहले ही वन-डे विश्वकप की मेजबानी मिल चुकी है। आईसीसी ने दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामिबिया को वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले वन-डे विश्वकप की मेजबानी भी सौंपी है।

इसके अलावा आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के दो संस्करणों के लिये मेजबान देश भी घोषित किये हैं। वर्ष 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में खेली जायेगी, जबकि वर्ष 2029 में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भारत में होगा।

- आईसीसी ने नये कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक आईसीसी टूर्नामेंट की विंडो निर्धारित की है।
- पाकिस्तान को वर्ष 1996 के बाद पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है।
- आईसीसी क्रिकेट के वैश्विक विस्तार के लिये नये देशों को टूर्नामेंट्स की सह मेजबानी दी है।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

## सामयिकी

• फ्रांस के राष्ट्रपति ने •

### राष्ट्रीय झंडे में किया बदलाव

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने देश के झंडे के नीले रंग में बदलाव कर दिया है। झंडे में पहले से मौजूद नीले रंग को नेवी

ब्लू में बदल दिया गया है। यह रंग 1976 से पहले राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा होता था। एलिसी पैलेस को सुशोभित करने वाले झंडे के नीले रंग का परिवर्तन पहली बार एक साल पहले किया गया था, लेकिन काफी हद तक किसी का ध्यान नहीं गया। इस संबंध में देश को जानकारी नहीं देने को लेकर उनकी आलोचना हो रही है।

**जैक्स लुई डेविड ने किया था डिजाइन**

फ्रांस के तिरंगे में नीला, लाल और सफेद रंग शामिल है। नीले और लाल रंग को फ्रांस का पारंपरिक रंग माना जाता है। राष्ट्र ध्वज में नीला रंग स्वतंत्रता, सफेद रंग समानता और लाल रंग भाइचारे के प्रतीक के रूप में लिया गया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

# आज जितनी पश्चिम की पूछ है, उतनी ही पूर्वांचल के लिए भी प्राथमिकता है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। उन्होंने सुल्तानपुर जिले में एक्सप्रेस-वे पर बनाई गई 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर आयोजित एयर-शो का भी अवलोकन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन साल पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास करते समय उन्होंने कल्पना नहीं की थी कि एक दिन वे उसी एक्सप्रेस-वे पर सीधे लैंड भी करेंगे। उन्होंने कहा, "यह एक्सप्रेस-वे तेज गति से बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के समग्र विकास के लिए देश का संतुलित विकास भी उतना ही जरूरी है। कुछ क्षेत्र विकास में आगे बढ़ते हैं तो कुछ क्षेत्र दशकों पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह असमानता किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी देश की समृद्धि। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण करते समय इस बात को भी ध्यान में रखते हुए फाइटर जेट्स की इमरजेंसी लैंडिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इन विमानों की गर्जना उन लोगों के लिए होगी जिन्होंने दशकों तक देश में रक्षा संबंधी

बुनियादी ढांचे की अनदेखी की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें देश की सेवा करने का अवसर दिया तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास को प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों की सक्रिय भागीदारी से अब उत्तरप्रदेश के विकास का सपना साकार हो रहा है। उत्तरप्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, एम्स स्थापित किए जा रहे हैं, आधुनिक शिक्षण संस्थान बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये भी एक सच्चाई थी कि उत्तरप्रदेश जैसा विशाल प्रदेश, पहले एक दूसरे से काफी हद तक कटा हुआ था। अलग-अलग हिस्सों में लोग जाते तो थे, लेकिन एक दूसरे से कनेक्टिविटी ना होने की वजह से परेशान रहते थे। पूरब के लोगों के लिए लखनऊ पहुंचना भी महाभारत जीतने जैसा होता था। लेकिन आज जितनी पश्चिम की पूछ है, उतनी ही पूर्वांचल के लिए भी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे अपार आकांक्षाओं और विकास की अपार संभावनाओं वाले शहरों को लखनऊ से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि जहां अच्छी सड़कें होती हैं, अच्छे राजमार्ग पहुंचते हैं, वहां विकास की गति बढ़ती है, रोज़गार का सृजन तेजी से होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बेहतरीन कनेक्टिविटी जरूरी है, यूपी के हर कोने को एक-दूसरे से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूपी में जैसे-जैसे एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहे हैं, औद्योगिक गलियारे का काम भी शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बन रहा डिफेंस कॉरिडोर यहां रोज़गार के नए अवसर लेकर आने वाला है। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश की बुनियादी ढांचे से जुड़ी सुविधाएं भविष्य में अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बहुमुखी विकास के लिए सरकार दिन-रात काम कर रही है। कनेक्टिविटी के साथ-साथ यूपी में इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केवल 2 वर्षों में, उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग 30 लाख ग्रामीण परिवारों को पाइप द्वारा पेयजल कनेक्शन प्रदान किया है और इस वर्ष डबल इंजन सरकार लाखों बहनों को उनके घरों में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवा की भावना से राष्ट्र निर्माण में लगे रहना हमारा कर्तव्य है, हम वही करेंगे।

## कम्युनिस्ट पार्टी में जिनपिंग का दबदबा कायम

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की उच्च स्तरीय बैठक में पार्टी के गत 100 साल की अहम उपलब्धियों को लेकर ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही अगले साल राष्ट्रपति शी जिनपिंग के रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए भी रास्ता साफ कर दिया गया है।

पार्टी की 19वीं केंद्रीय समिति का छठवां पूर्ण अधिवेशन आठ से 11 नवंबर को बीजिंग में आयोजित किया गया। अधिवेशन संपन्न होने के बाद जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि बैठक में ऐतिहासिक प्रस्ताव की समीक्षा की गई और उसे पारित किया गया। सीपीसी के 100 साल के इतिहास में यह इस तरह का मात्र तीसरा प्रस्ताव है। जारी बयान में कहा गया कि शी

जिनपिंग ने सत्र में अहम भाषण दिया। बैठक के दौरान सीपीसी के राजनीतिक ब्यूरो की ओर से शी द्वारा सौंपी गई कार्य रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। शी ने प्रस्ताव के मसौदे पर भी स्थिति स्पष्ट की। सत्र में वर्ष 2022 के उत्तरार्ध में बीजिंग में सीपीसी की 20वीं नेशनल कांग्रेस आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। जिसमें उम्मीद की जा रही है कि शी के नाम को आधिकारिक रूप से अभूतपूर्व तरीके से तीसरे कार्यकाल के लिए प्रस्तावित किया जाएगा।

पनडुब्बी विवाद के बाद

## अमेरिका और फ्रांस साथ काम करने के लिए तैयार

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पनडुब्बी विवाद के बाद मुलाकात की। दोनों ने सहमति जताई है कि अमेरिका और फ्रांस फिर मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

पनडुब्बी विवाद के बाद दोनों देशों के संबंध बेहद खराब हो गए थे। इस मामले में सबसे पुराने सहयोगी फ्रांस के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के अमेरिका के प्रयासों के तहत हैरिस ने राष्ट्रपति आवास एलिस में मैक्रों से मुलाकात की।

इटली के रोम में हुई एक बैठक के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने

मैक्रों से कहा था कि अमेरिका पनडुब्बी मामले को संभालने में अनाड़ी रहा। राष्ट्रपति बाइडेन के इस बयान के बाद हैरिस की चार दिवसीय यात्रा पिछले दिनों संपन्न हुई। हालांकि बाइडेन ने इस मामले पर मैक्रों से औपचारिक रूप से माफी तो नहीं मांगी, लेकिन स्वीकार किया कि अमेरिका को अपने सबसे पुराने सहयोगी को इस तरह आश्चर्यचकित नहीं करना चाहिये था।

**क्या था पनडुब्बी विवाद**

अमेरिका और ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया के साथ परमाणु पनडुब्बी की आपूर्ति के लिए करार किया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ डीजल संचालित पनडुब्बी के करार को रद्द कर दिया था। इस पर फ्रांस ने नाराजगी जताई थी और इससे वाशिंगटन के साथ उनके रिश्तों में भी खटास आ गई थी।

॥ बुर्किना फासो ॥

## सुरक्षाबलों पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़ी

पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो में सुरक्षाबलों के एक दल पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गयी है।

मरने वालों में कम से कम 28 सुरक्षा अधिकारी जबकि चार आम नागरिक शामिल हैं। पश्चिम अफ्रीकी देश में जिहादी हिंसा की शुरुआत के बाद से पिछले करीब पांच वर्षों के दौरान सुरक्षाबलों पर होने वाला यह सबसे घातक हमला है।

बुर्किना फासो के संचार मंत्री ओसेनी तंबौरा ने कहा कि साहेल के सौम प्रांत में, इनाटा में सुरक्षाबलों की एक टुकड़ी पर अज्ञात सशस्त्र समूहों ने

हमला कर दिया था।

जानकारी के अनुसार पास के शहर केल्बो में भी उसी दिन सुरक्षाबलों की एक और टुकड़ी पर हमला किया गया था, लेकिन सुरक्षाबलों ने उसे विफल कर दिया था।

सरकार ने इस हिंसा को बर्बर और कायराना हमला करार देते हुए तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

ज्ञात रहे कि यह हमला गृह युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे देश में हिंसा की ताजा घटना है। इन हिंसक घटनाओं को अल-कायदा से जुड़े जिहादी समूहों और इस्लामिक स्टेट समूह द्वारा अंजाम दिया जाता है।

यह आतंकवादी संगठन अब तक हजारों लोगों की हत्या कर चुके हैं, जबकि इनकी गतिविधियों के कारण 14 लाख से अधिक लोगों को देश छोड़कर अन्य स्थानों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

= कोरोना प्रभाव =

## यूरोप में बढ़े पर्यटक, ब्रिटेन में घटे

कोरोनाकाल के बाद यूरोप पर्यटकों के लिए खुल रहा है। यूरोप के कई देशों में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन ब्रिटेन

- **ब्रिटेन दुनियाभर में एक्टिव केसों के मामले में दूसरे नंबर पर।**
- **फ्रांस में 35% बढ़े पर्यटक, 4300 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय।**

में पर्यटकों के कदम नहीं पड़ रहे हैं। कोरोना मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या, सप्लाई चेन बाधित होना और यात्रा प्रतिबंधों में लगातार अनियमित रूप से बदलाव के कारण पर्यटक ब्रिटेन का रुख नहीं कर रहे हैं। ब्रिटेन में 2019 की तुलना में 2021 में अब तक पर्यटकों की संख्या में 82 फीसदी की कमी आई है। ब्रिटेन के नेशनल टूरिस्ट

बोर्ड के अनुसार क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान भी पर्यटकों की आमद बढ़ने की कोई संभावना नहीं है। जबकि ब्रिटेन के पड़ोसी देश फ्रांस में 2020 की तुलना में 2021 में पर्यटकों की संख्या में 35 फीसदी की वृद्धि हुई। फ्रांस की अर्थव्यवस्था में पर्यटकों की आमद से लगभग 4300 करोड़ रुपये की आय बढ़ी।

## मिसाइल से उपग्रह तबाह करने से अंतरिक्ष में फैला कचरा

रूस द्वारा अंतरिक्ष में अपने एक पुराने सैटेलाइट को मिसाइल दागकर मार गिराने से अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। स्पेस स्टेशन पर दो रूसी यात्री भी मौजूद हैं। रूसी कार्रवाई से भड़के अमेरिका ने कहा है कि पुतिन सरकार की इस खतरनाक हरकत से ऐस्ट्रोनॉट की जान भी जा सकती है। अमेरिका ने बताया कि रूसी उपग्रह के 1500 टुकड़े अब अंतरिक्ष में

- **रूस ने अंतरिक्ष में अपने एक पुराने सैटेलाइट को मिसाइल दागकर मार गिराया है।**
- **इससे बड़े पैमाने पर मलबा पैदा हो गया है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को बड़ा खतरा है।**
- **अमेरिका ने कहा है कि पुतिन सरकार की इस हरकत से ऐस्ट्रोनॉट की जान भी जा सकती है।**

तैर रहे हैं जो कभी भी हादसा कर सकते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, "अंतरिक्ष में फैले मलबे से दुनियाभर के देशों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है।"

प्रवक्ता नेड प्राइस ने यह भी कहा कि इस मिसाइल टेस्ट से अंतरिक्ष में मौजूद 7 ऐस्ट्रोनॉट और अन्य मानवीय स्पेस फ्लाइट को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इससे पहले रूसी उपग्रह के मलबे के आने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को अपने सोयूज और ड्रैगन वाहनों में शरण लेनी पड़ी जो स्पेस स्टेशन में जुड़े हैं। रूसी उपग्रह का यह मलबा प्रत्येक 90 मिनट पर वहां से गुजर रहा था। इस समय स्पेस स्टेशन पर नासा के 4, रूस के 2 और जर्मनी का 1 अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।